मूल्य - 20

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMIN

अंगिराऽसि जंगिडः

वर्षः 119, अंकः 07, जुलाई -2026 ई., तारीख 22-27 प्रति माह

श्री विश्वकर्मणे नमः

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN) 39/2024-26 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

5 जुलाई, 2026 को बैंगलोर मे आयोजित महासभा की त्रैमासिक मीटिंग और कर्नाटक प्रदेश सभा कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के कुछ यादगार पल

प्रधान- श्री रामपाल शर्मा

सम्पादक- रामभगत शर्मा

शुभलाभ GREEN VALLEY
2&3 BHK LUXURIOUS FLAT & SHOPS

शुभलाभ VINTAGE VILLA
6 BHK Luxurious Villas

THE VINTAGE by शुभलाभ
3 BHK Premium Living

शुभलाभ HERITAGE
3 | 4 BHK Heritage Living & Penthouse

शुभलाभ SQUARE
Showrooms | Corporate Entertainment

शुभलाभ® GROUP

AHMEDABAD

THE VINTAGE
Naroda- Dehgam Road
Opp. Shyam Valencia Bungalow
New Naroda, A'bad-382230

Nilesh Sharma 96388 00449
Anurag Sharma 83201 68811

शुभलाभ HEIGHTS
2 | 3 BHK Premium Living

SENTOSA
ROYAL BUNGALOW
4 BHK Royal Living Homes

PALATE
RESTAURANT & BANQUET

GRAND Neelkanth
banquet & restaurant
100-1000 Capacity Banquet

FITNESS FUEL
365 Days Open, Luxurious Gym

5 जुलाई, 2026 को बैंगलोर मे आयोजित महासभा की त्रैमासिक मीटिंग और कर्नाटक प्रदेश सभा कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के कुछ यादगार पल

INTERIO CRAFT

MERGER OF **ROYAL, SG AND KRISHNA INTERIORS**

Our Management Team

Rampal Sharma | Deepak Sharma | Jagmohan Sharma | Amith Sharma

With its existence over three and half decades, we have carved a niche in the segment of providing complete interior solutions to various corporates houses, retail stores & residences pan India.

OUR STRENGTHS
- QUALITY OF WORK
- SERVICE COMMITMENT
- ON TIME COMPLETION
- PRICING

Our Sister Concerns:

- Krishna Ventures
- Krishna Retails
- SG Ventures
- NR Retails

Our Franchise Stores

- N R Retails, Uspolo Store, Kammanahalli, BANGALORE
- Uspolo Store, Vega City Mall, BANGALORE
- Krishna Retails, Uspolo Store, USPA-Forum Sujana Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM-Forum, Sujana Mall, HYDERABAD
- Uspolo Kids, USPA kids-Sarat City Mall, HYDERABAD
- Uspolo Denim, USPA Denim - Sarat City Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM -Sarat City Mall, HYDERABAD
- Krishna Ventures, Mega Mart, Mega Mart - Kotputli, JAIPUR
- Third Wave Coffee, Bel Road, BANGALORE
- Wrogn Store, L&T Mall, HYDERABAD
- Swish Salon, BANGALORE

OUR SERVICES

ON SITE
- Carpentry
- Painting
- Tiling
- Marble Work
- Electrical & Lighting
- Civil
- Plumbing...

OFF SITE
- Production of Furniture
- Metal Works

WE ARE TURNKEY INTERIOR SOLUTION PROVIDERS

WE MAKE THEM LOOK AESTHETICALLY RICH AND BEAUTIFUL

Reach us:

Corporate Office: No 13/14 Royal Chambers, 3rd Floor, Dodda Banaswadi, Outer Ring Road, Near Vijaya bank Colony, Bengaluru, Karnataka 560043

080 2542 6161

projects@interiocraft.com

www.interiocraft.com

Some of our Valuable Clients

FLYING MACHINE, U.S. POLO ASSN., AÉROPOSTALE, ARROW, LP LOUIS PHILIPPE, PETER ENGLAND, NAUTICA, GAP, trueblue, GANT, Allen Solly, VAN HEUSEN, lifestyle, max, homecentre, ZOYA, TANISHQ, TANEIRA, TITAN, Helios, fastrack, TITAN eyeplus, Mia, MELORRA, CENTRO, BIRKENSTOCK, THIRD WAVE COFFEE, SWAYAMVAR, SHOPPERS STOP, BLUESTONE, SS BEAUTY, SWISH, TASVA, Manyavar

"जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका" के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज के सभी वर्ग के व्यक्तियों के सर्वांगीण विकास के लिए नवाचार करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यात्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना तथा उन्मूलन के लिए विकास की ओर उन्मुख होने का संचरण करना।
6. पत्रिका प्रत्येक अंग्रेजी माह की 22-27 तारीख को प्रकाशित होती है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी गयी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्रिका में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित | पंजीकृत सं. एस.-27/1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदरकुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाषः- 011-45516719 , 9990070023

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रामपाल शर्मा "जांगिड" - 09844026161
महामंत्री-पं.सांवरमल "जांगिड" - 09414003411
सम्पादक-पं.रामभगत शर्मा "जांगिड" - 09814681741
सह सम्पादक-पं.प्रहलाद राय शर्मा "जांगिड"- 08140229679

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता	रुपये
प्लैटिनम सदस्य	1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	51,000/-
रजत सदस्य	25,000/-
विशेष सम्पोषक	21,000/-
सम्पोषक सदस्य	11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	240/-
मासिक पत्रिका शुल्क	20/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-,वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-,वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

UPI ID: akhilbhartiyajangidbrahminmahasabha@sbi

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. **61012926182, (IFSC Code: SBIN0006814)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, मुण्डका, नई दिल्ली-41) में 49000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्ताओं से अनुरोध है कि नकद जमापर्ची / चेक /Neft जमापर्ची पर पाने वाले का नाम **"अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा"** अवश्य लिखें तथा जमा राशि का सम्पूर्ण विवरण महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें। महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है। दानदाता अपनी आयकर विवरणी दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

अरूण कुमार (अनिल जांगिड)
कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9810988553

॥ ओ३म् भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

अनुक्रमणिका

03. 5 जुलाई, 2026 को बैंगलोर मे आयोजित अ.भा.जां. ब्रा. महासभा की त्रैमासिक मीटिंग और प्रदेशसभा कर्नाटक की नवनियुक्त कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह की चित्रावली..
07. संपादकीय...
09. प्रधान की कलम से...
10. आभार एवम... सुरेंद्र कुमार, नरेंद्र कुमार और वीरेंद्र कुमार
11. महासभा संविधान संशोधन हेतु सुझाव आमंत्रित..
12. चुनाव अधिसूचना जिलाध्यक्ष पद - शामली
13. चुनाव अधिसूचना जिलाध्यक्ष पद - गाजियाबाद
14. बैंगलुरू में महासभा द्वारा आयोजित समारोह मे कर्नाटक.
16. अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल, बांकनेर, दिल्ली की...
17. बेंगलुरू - प्रदेशाध्यक्षों की मीटिंग का सार..
22. मानव तस्करी सभ्य समाज के लिए एक अभिशाप...
24. अनेक संदेशों से भरी है- बरसात की पहली बूँद..
25. राजस्थान फाउंडेशन दबई चैप्टर की ऐतिहासिक बैठक..
27. सेवा, समर्पण और... भाजपा ओबीसी मोर्चा, राजस्थान..
28. रोहताश जांगड़ा, हरि० श्रमिक कल्याण बोर्ड के चेयरमैन.
29. आदमपुर के विधायक चन्द्रप्रकाश जांगिड को हरियाणा..
30. भारत में कैंसर का बढ़ता बोझ; चुनौतियाँ और इसकी...
32. मनुर्भवः - (मनुष्य बनो).
33. सूर्य नमस्कार मैं सभी योगों का योग भाग - 2
35. भविष्य सखद बनाने के लिए वर्तमान को सुन्दर बनाना...
36. जिस दान के पीछे स्वार्थ की भावना छिपी हो, वह सच्चा.
37. विश्व हेपेटाइटिस दिवस
39. विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस
41. नारनौल बावडीपुर निवासी कृष्ण अवतार शर्मा ने 100 से
42. बच्चों में मायोपिया नजदीक की दृष्टि दोष
43. अ.भा.जां. ब्रा. महासभा जिला सभा चूरू द्वारा तहसील..
44. ब्लॉक सभा साहपुरा का भव्य "शपथ ग्रहण समारोह"..
45. अजमेर जिले मे महिला शाखा सभाओं मे शाखा अध्यक्षों
46. मानव सुथार, श्रीगंगानगर लौटे - अद्भुत मानव...
48. महा0 राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती उषा बरड़वा
49. महा0 की अजमेर महिला प्रकोष्ट की अध्यक्षा श्रीमती शोभा शर्मा
50. राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में समर्थ जांगिड ने जीता....
51. रालेगांव, जि० यवतमाल. सुमित जांगिड चार्टर्ड अकाउंटेंट.
52. महाराष्ट्र के चिखली निवासी, वत्सल शर्मा ने.एम.बी.बी.
53. गांव अड़वड़, जिला नागौर की बेटी मनीषा जांगिड....
54. वर्तमान प्रधान के कार्यकाल में बने हुए एक लाख रुपये के प्लेटिनम सदस्य
60. वैवाहिक विज्ञापन...
61. 5 जुलाई, 2026 को बैंगलोर में आयोजित अ.भा.जा. ब्रा. महासभा की त्रैमासिक मीटिंग और प्रदेशसभा कर्नाटक की नवनियुक्त कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह की चित्रावली..

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)
शुभ लाभ ग्रुप
कृष्णा इंटीरियर
भारत व्हील
शर्मा एंड कंपनी
भागीरथ मोटर्स

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर माह की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही है वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही है, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही है। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ है तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते है कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती है।

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्वानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें! बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे है। जिससे हमेशा पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे।

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अंत में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है - तो उसका संदर्भ अवश्य दे तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6) अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

- सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

सम्पादकीय-------

प्रहलाद राय शर्मा (जांगिड) – सह संपादक

जांगिड समाज में बदलती वैवाहिक सोच : पैतृक व्यवसाय के प्रति सम्मान और समाज की एकता की आवश्यकता

भारतीय समाज में विवाह केवल दो व्यक्तियों का ही नहीं, बल्कि दो परिवारों, संस्कृतियों और परम्पराओं का मिलन माना जाता है। प्रत्येक समाज अपनी विशिष्ट पहचान, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने के लिए विवाह संस्था को अत्यंत महत्वपूर्ण मानता है। हमारा समाज, जो अपनी कला, शिल्पकला, वास्तुकला, बढ़ईगिरी, मूर्तिकला तथा निर्माण कार्यों में सदियों से अपनी विशिष्ट पहचान रखता आया है, आज एक ऐसे सामाजिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है जहाँ विवाह संबंधों को लेकर नई चुनौतियाँ सामने आ रही हैं।

वर्तमान समय में एक विरोधाभास स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। एक ओर हमारा समाज अपने गौरवशाली पैतृक व्यवसायों पर गर्व करने की बात करता है, वहीं दूसरी ओर उन्हीं व्यवसायों से जुड़े योग्य और शिक्षित युवकों को विवाह के लिए कम प्राथमिकता दी जाती है। अनेक परिवार अपनी बेटियों के लिए केवल सरकारी या प्रतिष्ठित निजी नौकरी करने वाले वर की तलाश करते हैं, जबकि व्यापार, ठेकेदारी, उद्योग या पैतृक व्यवसाय में लगे युवकों को अपेक्षाकृत कम महत्व दिया जाता है। यह सोच केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरे समाज की वैवाहिक व्यवस्था और सामाजिक संरचना पर पड़ रहा है।

हमारे समाज का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। भारत के अनेक मंदिरों, महलों, किलों और ऐतिहासिक इमारतों के निर्माण में हमारे समाज के कारीगरों, शिल्पियों और वास्तु विशेषज्ञों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हमारा समाज अपने श्रम, कौशल और सृजनशीलता के कारण सदैव सम्मानित रहा है। आज भी समाज के अनेक परिवार फर्नीचर निर्माण, इंटीरियर डिज़ाइन, भवन निर्माण, ठेकेदारी, मूर्तिकला, लकड़ी उद्योग और अन्य व्यवसायों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। अनेक लोगों ने इन्हीं पारंपरिक व्यवसायों के आधार पर करोड़ों रुपये के उद्योग स्थापित किए हैं और हजारों लोगों को रोजगार प्रदान किया है। ऐसे में यदि समाज स्वयं अपने पैतृक व्यवसायों को हीन दृष्टि से देखने लगे तो यह न केवल अपने इतिहास का अपमान होगा बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी गलत संदेश होगा।

पिछले दो-तीन दशकों में शिक्षा का विस्तार हुआ है। यह अत्यंत सकारात्मक परिवर्तन है। बेटियाँ उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं, प्रशासनिक सेवाओं, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, शिक्षा तथा अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर रही हैं। लेकिन इसके साथ-साथ विवाह संबंधों में अपेक्षाओं का स्तर भी बदल गया है। अनेक परिवारों में यह धारणा बन गई है कि केवल सरकारी नौकरी वाला युवक ही विवाह के लिए सर्वोत्तम विकल्प है। यदि कोई युवक स्नातक या स्नातकोत्तर होने के बावजूद अपना व्यापार करता है, ठेकेदारी करता है या पारिवारिक व्यवसाय संभालता है, तो उसे कम महत्व दिया जाता है।

यह सोच कई बार वास्तविकता से मेल नहीं खाती। एक सफल व्यापारी या ठेकेदार आर्थिक रूप से अधिक सक्षम हो सकता है, उसके पास स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता होती है तथा वह अन्य लोगों को रोजगार भी देता है। इसके विपरीत नौकरी करने वाला व्यक्ति अपनी नौकरी की स्थिरता पर निर्भर रहता है और आर्थिक सीमाओं में बंधा होता है। इसका अर्थ यह नहीं कि नौकरी गलत है या व्यापार श्रेष्ठ है। दोनों का अपना-अपना महत्व है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब किसी एक वर्ग को श्रेष्ठ और दूसरे को निम्न मान लिया जाता है।

आज अनेक परिवार विवाह के लिए इतनी अधिक शर्तें निर्धारित कर देते हैं कि उपयुक्त रिश्ते मिलना कठिन हो जाता है। उदाहरण के लिए—लड़का सरकारी नौकरी में हो। उच्च वेतन प्राप्त करता हो। बड़े शहर में रहता हो। स्वयं का मकान हो। परिवार छोटा हो और सामाजिक प्रतिष्ठा हो। जब इतनी अधिक अपेक्षाएँ जुड़ जाती हैं तो रिश्तों का दायरा सीमित होता जाता है। परिणामस्वरूप कई योग्य युवक और युवतियाँ विवाह योग्य आयु पार कर जाते हैं।

पहले जहाँ 20 से 25 वर्ष की आयु में अधिकांश विवाह हो जाते थे, वहीं अब अनेक युवक-युवतियाँ 35 से 40 वर्ष की आयु तक अविवाहित रह जाते हैं। इसके बाद उपयुक्त रिश्ते मिलना और भी कठिन हो जाता है। विवाह में अत्यधिक विलम्ब के कई सामाजिक प्रभाव दिखाई देने लगे हैं।

1.जब विवाह योग्य आयु निकलने लगती है तो युवक और युवती दोनों मानसिक दबाव का सामना करते हैं। परिवार भी चिंता और तनाव में रहता है।
2.रिश्तों के लगातार असफल होने से परिवारों में निराशा बढ़ती है। कई बार माता-पिता और बच्चों के बीच मतभेद भी उत्पन्न हो जाते हैं।
3.लंबे समय तक विवाह न होने पर कुछ लोग सामाजिक कार्यक्रमों से दूरी बनाने लगते हैं, जिससे समाज की एकता प्रभावित होती है।
4.जब समाज के भीतर उपयुक्त रिश्ते नहीं मिलते, तब कुछ युवक-युवतियाँ अन्य समुदायों में विवाह करना पसंद करते हैं। यह उनका व्यक्तिगत अधिकार है, लेकिन समाजशास्त्रीय दृष्टि से यह समाज की आंतरिक वैवाहिक व्यवस्था की कमजोरियों की ओर संकेत करता है।

यह समझना आवश्यक है कि कोई भी व्यवसाय छोटा या बड़ा नहीं होता। यदि किसी युवक ने शिक्षा प्राप्त करने के बाद अपना व्यवसाय शुरू किया है, ठेकेदारी कर रहा है, उद्योग चला रहा है या पैतृक कार्य को आधुनिक रूप देकर आगे बढ़ा रहा है, तो यह उसकी उद्यमशीलता का प्रमाण है।

आज भारत सरकार भी "स्टार्टअप इंडिया", "मेक इन इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" जैसे अभियानों के माध्यम से युवाओं को नौकरी खोजने के बजाय रोजगार सृजनकर्ता बनने के लिए प्रेरित कर रही है। जो युवक स्वयं का व्यवसाय करता है वह केवल अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि अनेक अन्य परिवारों की आजीविका का भी आधार बनता है। इसलिए केवल नौकरी के आधार पर किसी युवक का मूल्यांकन करना उचित नहीं कहा जा सकता।

शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को जागरूक, आत्मनिर्भर और विवेकशील बनाना है। शिक्षा कभी भी अपने समाज, संस्कृति और परंपराओं से दूर होने की प्रेरणा नहीं देती। उच्च शिक्षा प्राप्त बेटियों और उनके परिवारों को यह समझना चाहिए कि विवाह का आधार केवल नौकरी या वेतन नहीं होना चाहिए। युवक का चरित्र, संस्कार, व्यवहार, परिवार, आर्थिक स्थिरता, सामाजिक प्रतिष्ठा और जीवन के प्रति दृष्टिकोण भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। यदि कोई युवक शिक्षित, जिम्मेदार, आर्थिक रूप से सक्षम और अच्छे संस्कारों वाला है तो केवल इसलिए उसे अस्वीकार नहीं करना चाहिए कि वह सरकारी नौकरी में नहीं है। **समाज इसके लिये कुछ कदम उठा सकता है जैसे- 1. वैवाहिक दृष्टिकोण में परिवर्तन:-** समाज को नौकरी और व्यवसाय के बीच कृत्रिम भेदभाव समाप्त करना होगा।
2. सामूहिक विवाह परिचय सम्मेलन:- नियमित रूप से युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किए जाने चाहिए ताकि परिवार एक-दूसरे को समझ सकें।
3. विवाह योग्य युवाओं का डाटा बैंक:- समाज स्तर पर आधुनिक डिजिटल वैवाहिक मंच विकसित किए जा सकते हैं।
4. जागरूकता अभियान:- समाज के प्रबुद्ध वर्ग को विवाह में बढ़ती अव्यावहारिक अपेक्षाओं के दुष्परिणामों पर चर्चा करनी चाहिए।
5. सफल व्यवसायियों का सम्मान:- जो युवा पैतृक व्यवसाय या उद्योग के माध्यम से समाज का नाम रोशन कर रहे हैं, उनका सार्वजनिक सम्मान किया जाना चाहिए।

किसी भी समाज की शक्ति उसकी एकता में निहित होती है। यदि समाज के भीतर ही व्यवसाय, आर्थिक स्थिति या अन्य कारणों से विभाजन बढ़ने लगे तो उसका दीर्घकालिक प्रभाव पूरी सामाजिक संरचना पर पड़ता है। जांगिड समाज सदैव परिश्रम, कौशल और स्वाभिमान का प्रतीक रहा है। इस पहचान को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि समाज अपने युवाओं पर विश्वास करे और उनके कार्यों का सम्मान करे। चाहे युवक नौकरी करता हो, व्यवसाय करता हो, उद्योग चलाता हो या पैतृक धंधे को आगे बढ़ा रहा हो। उसका मूल्यांकन उसके संस्कार, चरित्र और योग्यता के आधार पर होना चाहिए।

आज जांगिड समाज एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। यदि विवाह संबंधों में केवल नौकरी को ही सर्वोच्च मानकर पैतृक व्यवसायों और उद्यमशील युवाओं की उपेक्षा की जाती रही, तो विवाह योग्य युवक-युवतियों की संख्या बढ़ती जाएगी और सामाजिक चुनौतियाँ भी बढ़ेंगी। समय की आवश्यकता है कि समाज अपनी सोच में संतुलन लाए। पैतृक व्यवसाय को हीन नहीं, बल्कि सम्मानजनक और गौरवपूर्ण कार्य माना जाए। बेटियों के विवाह के लिए केवल नौकरी को मापदंड न बनाकर युवक के संस्कार, शिक्षा, चरित्र, आर्थिक स्थिरता और पारिवारिक मूल्यों को भी महत्व दिया जाए।

यदि समाज एकजुट होकर अपने पारंपरिक व्यवसायों का सम्मान करेगा, युवाओं को प्रोत्साहित करेगा और वैवाहिक निर्णयों में संतुलित दृष्टिकोण अपनाएगा, तो न केवल विवाह संबंधी समस्याएँ कम होंगी बल्कि जांगिड समाज की गौरवशाली विरासत भी सुरक्षित रहेगी। यही समय की मांग है और यही समाज के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग भी है। आओ हम सब एक साथ मिलकर इस समस्या से उबरने का संकल्प ले।

****

प्रधान की कलम से.............

महासभा प्रधान- रामपाल शर्मा

प्रधान,रामपाल शर्मा

प्रिय बंधुओं,

सबसे पहले मैं जून और जुलाई मे लोक सेवा आयोग (UPSC) की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के घोषित परिणामों, विभिन्न राज्यों की लोक सेवा आयोग (State Public Service Commission-PSC) परीक्षाओं के घोषित परिणामों, चार्टर्ड अकाउंटेंसी (CA), कंपनी सेक्रेटरी (CS) तथा अन्य प्रशासनिक, वित्तीय, तकनीकी एवं व्यावसायिक सेवाओं की परीक्षाओं मे सफल तथा पुन: ली गई नीट-यूजी परीक्षा के घोषित परिणाम मे सफल सभी अभ्यर्थियों को उनकी महत्वपूर्ण उपलब्धि पर शुभकामनाएँ देता हूँ। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं होती, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए भी गौरव का विषय होती है। युवाओं की मेहनत, अनुशासन, धैर्य और समर्पण ही उन्हें सफलता के शिखर तक पहुँचाता है। बेंगलुरु (कर्नाटक) में आयोजित महासभा की तिमाही बैठक के सफल, सुव्यवस्थित एवं गरिमामय आयोजन पर कर्नाटक प्रदेश महासभा के अध्यक्ष श्री बाबूलाल जांगिड तथा उनकी समर्पित पूरी टीम को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएँ और धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। बेंगलुरु में आयोजित यह बैठक संगठन की एकता, अनुशासन एवं सामाजिक समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण रही। आयोजन की सफलता में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों एवं समाजबंधुओं का भी हृदय से आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं सतत प्रगति की मंगलकामनाएँ करता हूँ।

व्यक्तियों के एक समूह विशेष से परिवार बनता है। परिवारों के एक समूह से समाज बनता है और समाज मे से अनेक व्यक्ति आगे आते हैं तब एक संगठन खड़ा होता है। संगठन के बल पर ही कोई भी समाज अपने सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास की ओर अग्रसर होता है। हमारे देश मे आज के परिपेक्ष मे संगठन के बिना कोई भी समाज राजनीति मे आगे नहीं आ सकता है।

हमारा राष्ट्रीय संगठन **"अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा"** भी आज के समय की मांग को देखते हुए इसमे शत प्रतिशत खरा उतर रहा है। हमारे पूर्वजों ने आज से 118 वर्ष पहले 1907 मे जिस वृक्ष का बीजारोपण किया था आज वह एक वट वृक्ष का रूप ले चुका है। आज हमारे संगठन मे लगभग 1.23 लाख सदस्य है और यह संख्या किसी भी राजनीतिक पार्टी को यह समझाने के लिए काफी है कि जांगिड समाज को अब अनदेखा नहीं किया जा सकता और इसी का नतीजा है कि हरियाणा और राजस्थान मे हमारे समाज के विभिन्न नेताओं को राजनैतिक पार्टियों मे उच्च पदों पर नवाजा गया है।

यह संगठन की ही शक्ति है कि आज हमारे कार्यक्रमों मे हमारे निवेदन पर बड़ी राजनीतिक हस्तियां, केन्द्रीय मंत्रियों से लेकर राज्य स्तर के मंत्री और महामहिम राज्यपाल महोदय तक आतिथ्य स्वीकार करते है। बस इस संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करने की जरूरत है और यह सब तभी संभव होगा जब हर परिवार का प्रत्येक सदस्य इस महासभा रूपी वृक्ष का हिस्सा बने। अतः मेरा आप सभी से निवेदन है कि प्रत्येक जागिड परिवार को महासभा से जोड़ा जाए और पूरे परिवार को महासभा का सदस्य बनाया जाए।

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि किसी भी परिवार या समाज की धूरी मातृ शक्ति होती है। बिना मातृ शक्ति के परिवार मे संस्कार आना संभव नहीं है। हमारी मातृ शक्ति भी आज जागरूक हो रही है और हमारे संगठन मे इनकी भागीदारी लगातार बढ़ रही है। आज हम शाखा सभा से लेकर राष्ट्रीय स्तर की कार्यकारिणी के गठन मे महिला प्रकोष्ट की स्थापना कर रहे है। महासभा की बैठकों मे भी इनकी गरिमामयी उपस्थिति बढ़ रही है। यह इस बात का प्रमाण है कि मातृशक्ति लगातार हमारे संगठन के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझ रही है।

हमारे समाज ने पिछले 50 वर्षों मे आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक स्तर पर बहुत प्रगति की है लेकिन इसके साथ ही विकास बहुत सी बुराईयां लेकर भी आया है। इनमे प्रमुख- युवाओं का नशे की ओर लगाव, फिजूल खर्ची, दिखावा, मृत्युभोज, अपने पैतृक धंधे से मोह भंग होना, बच्चों की समय पर शादी ना करना, लड़कियों के लिए केवल सरकारी नौकरी वाला ही लड़का पसंद करना, प्री वेडिंग शूटिंग, लड़कियों और लड़कों द्वारा अन्तर्जातीय विवाह करना आदि अनेक बुराइयाँ है।

यह सब हमे सोचने पर मजबूर कर देता है कि हमारा समाज कहाँ जा रहा है। इसे हमे रोकना होगा और इसके लिए केवल और केवल मातृशक्ति ही इसमे सहयोग कर सकती है। क्योंकि बच्चों की राजदार केवल उसकी माँ होती है अतः बच्चों को गलत रास्ते पर जाने से रोकने के लिए माताओं को आगे आना होगा। साथ ही समाज मे चल रही विभिन्न प्रकार की अनर्गल प्रवृतियों को रोकने के

लिए राष्ट्रीय स्तर पर महिला जागरूकता अभियान की जरूरत है जिसके लिए हमारे सभी महिला प्रकोष्टों का योगदान अनिवार्य है।

मेरा एक ही सपना है कि हमारा समाज हमेशा एक सूत्र मे बंधा रहे इसके लिए चुनाव ज्यादा से ज्यादा निर्विरोध होने चाहिए और मेरे दोनों कार्यकाल मे इसमे आप सभी के सहयोग से हम सफल भी रहे। मैं उम्मीद करता हूँ कि भविष्य मे होने वाले चुनाव भी निर्विरोध हो और हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अनूठी मिसाल कायम कर सके।

मैंने इस कार्यकाल के शुरू में ही प्रण लिया था कि **अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल, बांकनेर** के जीर्णोद्धार और नए भवन का कार्य यथाशीघ्र पूरा किया जाएगा और आपको बताते हुए खुशी है कि दिनांक 7, जून 2026 को विधिवत पूजा अर्चना के साथ नींव मुहूर्त कर स्कूल का कार्य आरंभ कर दिया है।

ऐसे कामों मे आर्थिक सहयोग की अत्यंत आवश्यकता होती है अतः आप सभी से निवेदन है कि आप सभी इस पुण्य कार्य मे खुले दिल से सहयोग करें ताकि यह पुण्य कार्य यथा शीघ्र पूरा किया जा सके। इसके साथ ही सतीमठ मे भी दिल्ली प्रदेश सभा की ओर से करवाये जा रहे छात्रावास का निर्माण कार्य भी लगभग पूर्ण होने को है। यह सब आपके सहयोग और स्नेह का ही नतीजा है।

मैं आप लोगों से एक निवेदन और करना चाहता हूँ कि महासभा के मुंडका भवन मे 27 ए. सी. कमरे है जो कि समाज हित के लिए बनाए गए है। अगर पूरे भारत से समाज का कोई भी छात्र दिल्ली मे रहकर उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहता है या कोचिंग करना चाहता है तो इन कमरों मे रहकर वह अपना भविष्य संवार सकता है। आप अपने बच्चों को नि:संदेह वहाँ भेज सकते हैं।

संगठन ही शक्ति है, आओ इस महासभा को और अधिक मजबूत करने का संकल्प ले।

बहुत बहुत धन्यवाद ....

आभार एवम धन्यवाद

14 जुलाई, 2026 को, महासभा राष्ट्रीय प्रधान, रामपाल शर्मा बांकनेर स्कूल का दौरा करके वापसी में लौटते हुए किशोर कुमार शर्मा के निवेदन पर बहादुरगढ़ के सेक्टर -7 में सुरेंद्र कुमार कॉलोनिया के निवास स्थान पर पधारे। उनके घर पधारने पर बहादुरगढ़ के समाज बंधुओं ने राष्ट्रीय प्रधान का स्वागत सत्कार किया, साथ ही इस शुभ अवसर पर सुरेंद्र कुमार, नरेंद्र कुमार और वीरेंद्र कुमार तीनों भाइयों द्वारा अपने स्वर्गीय पिता श्री दयानंद शर्मा व स्वर्गीय माताजी श्रीमती फूलवती देवी जी की याद में महासभा को **₹ 101000/- (एक लाख एक हजार रुपए)** की राशि दान स्वरूप प्रदान की गई। राष्ट्रीय प्रधान ने महासभा की ओर से समाज सेवा में अग्रसर इस दानवीर परिवार का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कोटि - कोटि आभार प्रकट किया। हम आशा करते है कि इस परिवार का स्नेह एवम सहयोग भविष्य में भी महासभा को ऐसे ही मिलता रहेगा। इस मौके पर बहादुरगढ़ के कृष्ण कुमार, नवीन कुमार एवम किशोर कुमार मौजूद रहे।

स्वर्गीय पिता श्री दयानंद शर्मा व स्वर्गीय माताजी श्रीमती फूलवती देवी जी

किशोर कुमार, बहादुरगढ़

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023
पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

अंगिराऽसि जंगिड

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-3007/2026 दिनांक 17/07/2026

----:: अति आवश्यक सूचना ::----

महासभा संविधान संशोधन हेतु सुझाव आमंत्रित

****

हमारा समाज निरंतर प्रगति कर रहा है, परन्तु बदलते समय के साथ वर्तमान संविधान के कुछ सामाजिक नियमों एवं दिशा निर्देशों में आज की आवश्यकतानुसार अति आवश्यक संशोधन करना आवश्यक हो गया है। समाज के सर्वांगीण विकास एवं संगठन के विस्तार के लिए यह अत्यंत आवश्यक भी है।

वर्तमान मे अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली का **दिनांक 27 जनवरी, 2013** का संशोधित संविधान लागू है। इसके पश्चात महासभा कार्यकारिणी द्वारा समय समय पर संविधान में संशोधन करने हेतु लिए गए निर्णयों एवं महासभा सदस्यों से आमंत्रित सुझावों का गहन अध्ययन एवं समीक्षा कर वर्तमान संविधान में आज की आवश्यकतानुसार अति आवश्यक संशोधनों का समावेश कर संशोधित किया जाना है ।

समाज को अधिक सशक्त, संगठित और वर्तमान समय के अनुकूल बनाने हेतु महासभा कार्यकारिणी ने यह निर्णय लिया है कि महासभा के प्रचलित संविधान में आवश्यक संशोधन किए जाएं। इस कार्य हेतु निम्न **"संविधान संशोधन कमेटी"** का गठन किया गया है ::--

*श्री श्रीगोपाल चोयल, अजमेर	मुख्य सलाहकार महासभा	अध्यक्ष--
*श्री मोहनलाल दायमा, नासिक	पूर्व महामंत्री एवं कोर कमेटी सदस्य महासभा	सदस्य
*श्री सुरेंद्रकुमार शर्मा, अहमदाबाद	सदस्य उच्च स्तरीय कमेटी महासभा	सदस्य
*श्री सुरेंद्रकुमार वत्स, दिल्ली	कानूनी सलाहकार महासभा	सदस्य
*श्री कृष्णदत्त शर्मा, दिल्ली	पूर्व मुख्य चुनाव अधिकारी महासभा	सदस्य
*श्री प्रवीणकुमार शर्मा, नीमच	मुख्य चुनाव अधिकारी महासभा	सदस्य
*श्री प्रभुदयाल जांगिड, इंदौर	प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश	सदस्य
*श्री गिरधारीलाल जांगिड, धारूहेड़ा	संरक्षक महासभा	सदस्य
*श्री बसंतकुमार जांगिड, ब्यावर	मुख्य चुनाव प्रभारी राजस्थान	सदस्य

* महासभा की ओर से दस्तावेज / रिकार्ड / जानकारी उपलब्ध कराने हेतु महासभा महामंत्री
श्री सांवरमल जांगिड़, सीकर "संविधान संशोधन कमेटी " के "समन्वयक" रहेंगे।

इस महत्वपूर्ण कार्य में महासभा के समस्त पदाधिकारियों / प्रदेश अध्यक्षों एवं महासभा के प्रबुद्ध सदस्यों से बहुमूल्य एवं अत्यंत महत्वपूर्ण सुझाव सादर आमंत्रित है। कृपया आप अपने लिखित एवं हस्ताक्षरित सुझाव **"संविधान संशोधन समिति"** को महासभा की ई मेल **jangid.mahasabha@gmail.com** पर **दिनांक 15 अगस्त 2026** तक आवश्यक रूप से भेजने का कष्ट करें। क्योंकि आपके उपयोगी एवं महत्वपूर्ण सुझावों से ही कमेटी को महासभा का स्पष्ट व सशक्त संविधान बनाने में सहायता मिलेगी ।

समाज सेवार्थ.......

रामपाल शर्मा

रामपाल शर्मा
(प्रधान)
अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा
दिल्ली

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

पंजीकरण संख्या एस. – 27/1919

प्रदेश सभा उत्तर प्रदेश

कार्यालय : 40 ए, वृन्दावन गार्डन, साहिबाबाद, गाजियाबाद (उ0प्र0)–201005
Website: www.abjbmahasabha.com

अशोक कुमार शर्मा
प्रदेश अध्यक्ष
मो0: 99999457648

सुनील कुमार शर्मा
महामंत्री
मो0: 9810190386

रमेशचन्द्र जांगिड़
कोषाध्यक्ष
मो0: 9818332844

पत्रांक ....

दिनांक 25 जून 2026

चुनाव अधिसूचना – जिलाध्यक्ष पद शामली

अधिसूचना क्रमांक यू.पी./03/2026 जारी दिनांक 25.06.2026

(अध्यक्ष प्रदेश सभा उ.प्र. के पत्रांक ABJBUP/29-2026 dt. 27-04-2026 के अनुपालन में जारी)

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा, जिला सभा-शामली के अध्यक्ष पद का चुनाव प्रस्तावित है। उक्त जिले के चुनाव हेतु प्रदेश सभा उत्तर प्रदेश द्वारा चुनाव अधिसूचना उपरोक्त पत्रांक अनुसार जारी की जा रही है।

उपरोक्त जिले के जिलाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्यगण, महासभा - प्रदेश सभा कार्यकारिणी सदस्य, तहसील - शाखा, सभा अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्यगण सभी अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए चुनाव अधिसूचना का व्यापक प्रचार प्रसार पेम्पलेट, समाचार पत्र, सोशल मीडिया आदि के माध्यम से पूरे जिले में करावें व सभी सदस्यों तक सूचना पहुचाएं तथा अपने जिले में महासभा के अधिक से अधिक संरक्षक सदस्य बनाने का प्रयास करें।

जारी अधिसूचना के अन्तर्गत शामली जिले का चुनाव कार्यक्रम निम्नानुसार रहेगा-

जिला	सदस्यता मान्य	नामांकन तिथि	नामांकन का स्थान	मतदान तिथि
शामली	25 जुलाई 2026 तक	02 अगस्त 2026 रविवार	कार्यालय समाज सेवी संगठन, स्टेट बैंक के सामने, खीरवा रोड, कंकड़ खेरा मेरठ	09 अगस्त 2026 रविवार

उक्त चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराने हेतु श्री रमेश चन्द शर्मा, मोबाइल नंबर **8178240258** को चुनाव अधिकारी जिला शामली नियुक्त किया जाता है।

चुनाव अधिसूचना जारी तिथि	-	25 जून 2026 बृहस्पतिवार
नामांकन आवेदन	-	नामांकन तिथि को प्रातः 10:00 बजे मध्यान्ह 1:00 बजे तक।
नामांकन पत्रों की जांच	-	नामांकन तिथि को माध्यान्ह 1:00 बजे से 1:30 बजे तक।
नाम वापसी	-	नामांकन तिथि को मध्यान्ह 1:30 बजे से सांय 3:30 बजे तक।
(सर्वसम्मति व एक ही नामांकन प्राप्त होने पर जिलाध्यक्ष पद की घोषणा एवं शपथ समयानुसार की जावेगी)		
अंतिम प्रत्याशियों के नामों की घोषणा	-	नामांकन तिथि को सायं 3:45 बजे।
चुनाव चिन्ह आवंटन	-	नामांकन तिथि को सायं 4:00 बजे।
मतदान आवश्यक होने पर मतदान तिथि को प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक।		
मतगणना	-	मतदान समाप्ति के पश्चात्।

मुख्य चुनाव प्रभारी
(धर्मपाल शर्मा)
अ.भा. जांगिड़ ब्राह्मण महासभा
प्रदेश सभा उत्तर प्रदेश

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा रजि0क्र0– 27-1919 प्रदेश सभा–उ0प्र0

धर्मपाल शर्मा
मुख्य चुनाव प्रभारी
प्रदेश सभा–उत्तर प्रदेश
मो0-9761077508

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

पंजीकरण संख्या एस. – 27/1919

प्रदेश सभा उत्तर प्रदेश

कार्यालय : 40 ए, वृन्दावन गार्डन, साहिबाबाद, गाजियाबाद (उ0प्र0)–201005

Website: www.abjbmahasabha.com

अशोक कुमार शर्मा
प्रदेश अध्यक्ष
मो0: 99999457648

सुनील कुमार शर्मा
महामंत्री
मो0: 9810190386

रमेशचन्द्र जांगिड़
कोषाध्यक्ष
मो0: 9818332844

पत्रांक .... दिनांक ....

चुनाव अधिसूचना – जिलाध्यक्ष पद गाजियाबाद

अधिसूचना क्रमांक यू.पी./04/2026 जारी दिनांक 19 जुलाई 2026

(अध्यक्ष प्रदेश सभा उ.प्र. के पत्रांक ABJBUP/29-2026 dt. 27-04-2026 के अनुपालन में जारी)

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा, जिला सभा-गाजियाबाद के अध्यक्ष पद का चुनाव प्रस्तावित है। उक्त जिले के चुनाव हेतु प्रदेश सभा उत्तर प्रदेश द्वारा चुनाव अधिसूचना उपरोक्त पत्रांक अनुसार जारी की जा रही है।

उपरोक्त जिले के जिलाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्यगण, महासभा - प्रदेश सभा कार्यकारिणी सदस्य, तहसील - शाखा, सभा अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्यगण सभी अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए चुनाव अधिसूचना का व्यापक प्रचार प्रसार पेम्पलेट, समाचार पत्र, सोशल मीडिया आदि के माध्यम से पूरे जिले में करावें व सभी सदस्यों तक सूचना पहुचाएं तथा अपने जिले में महासभा के अधिक से अधिक संरक्षक सदस्य बनाने का प्रयास करें।

जारी अधिसूचना के अन्तर्गत गाजियाबाद जिले का चुनाव कार्यक्रम निम्नानुसार रहेगा-

जिला	सदस्यता मान्य	नामांकन तिथि	नामांकन का स्थान	मतदान तिथि
गाजियाबाद	18 अगस्त 2026 तक	23 अगस्त 2026 रविवार	कार्यालय समाजसेवी संगठन स्टेट बैंक के सामने, खिर्वा रोड़, कंकरखेड़ा, मेरठ	30 अगस्त 2026 रविवार

उक्त चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराने हेतु श्री रमेश चन्द शर्मा, मोबाइल नंबर 9411641802 को चुनाव अधिकारी जिला गाजियाबाद नियुक्त किया जाता है।

चुनाव अधिसूचना जारी तिथि	-	दिनांक 19 जुलाई 2026 दिन रविवार।
नामांकन आवेदन	-	नामांकन तिथि को प्रातः 10:00 बजे मध्यान्ह 1:00 बजे तक।
नामांकन पत्रों की जांच	-	नामांकन तिथि को माध्यान्ह 1:00 बजे से 1:30 बजे तक।
नाम वापसी	-	नामांकन तिथि को मध्यान्ह 1:30 बजे से सायं 3:30 बजे तक।
(सर्वसम्मति व एक ही नामांकन प्राप्त होने पर जिलाध्यक्ष पद की घोषणा एवं शपथ समयानुसार की जावेगी)		
अंतिम प्रत्याशियों के नामों की घोषणा	-	नामांकन तिथि को सायं 3:45 बजे।
चुनाव चिन्ह आवंटन	-	नामांकन तिथि को सायं 4:00 बजे।
मतदान आवश्यक होने पर मतदान तिथि को प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक।		
मतगणना	-	मतदान समाप्ति के पश्चात्।

मुख्य चुनाव प्रभारी

धर्मपाल शर्मा
मुख्य चुनाव प्रभारी
प्रदेश सभा–उत्तर प्रदेश
मो०-9761077508

(धर्मपाल शर्मा)
अ.भा. जांगिड़ ब्राह्मण महासभा
प्रदेश सभा उत्तर प्रदेश

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा रजि०नं०-27-1919 प्रदेश सभा-उ०प्र०

बैंगलूरू में महासभा द्वारा आयोजित समारोह मे कर्नाटक के राज्यपाल द्वारा समाज के युवाओं को उच्च शिक्षा और उदात्त संस्कार देने का आह्वान

5 जुलाई, 2026 को पेलेस मैदान स्थित, दी ग्रांड कैसल सभागार, बेंगलुरू मे अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा द्वारा आयोजित, महासभा की त्रैमासिक बैठक और कर्नाटक प्रदेश की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह, महासभा प्रधान रामपाल शर्मा की अध्यक्षता और कर्नाटक प्रदेश के महामहिम राज्यपाल थावरचंद गहलोत और प्रसिद्ध उद्योगपति एवं भामाशाह सुखदेव जांगिड के मुख्य आतिथ्य मे संपन्न हुआ।

महामहिम राज्यपाल थावरचंद गहलोत, प्रसिद्ध उद्योगपति एवं भामाशाह सुखदेव जांगिड सहित मुख्य अतिथियों का प्रधान रामपाल शर्मा, मुख्य संरक्षक भंवर लाल कुलरिया, महामंत्री सांवर मल जांगिड, मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल, अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ अमराराम जांगिड, मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा, भंवर लाल गुगरिया और बाबूलाल शर्मा ने शॉल, माला, साफा और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया।

इनके साथ ही महासभा के मुख्य संरक्षक भंवरलाल कुलरिया एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड का भी माला, साफा और स्मृतिचिन्ह भेंट कर स्वागत सम्मान किया गया तथा समारोह के प्रथम चरण में प्रदेश सभा कर्नाटक के अध्यक्ष एवं उनकी कार्यकारिणी के विभिन्न पदाधिकारियों तथा प्रबुद्ध समाज बन्धुओं द्वारा मंचासीन समस्त अतिथियों का एक एक करके माला, साफा एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत सम्मान किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि स्वयं से पहले समाज और राष्ट्रहित को महत्व देने वाला समाज ही प्रगतिशील बनता है। सभी को साथ लेकर चलने, साथ विचार करने और राष्ट्रहित को सर्वोपारी रखते हुए भारत को सशक्त बनाने के लिए कार्य करना चाहिए। देश की समृद्धि मे सामाजिक संगठनों की भूमिका है और उन्हे पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता तथा सामाजिक जागरूकता जैसे कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा वंशज जांगिड समाज ने अपने सांस्कृतिक मूल्यों और शिल्प कला के माध्यम से देश का मार्ग दर्शन किया है। भगवान विश्वकर्मा को भारतीय परंपरा मे कौशल और सृजात्मक शिल्प के प्रतीक के रूप मे माना गया है तथा जांगिड समाज उनकी विरासत को आगे बढ़ा रहा है।

उन्होंने कहा कि समाज ने मंदिरों, धरोहरों और अनेक संस्थानों के निर्माण मे उल्लेखनीय योगदान दिया है। आधुनिक तकनीक के साथ आगे बढ़ते हुये परंपराओं को बनाए रखना भी आवश्यक है। हमे महिलाओं / युवाओं की भागीदारी बढ़ाने, बेटियों को उच्च शिक्षा दिलाने और उन्हे आत्मनिर्भर बनाने पर जो देना चाहिए।

उन्होंने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत उपलब्ध सुविधाएं एवं संसाधन तथा कौशल प्रशिक्षण का लाभ उठाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि वर्तमान मे भारत विश्व का सबसे युवा देश है और यही उसकी बहुत बड़ी ताकत है। सामाजिक संगठनों को समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचकर उन्हें जोड़ना चाहिए।

मुख्य अतिथि जोधपुर से आए लंदन प्रवासी उद्योगपति सुखदेव जांगिड ने कहा कि हमारे समाज मे प्रतिभाओं की कोई कमी

नही है, आवश्यकता केवल उसे पहचानकर आगे बढ़ाने की है। उन्होंने कहा कि समाज मे लोग आर्किटेक्चर, इंजीनियरिंग और शिल्प कला मे अपनी अलग पहचान रखते है। अब समय गया आ गया है कि युवा केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित न रहकर अन्य क्षेत्रों मे भी अपनी पहचान बनाए। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में जांगिड समाज विकसित भारत के निर्माण मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने आगंतुकों का स्वागत करते हुए लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध चुने जाने पर समाज का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि महासभा के प्रयासों से देश भर मे समाज एक मंच पर आया है और कई राज्यों और जिलों मे निर्विरोध चुनाव होने से सामाजिक एकता मजबूत हुयी है।

उन्होंने बैंगलूरू मे विश्वकर्मा जी के नाम से एक चौराहे के नामकरण मे सहयोग का आग्रह भी राज्यपाल के सामने रखा तथा शिक्षा के क्षेत्र में महासभा की ओर से प्रतिभावान विद्यार्थियों को दी जाने वाली छात्रवृति एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को दी जा रही आर्थिक सहायता की भी जानकारी दी।

महासभा अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड ने कहा कि समाज भामाशाहों के सहयोग से लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि युवा उद्यमी सुखदेव जांगिड ने राजस्थान सरकार के साथ 60 हजार करोड़ रूपये के निवेश का समझौता किया है जिसमे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और राजस्थान को आई.टी. हब बनाने की दिशा मे कार्य होगा। उन्होंने युवाओं से व्यापार के साथ राजनीति मे भी आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम को भाजपा नेता एवं राजनैतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राकेश जांगिड, मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल सहित अनेक वक्ताओं ने भी संबोधित किया।

महासभा महामंत्री सांवरमल जांगिड ने महासभा का परिचय देते हुए बताया कि वर्ष 1907 मे स्थापित यह संगठन आज 16 राज्यों, 200 जिलों और लगभग 700 तहसीलों मे सक्रिय है तथा पिछले 118 वर्षो से सामाजिक उत्थान के लिए विभिन्न कार्य कर रहा है। सांवरमल जांगिड ने विवाह, जन्मोत्सव, सालगिरह और भात-मायरा जैसी सामाजिक परंपराओं में अनावश्यक खर्च के बजाय गौ सेवा, अनाथालयों में भोजन, मंदिरों मे पूजा, वृक्षारोपण और रक्तदान को बढ़ावा देने पर जोर दिया। मृत्युभोज, बालविवाह, प्री-वेडिंग सेरेमनी आदि समारोहों को तुरंत प्रभाव से बंद करने के साथ ही नशा मुक्त समाज का निर्माण करने पर जोर दिया। कार्यक्रम का शानदार मंच संचालन मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा ने किया।

समारोह के दूसरे सत्र मे कर्नाटक प्रदेश कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इसमे प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा ने अपनी नव नियुक्त कार्यकारिणी के सदस्यों का परिचय करवाया और नई कार्यकारिणी को शपथ दिलवाई गई।

नई कार्यकारिणी मे वरिष्ठ मुख्य सलाहकार भँवरलाल गुगरिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सवाईराम कुलरिया, मुख्य संरक्षक जगतराम भद्रेचा, महामंत्री राजेन्द्रकुमार जांगिड, कार्यकारी अध्यक्ष नारायण मोटियार, कोषाध्यक्ष महेश शर्मा, मीडिया प्रभारी प्रकाश विश्वकर्मा तथा चुनाव प्रभारी ओमप्रकाश सुथार के साथ ही युवा अध्यक्ष मदनलाल जांगिड एवं महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष मुन्नीदेवी जांगिड सहित अन्य पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई गई।

अंत मे भगवान विश्वकर्मा और माँ भारती के जयकारे और एक नई चेतना और उमंग के साथ समाज को राष्ट्रीय धारा मे और आगे ले जाने के संकल्प एवं धन्यवाद के साथ सभा का समापन किया गया। समारोह समापन के बाद अतिथियों ने स्वादिष्ट भोजन प्रसादी का आनंद लिया।

जय श्री विश्वकर्मा।

सांवरमल जांगिड – महासभा महामंत्री

अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल, बांकनेर, दिल्ली की कार्यसमिति की बैठक विद्यालय के जीर्णोद्धार कार्यों की प्रगति की समीक्षा और भवन के भावी विस्तार के ठोस निर्णयों के साथ संपन्न।

जांगिड समाज की अमूल्य धरोहर और गुरुदेव जयकृष्ण मणिठिया द्वारा लगाया गया अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल, बांकनेर, दिल्ली रूपी पौधा आज एक वट वृक्ष बन गया है। इसी के प्रांगण मे 14 जुलाई, 2026 को इस स्कूल की कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक महासभा प्रधान रामपाल शर्मा की अध्यक्षता मे संपन्न हुयी। जांगिड समाज के सिरमौर और विनम्रता की प्रतिमूर्ति महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने इस समाजिक धरोहर के विस्तार का बीड़ा उठाया है।

रामपाल शर्मा ने कहा कि मेरा इस स्कूल से विशेष लगाव रहा है और यही कारण है कि मैं पिछले 5 सालों के दौरान अनेकों बार इस स्कूल में आपके बीच आया हूँ। महासभा के कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड और प्रदेश सभा के निष्ठावान और समर्पित महानुभावों के प्रयासों के कारण आज अपने विस्तार की और अग्रसर है।

रामपाल शर्मा ने कहा कि मेरा एक ही उद्देश्य रहा है कि इस स्कूल रुपी मंदिर का जीर्णोद्धार कर इसके भवन का नए कमरे बनाकर विस्तार भी किया और जाए और साथ ही इसे क्रमोन्नत करवाकर गुरुदेव जयकृष्ण मणिठिया के सपनों को मूर्त रूप दिया जा सके। उन्होंने समाज के उदारमन भामाशाहों और दानदाताओं से अपील की है कि वह गुरुदेव जयकृष्ण मणिठिया के द्वारा लगाए गए इस वटवृक्ष को और अधिक विस्तार देने के लिए उदारता पूर्वक दान देकर इस यज्ञ में अपनी आहुति डालने का यथासंभव भरपूर प्रयास करें।

महासभा के कार्यकारी प्रधान और अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल, बांकनेर की कार्यसमिति के अध्यक्ष लादूराम जांगिड ने कहा कि इस स्कूल के प्रांगण में 17 जून को इस सेवक द्वारा पूजा अर्चना के साथ भूमि पूजन किया गया था और आज कार्यसमिति की बैठक में विद्यालय के रेनोवेशन और जीर्णोद्धार एवं प्रथम तल के निर्माण के कार्य को सुचारू रूप से और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए एक ठेकेदार की नियुक्ति करने का भी सर्वसम्मति का निर्णय लिया गया। उन्होंने बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि ग्राउंड फ्लोर पर निर्माण कार्य पहले ही प्रारंभ हो चुका है जिसके अंतर्गत आधुनिक टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण किया जा रहा है।

कार्यसमिति के सदस्य और प्राचीन श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के प्रधान, गंगादीन जांगिड ने कहा कि इस महत्वपूर्ण बैठक में विद्यालय के विकास कार्यों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई और इसका दर्जा भविष्य में बढ़ाकर 12वीं कक्षा तक करने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। इस विद्यालय में अभी 15 कमरें हैं और ऊपरी तल पर भी इतने ही कमरों का निर्माण करने के साथ ही, इसमें सभी आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाएगी ताकि छात्र-छात्राओं को अत्याधुनिक तकनीकी ज्ञान हासिल कर अपना भविष्य उज्ज्वल बनाने मे योगदान मिल सकें। उन्होंने कहा कि इस स्कूल में सभी टॉयलेट का निर्माण महासभा के कार्यकारी प्रधान और इस स्कूल की कार्यसमिति के अध्यक्ष लादूराम जांगिड द्वारा करवाया जा रहा है। इसके लिए वह निश्चित रूप से ही बधाई के पात्र हैं।

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा ने महासभा प्रधान रामपाल शर्मा का दिल्ली प्रदेश सभा की तरफ से हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि प्रधान रामपाल शर्मा की समाज के प्रति सकारात्मक सोच के कारण ही वह चाहते हैं कि समाज के किसी भी बच्चे को आर्थिक अभाव के कारण अपने सपनों को टूटते हुए ना देखना पड़े।

दिल्ली प्रदेश सभा के महामंत्री ब्रह्मानन्द शर्मा ने कहा कि मैं परमपिता परमेश्वर से मंगल कामना करता हूँ कि अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर का यह जीर्णोद्धार और नवनिर्माण कार्य अतिशीघ्र सफलतापूर्वक तरीके से सम्पन्न हो ताकि बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाया जा सके। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि इस स्कूल के जीर्णोद्धार के बाद स्कूल की कार्यक्षमता में वृद्धि होने के साथ ही इसमें निश्चित रूप से विद्यार्थियों की संख्या में भी अभिवृद्धि होगी और उनको गुणवत्ता से परिपूर्ण शिक्षा प्रदान की जा सकेगी।

इस अवसर पर कार्यसमिति के सदस्यों के साथ ही समाज के अनेक गणमान्य पदाधिकारी एवं सदस्य भी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा, योगेंद्र शर्मा, बंकटलाल शर्मा, महासभा के सह-कोषाध्यक्ष रामकिशन शर्मा , दिल्ली प्रदेश सभा के महामंत्री ब्रह्मानंद शर्मा तथा शाखा सभा बांकनेर के अध्यक्ष नरेश जांगिड सहित कार्यसमिति के अन्य सम्मानित सदस्य भी उपस्थित रहे।

'शिक्षा दान ही महादान है और इससे समाज के साथ साथ देश का विकास भी सुनिश्चित होता है।'

ब्रह्मानंद शर्मा - दिल्ली प्रदेशसभा महामंत्री

जय श्री विश्वकर्मणे नमः
पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023
अंगिराऽसि जांगिड
Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार जांगिड
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
9844026161	9414003411	9810988553

क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-3006/2026 दिनांक 16/07/2026

*** बेंगलुरु - प्रदेशाध्यक्षो की त्रैमासिक मीटिंग का सार ***

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के अंतर्गत कार्यरत प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्षों, प्रदेश प्रभारियों एवं महासभा पदाधिकारियों की चतुर्थ त्रैमासिक बैठक कर्नाटक प्रदेश सभा के सौजन्य से **दिनांक 04 जुलाई, 2026** शनिवार को सायंकाल 6.30 बजे से होटल अक्षय औरा, 06 कालिदास मार्ग, गाँधी नगर, बेंगलुरु में महासभा प्रधान रामपाल जांगिड की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मीटिंग मे विभिन्न एजेंडा बिन्दुओं पर सर्व सम्मति से निर्णय लिए गये।

उक्त मीटिंग में महासभा के निम्न पदाधिकारी, जिनमें महासभा के महामंत्री, मुख्य सलाहकार, मुख्य चुनाव अधिकारी, महिला प्रकोष्ट अध्यक्ष, अध्यात्मिक प्रकोष्ट अध्यक्ष के अलावा महासभा के वरिष्ठ उप प्रधान, कोर कमेटी सदस्य, उच्च स्तरीय कमेटी सदस्य, प्रदेश अध्यक्ष कर्नाटक, दिल्ली, गुजरात, छतीसगढ़, उतराखंड, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, महारष्ट्र, गोवा, हरियाणा के प्रतिनिधी एवं प्रदेश प्रभारी दिल्ली, उतराखंड, छतीसगढ़ तथा लीलू राम जांगिड दिल्ली, रोहिताश जांगिड औरंगाबाद, सांवरमल शर्मा गोवा, निलेश शर्मा, श्रीमती सावित्री शर्मा अहमदाबाद, श्रीमती माया शर्मा इंदौर, भी उपस्थित रहे। उक्त मीटिंग में निम्न बिन्दुओं पर चर्चा करके निर्णय किये गये :-

सर्वप्रथम महासभा महामंत्री सांवरमल जांगिड द्वारा प्रदेशाध्यक्षों / प्रदेश प्रभारियों की त्रैमासिक मीटिंग मे उपस्थित सभी प्रदेशाध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों तथा महासभा पदाधिकारियों का गर्म जोशी के साथ हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। तथा सभी पदाधिकारियों का परिचय करवाने के तत्पश्चात महामंत्री द्वारा मीटिंग के एजेंडा अनुसार चर्चा करने हेतु विधिवत शुआत की गयी।

एजेंडा नम्बर – 1 **फरीदाबाद त्रैमासिक मीटिंग दिनांक 04/04/26 को लिए गये निर्णयों का अनुमोदन :-** महामंत्री ने मीटिंग एजेंडे की शुरुआत करते हुए कहा कि फरीदाबाद में दिनांक 04 अप्रैल, 2026 को प्रदेश अध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों की त्रैमासिक मीटिंग में लिए गये निर्णयों का कार्यवृत महासभा द्वारा पत्रांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2960/2026 दिनांक 17/04/2026 के तहत जारी किये जाने के साथ ही महासभा की पत्रिका माह अप्रैल-2026 के पेज नम्बर 25 से 31 पर भी प्रकाशित किया जा चुका हैं, अत: उक्त मीटिंग के कार्यवृत का पुनः वाचन नही करके महासभा पत्रिका में प्रकाशित कार्यवृत को ही पढ़ा हुआ मानकर सदन में उपस्थित पदाधिकारीयों से फरीदाबाद मीटिंग में लिए गये निर्णयों का अनुमोदन करने हेतु निवेदन किया गया। सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों द्वारा करतल ध्वनि के साथ उक्त निर्णयों का अनुमोदन किया।

एजेंडा नबर– 2 **महासभा संगठन का विस्तार करने के लिये नई प्रदेश सभाओं का गठन करने पर चर्चा**

महासभा महामंत्री ने उक्त प्रस्ताव के सम्बन्ध में बताया कि वर्तमान में महासभा की 15 राज्यों में प्रदेश सभाए कार्यरत है परन्तु प्रधान जी की हार्दिक इच्छा है कि हमारे महासभा रूपी संगठन का विस्तार करने के लिए भारत के अन्य प्रदेश जैसे उड़ीसा, बिहार, हिमाचल एवं झारखण्ड में भी नई प्रदेश सभाओं का गठन करने का प्रयास किया जाये। जिससे महासभा की सदस्य संख्या बढने के साथ ही उन प्रदेशों में भी हमारे समाज की पहचान हो सके। इसी प्रयास के तहत पिछले माह में सियाराम, प्रदेश अध्यक्ष तेलंगाना के माध्यम से आंध्र प्रदेश में दिनेश बरडवा का प्रदेश अध्यक्ष के रूप में मनोनयन किया गया है तथा

वांछित सदस्य संख्या (कम से कम 51) बनाने के लिए उचित समय दिया गया है। आशा है आंध्र प्रदेश से भी जल्दी ही अच्छी खबर आएगी और मनोनीत प्रदेश अध्यक्ष द्वारा यथावत प्रदेश सभा का गठन किया जायेगा।

उक्त सभी प्रदेशों में नई प्रदेश सभा के गठन में सहयोग करने के लिए प्रधानजी आदेशानुसार महामंत्री ने समस्त पदाधिकारियों से निवेदन किया कि उक्त प्रदेशों में किसी का भी कोई भाई-बन्धु, रिश्तेदार, मित्र या परिचित व्यक्ति आदि हो तो वह अपनी स्वयं की इच्छा से कृपया आगे आये और महासभा रूपी संगठन का विस्तार करने के लिए महासभा प्रधान का सहयोग करें।

इस पर कर्नाटक प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष बाबुलाल शर्मा ने जिम्मेदारी लेते हुए उड़ीसा में अविलम्ब नई प्रदेश सभा का गठन करवाने का आश्वासन दिया तथा इस पुण्य कार्य में सत्यपाल वत्स बहादुरगढ़ ने भी भरपूर सहयोग करने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही अहमदाबाद से श्रीमती सावित्री शर्मा ने भी बिहार राज्य में नई प्रदेश सभा का गठन करने की जिम्मेदारी लेते हुए शीघ्र गठन का आश्वासन दिया जिसमें जगदीश खंडेलवाल दिल्ली ने भी इस कार्य में पूर्ण सहयोग करने का विश्वास दिलाया।

इसके साथ ही महासभा महामंत्री ने सभी पदाधिकारियों से बाकी दो प्रदेशों में भी प्रदेश सभा का गठन करने हेतु यथा सम्भव प्रयास करने का विनम्र निवेदन किया गया जिस पर उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने उड़ीसा एवं बिहार के लिए बाबुलाल शर्मा एवं श्रीमती सावित्री शर्मा का आभार एवं धन्यवाद करते हुए बाकी दो प्रदेशों के लिए भी अविलम्ब प्रयास करने का आश्वासन दिया।

एजेंडा नबर – 3 महासभा के पदाधिकारियों एवं अधीनस्थ सभाओं से महासभा द्वारा जारी आदेशों एवं दिशा – निर्देशों तथा निर्धारित लक्ष्यों का कड़ाई से पालन करवाने बाबत चर्चा।

महासभा महामंत्री ने बताया कि महासभा एवं अधीनस्थ इकाइयों के संचालन एवं चुनाव प्रक्रिया में आने वाली विभिन्न समस्याएं, जिनका महासभा संविधान में स्पष्ट उल्लेख नही होने के कारण महासभा संविधान का पालन करते हुए महासभा में सर्व सम्मत निर्णय करके समय समय पर महासभा हित में विभिन्न आदेश एवं दिशा निर्देश जारी किये जाते है। जिनका शत प्रतिशत पालन करना समस्त अधीनस्थ इकाइयों के पदाधिकारियों का परम दायित्व है।

परन्तु अक्सर यह पाया गया है कि महासभा या उसके अधीनस्थ कार्यरत सभाओं के अध्यक्षों एवं उनकी कार्यकारिणी के पदाधिकारियों द्वारा महासभा द्वारा जारी लक्ष्यों, आदेशों एवं दिशा-निर्देशों का पालन नही किया जाता है जो कि पूर्ण रुपेण महासभा आदेशों की अवहेलना है जो संविधान अनुसार अनुशासन हीनता की श्रेणी में आता है। महासभा द्वारा पिछले चार साल के कार्यकाल में निम्न आदेश एवं दिशा निर्देश जारी किये गये है जो निम्नानुसार है :-

1. महासभा एवं अधीनस्थ इकाइयों में प्रकोष्ठ गठन बाबत दिशा निर्देश
2. अधीनस्थ इकाइयों के प्रकोष्ठों में मनोनयन करने बाबत स्पष्टीकरण
3. एक व्यक्ति एक पद के संबंध में जारी दिशा निर्देश
4. महासभा के अधीनस्थ कार्यकारिणी को भंग करने सम्बन्धी जारी दिशा निर्देश
5. प्रदेश अध्यक्षों को अधीनस्थ सभाओं पर कार्यवाही करने का अधिकार सम्बन्धी जारी आदेश
6. चुनाव व्यवस्था शुल्क के संबंध में जारी दिशा निर्देश
7. पत्रिका रहित सदस्यों को चुनाव लड़ने संबंधी दिशा निर्देश
8. महासभा एवं समस्त इकाइयों में चुनाव करवाने बाबत जारी चुनाव निर्देशिका-2024
9. पदाधिकारियों के नाम एवं पदनाम के संबंध में जारी दिशा निर्देश
10. महासभा कार्यकारिणी के पधाधिकारियों के लिए निर्धारित लक्ष्य एवं दायित्व बाबत जारी दिशा निर्देश
11. महासभा पदाधिकारियों के प्रोटोकॉल सम्बन्धी जारी दिशा निर्देश
12. अधीनस्थ इकाइयों के महासभा पेन नम्बर पर खुले हुए बैंक खातों की सूचना देने में बाबत निर्देश

13. रसीद बुक पर हस्ताक्षर के साथ-साथ सदस्यता नंबर व मोबाइल नंबर लिखने बाबत जारी दिशा निर्देश
14. रसीद बुकों को महासभा में वापस करवाने बाबत जारी दिशा निर्देश
15. नई जिला सभाओं एवं तहसील सभाओं के गठन करने बाबत जारी दिशा निर्देश
16. महासभा में रजिस्ट्रेशन करवाने बाबत जारी दिशा निर्देश
17. सामाजिक समारोह आयोजित करने बाबत जारी दिशा निर्देश
18. चुनाव शुल्क राशी जमा करने के सम्बन्ध में जारी दिशा निर्देश
19. महासभा कि त्रिमासिक मीटिंगों में भाग लेने सम्बन्धी दिशा निर्देश
20. साधारण सदस्यों बाबत दिशा निर्देश
21. जाति गत जन गणना सम्बन्धी जारी दिशा निर्देश
22. सामाजिक संस्थाओं सम्बन्धी जारी दिशा निर्देश

अतः एक बार पुनः प्रधानजी के आदेशानुसार समस्त प्रदेश अध्यक्षों / प्रभारियों एवं महासभा तथा समस्त सभाओं के पदाधिकारियों से विनम्र निवेदन है कि महासभा द्वारा निर्धारित लक्ष्यों एवं समय-समय पर जारी आदेशों एवं दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें। वरना महासभा को मजबूर होकर अनुशासनहीन पदाधिकारियों के खिलाफ अन्य कड़े कदम उठाने के लिए विवश होना पड़ेगा। जिस पर समस्त उपस्थित प्रदेश अध्यक्षों / प्रभारियों एवं महासभा पदाधिकारियों ने एक स्वर में महासभा द्वारा जारी आदेशों एवं दिशा निर्देशों का भविष्य में शत प्रतिशत पालना सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

एजेंडा नबर– 4 सामाजिक सुधार हेतु शादी-विवाह, भात, छुछक, जन्मदिन, सालगिरह, और अन्य सामाजिक आयोजनों में फिजूलखर्ची रोकने बाबत चर्चा,

महासभा के यह संज्ञान में आया है कि आजकल समाज के अधिकतर लोग शादी-विवाह, भात, जन्मोत्सव, छुछक, जन्मदिन, शादी की सालगिरह और अन्य सामाजिक आयोजनों में अनावश्यक फिजूलखर्ची करके अथक परिश्रम से अर्जित की गई कमाई को पानी की तरह बहा रहे हैं जिससे कई बार आर्थिक रूप से कमजोर रिश्तेदारों को भी सामाजिक शर्मिंदगी से बचने के लिए एवं रिश्तेदार के सम्मान का ध्यान रखते हुए मजबूर होकर हैसियत से बाहर जाकर अनावश्यक खर्च का बोझ उठाना पड़ता है।

इसलिए हम सब का दायित्व बनता है कि समाज उत्थान के लिए सामूहिक संकल्प के रूप में निम्न बातों का अनवरत प्रचार प्रसार करना चाहिए :-

फिजूलखर्ची नहीं, सादगी अपनाएँ। दिखावा नहीं, संस्कार बढ़ाएँ। नशा नहीं, नैतिकता अपनाएँ

इसी तरह जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ तथा अन्य उत्सवों को दिखावे और अपव्यय का माध्यम न बनाकर सेवा और संस्कार का पर्व बनाया जाए। इन अवसरों पर-

मंदिर में दर्शन-पूजन। पौधारोपण, रक्तदान या समाजोपयोगी सेवा कार्य।

गौशाला में गौसेवा। अनाथालय / वृद्धाश्रम में जरूरतमंद लोगों के साथ भोजन एवं सहयोग।

महामंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग के मंच के माध्यम से मैं प्रधान जी के आदेशानुसार आप सभी उपस्थित पदाधिकारियों से विनम्र निवेदन करता हूँ कि इस महत्वपूर्ण बिंदु पर गहनता से सोच विचार करके हम सभी को एक ठोस योजना के साथ कठोर निर्णय करना चाहिए ताकि सामाजिक आयोजनों पर अनावयश्क फिजूलखर्ची के प्रति समाज में चेतना जागृत करके समाज का मार्ग दर्शन किया जा सके।

इस पर मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने उक्त मुद्दे / सुझाव का स्वागत करते हुए महासभा के मार्ग दर्शन में अविलम्ब प्रदेश सभाओं द्वारा समस्त अधीनस्थ संस्थाओं के माध्यम से सामाजिक आयोजनों पर अनावयश्क फिजूलखर्ची रोकने एवंसमाज में जन चेतना जागृत करने के लिए जन जागरण अभियान चलाकर समाज को जागरूक करने हेतु मार्ग दर्शन करने का आश्वासन दिया।

एजेंडा नबर– 5 प्रेवेडिंग सेरेमनी, दहेज प्रथा, मृत्यु भोज पर रोक लगाने एवं शराब, तम्बाकू एवं ड्रग्स जैसी नशे की कुरीतियों के प्रति जागरूकता अभियान चलाने बाबत चर्चा।

महामंत्री ने कहा कि आज कल काफी जगह यह भी देखा गया है कि समाज के कुछ धनाढ्य लोग दहेज प्रथा, मृत्यु भोज, प्रिवेडिंग सेरेमनी एवं शराब, तम्बाकू, अफीम एवं ड्रग्स जैसी नशे की कुरीतियों की तरफ ज्यादा आकर्षित होकर तथा बढ़ चढकर हिस्सा लेकर समाज को विनाश की ओर धकेल रहे है। यदि इन कुरीतियों पर अविलम्ब विराम नही लगाया तो आने वाले समय में इसके भयंकर दुष्परिणाम आयेंगें।

इसलिए आज के समारोह के मंच के माध्यम से मैं, प्रधानजी आदेशानुसार आप सभी उपस्थित पदाधिकारियों से विनम्र निवेदन करता हूँ कि उक्त समाज विरोधी कुरुतियों की रोक थाम के लिए सामाजिक आयोजनों के माध्यम से एवं सामूहिक जागरूकता अभियान चलाकर समाज को जागृत करने के लिए सकारात्मक एवं अनवरत प्रयास करने की सख्त आवश्यकता है। इस विषय पर भी समस्त उपस्थित पदाधिकारियों को समाज हित में ठोस निर्णय लेने के लिए अपील करता हूँ।

क्योंकि दहेज प्रथा, मृत्यु भोज, प्रीवेडिंग सेरेमनी एवं नशे की कुरुतियों के निम्न दुष्परिणाम हैं :-

अनावश्यक आर्थिक व्यय होता है।
पारिवारिक / सामाजिक वातावरण दूषित होता है।
सामाजिक संस्कारों का पतन होता है।
सामाजिक रीती रिवाजों का विनाश होता है।
पारिवारिक सम्मान प्रभावित होता है।
युवा पीढ़ी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
नशा करने के बाद अनेक विवाद, दुर्घटनाएँ और अपराध जन्म लेते हैं।

इस विषय पर मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने उक्त मुद्दे / सुझाव का स्वागत करते हुए महासभा के निर्देशानुसार अविलम्ब प्रदेश सभाओं और उनकी अधिनस्थ समस्त संस्थाओं के द्वारा सामाजिक आयोजनों के मंच से घोषणा करके एवं सामूहिक जागरूकता अभियान चलाकर समाज को जागृत करने के लिए सकारात्मक एवं अनवरत प्रयास करने का आश्वासन दिया।

एजेंडा नंबर - 6 समाज उत्थान एवं महासभा के लिए अन्य कोई सुझाव प्रधान जी की अनुमति से ....

1. प्रधान जी की अनुमति से मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला ने सुझाव दिया कि महासभा एवं उसकी अधीनस्थ संस्थाओं में अध्यक्ष पद की चुनाव प्रक्रिया सिर्फ तहसील स्तर तक ही जारी रखनी चाहिए। शाखा सभाओं के अध्यक्ष पद के चुनाव करवाने की प्रक्रिया को अविलम्ब बंद कर देनी चाहिए एवं तहसील अध्यक्ष / जिला अध्यक्ष को अधिकृत कर देना चाहिए कि वो अपने कार्यकाल की अवधि के अनुसार अपने क्षेत्र में किसी भी योग्य व्यक्ति को शाखा अध्यक्ष मनोनीत करके शाखा सभा का गठन कर सकें जिससे संगठन का अधिक विस्तार होने के साथ ही महासभा की सदस्य संख्या में ज्यादा बढ़ोतरी होगी एवं निचले स्तर पर समाज में खींच-तान कम होकर सोहार्द एवं एकता का वातावरण कायम होगा।

इस प्रस्ताव का उपस्थित पदाधिकारियों ने एक साथ करतल ध्वनी के साथ करते हुए सर्वसम्मत्ति से अविलम्ब लागू करने हेतु अनुमोदन किया।

2. प्रधान जी की अनुमति से मध्यप्रदेश की महिला प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती माया शर्मा ने सुझाव दिया कि मातृशक्ति को महासभा से अधिक से अधिक संख्या में जोड़ने के लिए महासभा की त्रैमासिक बैठकों में महिलाओं को शामिल होने की खुली छूट दी जाये, जिससे महिलाओं का सामाजिक समारोहों के प्रति लगाव पैदा होने के साथ ही सामाजिक समरोहों में मातृशक्ति की उपस्थिति एवं सहभागिता में भी उत्तरोतर वृद्धि होगी।

इस प्रस्ताव का भी उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने स्वागत करते हुए सर्वसम्मत्ति से सशर्त अनुमोदन किया कि किसी भी प्रदेश की कितनी भी महिलाए महासभा की त्रैमासिक मीटिंग में शामिल तो हो सकती है परन्तु मीटिंग के किसी भी विषय पर अपने विचार अपने प्रदेश अध्यक्ष के माध्यम से ही प्रस्तुत कर सकेंगीं।

3. प्रधान जी की अनुमति से महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष नानू राम जांगिड ने सुझाव दिया कि महासभा की मासिक पत्रिका में यदि सभी प्लेटिनम सदस्यों की फोटो प्रिंट की जाती है तो भवन निर्माण में दान देने वाले सभी दानदाताओं के फोटो भी प्रिंट करने चाहिए अन्यथा प्रधानजी के वर्तमान कार्यकाल में बनने वाले प्लैटिनम सदस्यों एवं दान दाताओं के फोटो ही प्रिंट करनी चाहिए या सिर्फ उसी माह के दानदाताओं व नये बने प्लैटिनम सदस्यों के फोटो सम्पूर्ण विवरण के साथ प्रिंट किये जाने चाहिये।

इस प्रस्ताव का उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने स्वागत करते हुए सर्वसम्मत्ति से भविष्य मे वर्तमान प्रधान के कार्यकाल में बनने वाले प्लैटिनम सदस्यों एवं दान दाताओं के फोटो ही प्रिंट करने का अनुमोदन किया।

मीटिंग में उपस्थित समस्त प्रदेश अध्यक्षों एवं प्रभारियों तथा महासभा पदाधिकारियों ने अपने अपने सुझाव प्रस्तुत किये जिनमें मुख्यत: त्रैमासिक बैठक एवं शपथग्रहण समारोह में निमन्त्रण पत्रिका प्रिंट करवाने एवं उसमें पदाधिकारियों के नाम लिखने तथा समारोह के बेनर बनवाने उसमें फोटो लगाने, समारोह के मंच पर बैठाने, माला शाफा - मोमेंटो से सम्मान करने, मीटिंग होटल में अयोजीय नही करने, मीटिंग में खर्चा कम करने, पदाधिकारियों के नाम पदनाम के अनुसार प्रोटोकोल का ध्यान रखना एवं अयोध्या भूमि खरीद मामले, बांकनेर स्कूल भवन एवं बसंत कुञ्ज में छात्रावास निर्माण कार्य प्रगति आदि विषयों पर काफी चर्चा हुई परन्तु किसी भी मुद्दे पर कोई सर्व सम्मति नही बनने के कारण यह निश्चय किया गया की जब तक किसी भी प्रस्ताव पर कोई सर्व सम्मत निर्णय नही हो जाता तब तक महासभा द्वारा पूर्व में जारी दिशा निर्देशों की पालना सुनिश्चित करें।

अंत मे महामंत्री द्वारा उपस्थित समस्त पदाधिकारियों को मीटिंग में अपना अमूल्य समय निकालकर भाग लेने एवं अपने महत्वपूर्ण, सार्थक एवं उपयोगी सुझाव देने के लिए आभार, धन्यवाद एवं कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए प्रधानजी की अनुमति से भगवान श्री विश्वकर्माजी के जयकारे के साथ मीटिंग समाप्ति की घोषणा की गई।

प्रतिलिपि :- सभी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु :-
समस्त प्रदेशाध्यक्ष / प्रदेश प्रभारी एवं महासभा पदाधिकारी गण,
उतराखंड, उतरप्रदेश, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, गोवा,
मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, छतीसगढ़, तेलंगाना, कर्नाटका, तमिलनाडू व प.बंगाल

(सांवरमल जांगिड)
महामंत्री – महासभा

-: जीवन की सीख :-

जीवन में जब भी भ्रम हो जाए, मार्ग धुंधला लगे, विश्वास डगमगाए, तब ईश्वर की सीख याद करो — कर्म करते जाओ, फल की चिंता मत करो, क्योंकि सच्चे प्रयासों का प्रतिफल कभी व्यर्थ नहीं जाता।

कठिन समय में धैर्य की परीक्षा होती है और ईश्वर उसी को चुनता है जो विश्वास और साहस से आगे बढ़ता है। अपने कर्म से जुड़ो और भय को छोड़ दो, विजय निश्चित है।

*****

मानव तस्करी सभ्य समाज के लिए एक अभिशाप: मानवता की रक्षा के लिए सामूहिक संकल्प:-

मानव तस्करी की रोकथाम और सुरक्षित समाज के निर्माण की दिशा में एक व्यापक विचार

महासभा के पूर्व प्रधान, कैलाश चंद्र बरनेला

प्रतिवर्ष 30 जुलाई को संपूर्ण विश्व में **'विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस' (World Day Against Trafficking in Persons)** मनाया जाता है। इस दिवस की घोषणा संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2013 में की गई थी। इसका उद्देश्य मानव तस्करी जैसे अमानवीय अपराध के प्रति जागरूकता बढ़ाना, पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा करना तथा इस वैश्विक समस्या के विरुद्ध सरकारों, सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों को एकजुट करना है।

मानव तस्करी आधुनिक युग की सबसे गंभीर और शर्मनाक समस्याओं में से एक है। यह केवल कानून और व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि मानवाधिकारों, सामाजिक न्याय और मानवीय मूल्यों से जुड़ा हुआ प्रश्न है। मानव तस्करी के माध्यम से महिलाओं, बच्चों और पुरुषों को धोखे, लालच, भय अथवा बलपूर्वक शोषण का शिकार बनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार विश्व में लाखों लोग इस अपराध के शिकार हैं और इनमें बड़ी संख्या महिलाओं और बच्चों की है।

मानव तस्करी क्या है? - मानव तस्करी का अर्थ है किसी व्यक्ति को धोखे, लालच, धमकी, बल प्रयोग अथवा अन्य अवैध साधनों के माध्यम से भर्ती करना, परिवहन करना या किसी स्थान पर ले जाकर उसका आर्थिक, शारीरिक या मानसिक शोषण करना।

मानव तस्करी के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं - यौन शोषण और देह व्यापार। बंधुआ मजदूरी। बाल श्रम। घरेलू दासता। अवैध अंग व्यापार। जबरन विवाह। भीख मंगवाने या अपराध करवाने के लिए बच्चों का उपयोग। साइबर अपराधों और अन्य अवैध गतिविधियों में मजबूर करना। यह मानव गरिमा और स्वतंत्रता पर सीधा आघात है।

मानव तस्करी के प्रमुख कारण - 1. गरीबी और बेरोजगारी - आर्थिक कठिनाइयों के कारण लोग रोजगार के झूठे प्रलोभनों का शिकार हो जाते हैं। गरीब परिवारों के बच्चों और महिलाओं को दलाल आसानी से अपने जाल में फंसा लेते हैं। **2. अशिक्षा और जागरूकता का अभाव -** शिक्षा की कमी के कारण लोग मानव तस्करों के छल-कपट को पहचान नहीं पाते और बेहतर जीवन के सपनों में फंस जाते हैं। **3. लैंगिक असमानता -** महिलाओं और बालिकाओं के प्रति भेदभाव, दहेज प्रथा, बाल विवाह और सामाजिक असुरक्षा उन्हें तस्करी के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती है। **4. प्राकृतिक आपदाएँ और विस्थापन -** बाढ़, भूकंप, युद्ध अथवा महामारी जैसी परिस्थितियों में विस्थापित लोगों का शोषण करना तस्करों के लिए आसान हो जाता है। **5. इंटरनेट और सोशल मीडिया का दुरुपयोग -** आजकल नकली नौकरी, विवाह या मॉडलिंग के प्रस्ताव देकर युवाओं और बच्चों को सोशल मीडिया के माध्यम से फंसाया जा रहा है।

भारत में मानव तस्करी की स्थिति- भारत में मानव तस्करी एक गंभीर सामाजिक और कानूनी चुनौती है। देश के सीमावर्ती राज्यों, आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों और महानगरों में इसके अनेक मामले सामने आते रहते हैं। मानव तस्करी के शिकार होने वालों मे, महिलाएं, किशोरियां, गरीब परिवारों के बच्चे, प्रवासी मजदूर, अनाथ और बेसहारा लोग विशेष रूप से अधिक प्रभावित होते हैं। बाल श्रम, जबरन विवाह, यौन शोषण और बंधुआ मजदूरी जैसी समस्याएं मानव तस्करी से सीधे जुड़ी हुई हैं।

मानव तस्करी के दुष्परिणाम - तस्करी व्यक्ति की स्वतंत्रता, सम्मान और मूल अधिकारों को छीन लेती है। पीड़ितों को हिंसा, यातना, भय और अपमान का सामना करना पड़ता है। अनेक लोग जीवनभर मानसिक आघात से उबर नहीं पाते। परिवार टूट जाते हैं और समाज में असुरक्षा तथा अपराध बढ़ते हैं। पीड़ितों से अत्यधिक श्रम कराया जाता है लेकिन उन्हें उचित मजदूरी नहीं दी जाती। मानव तस्करी का संबंध मादक पदार्थों की तस्करी, हथियारों की तस्करी और संगठित अपराधों से भी होता है।

विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस का महत्व- यह दिवस केवल जागरूकता फैलाने का माध्यम नहीं है, बल्कि मानवता की रक्षा का एक वैश्विक अभियान है। इसके माध्यम से लोगों को मानव तस्करी के खतरों के बारे में जानकारी दी जाती है। पीड़ितों के पुनर्वास और संरक्षण पर बल दिया जाता है। सरकारों को प्रभावी कानून और नीतियां बनाने के लिए प्रेरित किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा मिलता है। समाज में संवेदनशीलता और मानवाधिकारों के प्रति सम्मान विकसित होता है।

भारत में कानूनी प्रावधान- भारत में मानव तस्करी रोकने के लिए अनेक कानून बनाए गए हैं - भारतीय न्याय संहिता (BNS) और अन्य प्रावधान इसमे मानव तस्करी, बंधुआ मजदूरी और महिलाओं तथा बच्चों के शोषण के विरुद्ध कठोर दंड का प्रावधान किया गया है। अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम, 1956 इसमे यौन शोषण और देह व्यापार से संबंधित अपराधों को रोकने के लिए यह कानून बनाया गया। बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम इसमे बच्चों को शोषण से बचाने के लिए यह महत्वपूर्ण कानून है। पॉक्सो अधिनियम (POCSO) इसमे बच्चों के यौन शोषण के विरुद्ध कठोर कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है। बंधुआ मजदूरी उन्मूलन अधिनियम इसमे जबरन मजदूरी और शोषण के विरुद्ध यह कानून लागू है।

मानव तस्करी की रोकथाम के उपाय

1. शिक्षा और जागरूकता - मानव तस्करी के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार शिक्षा है। स्कूलों, कॉलेजों और गांवों में जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए।

2. महिलाओं का सशक्तिकरण - महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसर प्रदान करने से वे तस्करी के जाल में फंसने से बच सकती हैं।

3. रोजगार के अवसर बढ़ाना - गरीबी और बेरोजगारी मानव तस्करी के प्रमुख कारण हैं। इसलिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाना आवश्यक है।

4. साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता - युवाओं और बच्चों को सोशल मीडिया और इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए।

5. पुलिस और प्रशासन की सक्रियता - सीमा क्षेत्रों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जानी चाहिए।

6. अंतरराष्ट्रीय सहयोग - मानव तस्करी सीमाओं से परे फैला अपराध है। इसलिए विभिन्न देशों के बीच सूचना साझा करने और संयुक्त कार्रवाई की आवश्यकता है।

7. पीड़ितों का पुनर्वास - पीड़ितों को केवल बचाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें - शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, मनोवैज्ञानिक परामर्श, रोजगार प्रशिक्षण, सामाजिक पुनर्वास भी उपलब्ध कराना आवश्यक है।

समाज और नागरिकों की भूमिका- मानव तस्करी के विरुद्ध लड़ाई केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। प्रत्येक नागरिक की भी महत्वपूर्ण भूमिका है और उसका नैतिक कर्तव्य है कि वह संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस को दें। बच्चों और महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाएं। बाल श्रम का विरोध करें। घरेलू कामगारों और मजदूरों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें। सोशल मीडिया पर मिलने वाले संदिग्ध प्रस्तावों से सावधान रहें। मानव तस्करी से जुड़े पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता रखें।

युवाओं की भूमिका - युवा वर्ग इस अभियान में परिवर्तन का वाहक बन सकता है। सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता फैलाकर। स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करके। मानवाधिकारों के प्रति समाज को शिक्षित करके। बाल विवाह, बाल श्रम और लैंगिक भेदभाव जैसी कुरीतियों का विरोध करके।

मानव तस्करी केवल किसी व्यक्ति का शोषण नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण मानव सभ्यता और नैतिक मूल्यों पर आघात है। एक सभ्य समाज का दायित्व है कि वह प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चित करे। यदि समाज, सरकार, न्याय व्यवस्था, मीडिया और नागरिक मिलकर कार्य करें तो इस अपराध पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि प्रत्येक मानव का जीवन, सम्मान और स्वतंत्रता सर्वोपरि है। मानव तस्करी के विरुद्ध संघर्ष केवल अपराधियों को दंडित करने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसके मूल कारणों-गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी और लैंगिक असमानता- को समाप्त करने की दिशा में भी प्रयास किए जाने चाहिए। एक जागरूक समाज, मजबूत कानून, संवेदनशील प्रशासन और शिक्षित नागरिक ही मानव तस्करी जैसी अमानवीय समस्या का स्थायी समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं। आइए, 30 जुलाई को विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर हम यह संकल्प लें कि -

" न कोई बिकेगा, न कोई खरीदा जाएगा मानवता, सम्मान और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए हम सब मिलकर मानव तस्करी के विरुद्ध आवाज उठाएंगे।" ************

अनेक संदेशों से भरी है - बरसात की पहली बूँद.......

जीवन में पहली बार जब कुछ होता है, तो काफी सुखद अनुभूति होती है। बच्चा जब पहली बार चलता है तो उसे देखकर माता - पिता को जिस सुख का अनुभव होता है, वह शब्दों में नहीं बांधा जा सकता। बच्चा जब पहली बार विद्यालय जाता है तब उसमें जो उत्साह और उमंग होती है, वह देखने लायक होती है।

पहली नजर के प्यार की भी खासियत होती है। इसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। किसी दु:खी व्यक्ति से पूछा जाए तो वह अवश्य बताता है, कि जीवन में हुई पहली घटना ने उसे इस राह की तरफ धकेला और उसके जीवन की दशा ही बदल गई। शादी - ब्याह में प्रथम निमंत्रण की भी अपनी महिमा है। कई बार विवाह आयोजन जब बिगड़ते हैं तब प्रथम निमंत्रण के समय हुई चूक को ही याद किया जा जाता है। और न जाने कितनी बातें हैं, जिसकी शुरुआत का जीवन में अपना अलग ही महत्व रहता है। उम्मीदों की ऊंचाइयों को इसी बूंद से परवान चढ़ते देखा जा सकता है। बारिश की शुरुआत किसी कवि को लिखने की प्रेरणा देती है। किसी सृजन को अपना सृजन करने की सीख देती है। यही वह समय होता है जब प्रकृति अपनी खोई हुई सुंदरता को पाने के लिए जुट जाती है। प्रकृति प्रसन्न हो जाती है, यह जानकर कि उसके बुरे दिन अब समाप्त होने जा रहे हैं और हरियाली से आच्छादित होने की शुरुआत अब होने वाली है। अब उसके पास रंग-बिरंगे फूल होंगे जिसकी खुशबू से पूरा संसार महक जाएगा।

भीषण गर्मी से तपती और सूखी हुई धरती के लिए बारिश की पहली बूँद अमृत के समान होती है। जैसे ही यह बूँद सूखी धरा पर गिरती है, मुरझाई हुई प्रकृति में नये जीवन और उत्साह का संचार हो जाता है। बारिश की पहली बूंद तपती धरती को ठंडक और भीनी खुशबू देती है। यह बूंद सूखी मिट्टी में सोए हुए बीजों को अंकुरित करती है, जिससे नए पौधे फूट पड़ते हैं। इस तरह यह बूंद प्रकृति के पुनर्जन्म और जीवन चक्र के आरंभ का प्रतीक बन जाती है। यह न केवल पानी का बरसना है, बल्कि प्रकृति की ऊर्जा और उल्लास का प्रकटीकरण है।

प्रकृति कभी अपना आंगन महकाने की बात नहीं करती, उसके लिए पूरा संसार ही आंगन होता है। वह चाहती है कि बारिश की बूंद हर उस जगह पड़े, जहां पतझड़ है, सूखा है तथा जहां नया सृजन होने की जरूरत है। विसर्जन के बाद सृजन की सीख प्रकृति ही देती है। बारिश की पहली बूंद से कई जीवों को अपनी उत्पत्ति का इंतजार रहता है, यह जानते हुए, कि बारिश के साथ ही उनका जीवन भी समाप्त हो जाना है, पर वे पूरे उत्साह के साथ जन्मते हैं।

बारिश हर उस मन को यह सुख देती है जो उसमें सृजन ढूंढता है। वर्षा की यही पहली बूंद चेहरे पर चिंता की लकीरें भी खींच देती हैं। बजट चाहे सरकार का हो या व्यक्ति का उसे बारिश की बूंदें ही बनाती है और बिगाड़ती हैं। खुले आकाश तले अपना जीवन गुजार रहे लाखों लोगों को अपने आशियाने की चिंता होने लगती है। जिनके घरों में बारिश का पानी टपकता है। इसी बूंद से सूचित होकर वे अपने खपरैल ठीक करने लगते हैं। जो चूल्हा अब तक खुले में जलता था अब उसके लिए भी छत ढूँढ़ने की जुगाड़ शुरू हो जाती है। बाढ़ की संभावनाओं से गिरे क्षेत्रों में बारिश की पहली बूंद नए आशियाने की तलाश प्रारंभ करवा देती है। नीड़ का निर्माण करने की शुरुआत पंछी इसी समय करते है।

यही पहली बूंद सबको जीना सिखाती है ओर संदेश देती है कि हर तपन के पश्चात बारिश तय है। कितनी ही पीड़ाएं हो, मुश्किलें हो,उनके बाद सुखों की बूंदें गिरनी ही है। जो इन विपदाओं से गुजरता है उसे ही हरा - भरा संसार मिलता है। सोना भी आग में तपकर कुंदन बनता है। बारिश की पहली बूंद यह संदेश भी देती है, कि सूखी धरती की प्यास बुझाने से बड़ा कोई पुण्य नहीं होता। अतृप्त को तृप्त करने में जो सुकून मिलता है उसकी अनुभूति बारिश की पहली बूंद ही बता सकती है।

बारिश की पहली बूंद एक नया संसार रचती है। यह संसार सुखद होता है। जीवटता और मनुष्यता को चाहने वालों को बारिश की बूंदें भाती हैं क्योंकी यहा सृजन का असीमित आकाश उपलब्ध होता है। हम भी बारिश की पहली बूंद का स्वागत करें। इस बूंद को इतना सम्मान दें, कि हमारी आत्मीयता को देखकर कई बूंदें हमारी धरती पर गिरने को आतुर हो जाए। गिरती हुई इन बूंदों को सहेजें, बूंद बूंद का सदुपयोग करें क्योंकि ये बूंदे ही नए संसार का निर्माण कर समूची धरती को खुशियों से आच्छादित कर सकती है।

****

प्रवीण शर्मा नीमच, मुख्य चुनाव अधिकारी-महासभा

राजस्थान फाउंडेशन दुबई चैप्टर की ऐतिहासिक बैठक इंडिया क्लब दुबई में संपन्न

राजस्थान फाउंडेशन दुबई चैप्टर के, अध्यक्ष अमराराम जांगिड

13 जून, 2026 को राजस्थान सरकार के अधीन कार्यरत, राजस्थान फाउंडेशन दुबई चैप्टर की गरिमामयी बैठक इंडिया क्लब दुबई संपन्न हुयी जिसमे राजस्थान फाउंडेशन दुबई चैप्टर के अध्यक्ष, अमराराम जांगिड ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि यह फाउंडेशन सभी समाज संगठनों एवं समाज के प्रतिनिधियों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अपनी सकारात्मक सोच के साथ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार और प्रवासी भारतीयों ने मुझे जो असीम प्यार और सहयोग दिया है, उसकी जितनी भी भूरि - भूरि प्रशंसा की जाए,वह कम है। हम सभी यहां दुबई में रहकर एक परिवार के रूप में न केवल अपने राजस्थान प्रदेश अपितु देश की आर्थिक समृद्धि में भी बहूमूल्य योगदान दे रहे हैं और इसके साथ ही एक सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को भी बढ़ावा दे रहे हैं।

इस बैठक में दुबई एवं संयुक्त अरब अमीरात में सक्रिय राजस्थान के विभिन्न सामाजिक, व्यावसायिक और पेशेवर संगठनोंके प्रतिनिधि, उद्योगपती, चिकित्सक, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट और गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। उन्होंने इस प्रतिष्ठित फाउंडेशन से जुड़े हुए सभी प्रतिष्ठित महानुभावों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा, कि राजस्थान फाउंडेशन दुबई चैप्टर, प्रवासी राजस्थानियों को एक मजबूत, प्रभावशाली और उचित प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है । उन्होंने सभी संस्थाओं से मिलकर काम करने का आह्वान करते हुए कहा, कि हम सभी का एक ही सार्वभौमिक उद्देश्य है कि राजस्थान तथा प्रवासी समाज के हितों को सर्वोपरि समझते हुए उनको आगे बढ़ाने का कार्य कर सकें ताकि प्रदेश और देश का विकास सम्भव हो सके।

बैठक को सम्बोधित करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा की वरिष्ठ अधिकारी राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त, मनीषा अरोड़ा ने राजस्थान फाउंडेशन द्वारा शुरू की गई विभिन्न गतिविधियों का उल्लेख करते हुए कहा, कि इन सभी गतिविधियों का एक मात्र उद्देश्य, राजस्थानी प्रवासियों को एक मंच प्रदान करना है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानी लोगों का आह्वान किया कि वह राजस्थान फाउंडेशन की प्रभावशाली योजनाओं और अवसरों का उचित लाभ उठाएं, जो राजस्थान सरकार द्वारा, प्रवासी राजस्थानियों के लिए उपलब्ध करवाए जा रहे हैं और इसके साथ ही अधिक से अधिक लोगों को राजस्थान फाउंडेशन के साथ जोड़ने का स्तुत्य प्रयास करें। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार प्रवासी राजस्थानियों के साथ निरंतर संवाद और सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही प्रवासी राजस्थानियों को एक मंच पर लाने, यूथ एवं लेडीज़ विंग गठन, सदस्यता अभियान और सामाजिक सेवा को गति देने पर व्यापक मंथन किए जाने की महत्ती आवश्यकता है, ताकि इसका उद्देश्य सार्थक हो सके।

दुबई चैप्टर के उपाध्यक्ष आलोक भार्गव ने संगठन में प्रभावी संवाद, टीमवर्क और स्पष्ट लक्ष्यों की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा, कि संगठन की सफलता के लिए नियमित संवाद और सक्रिय सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया, कि लक्ष्यों को निर्धारित करके एक स्पष्ट कार्ययोजना तैयार की जाए तथा सभी सदस्य सामूहिक रूप से उसी दिशा में एक जुटता के साथ कार्य करें। बिना प्रभावी संचार के कोई भी संगठन अपनी पूर्ण क्षमता और दक्षता के उपयोग तक नहीं पहुंच सकता है।

कार्यकारिणी सदस्य सुरेश गांधी ने समाज की एकता एवं संगठनात्मक मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि आज विभिन्न संगठनों और व्यक्तियों की ऊर्जा, अनुभव एवं संसाधनों को एक मंच पर लाने की आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया, कि राजस्थान फाउंडेशन दुबई चैप्टर को स्पष्ट एवं व्यावहारिक उद्देश्यों के साथ कार्य करना चाहिए। राजस्थान फाउंडेशन के अंतर्गत एक सशक्त सहायता कोष का गठन किया जाना चाहिए जिससे स्वास्थ्य, शिक्षा, आपदा सहायता एवं जनकल्याणकारी कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके।

राजस्थान बिजनेस एंड प्रोफेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रोमित पुरोहित ने अपने संबोधन में कहा, कि समाज सेवा का वास्तविक आधार निष्काम सेवा है और किसी भी संगठन में कार्य पद, प्रतिष्ठा या व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए नहीं बल्कि समाजहित के लिए होना चाहिए। समाज के वरिष्ठजनों एवं पूर्व पीढ़ियों के त्याग, परिश्रम एवं सेवा भावना के कारण ही आज प्रवासी समाज मजबूत स्थिति में है। उन्होंने संगठनों एवं समाज प्रतिनिधियों का आह्वान किया कि उनको व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर समाजहित में कार्य करना चाहिए।

दुबई चैप्टर की महिला विंग की चेयरपर्सन, श्रीमती कोमल जाजू ने कहा, कि दुबई ने उन्हें एवं उनके परिवार को आगे बढ़ने, व्यवसाय स्थापित करने और अपनी पहचान बनाने में भरपूर योगदान दिया हैं और यह निश्चित है कि संयुक्त अरब अमीरात मेहनत और समर्पण भाव से कार्य करने वालों को सम्मान एवं अवसर प्रदान करता है और अब समय आ गया है, कि राजस्थान फाउंडेशन के माध्यम से समाजहित के कार्यों में सक्रिय योगदान देने की प्रतिबद्धता को सम्मान दिया जाए।

दुबई चैप्टर की कन्वीनर, श्रीमती दिव्या गांधी ने अपने संबोधन में कहा, कि समाज सेवा के क्षेत्र में संभावनाओं की कोई भी सीमा नहीं होती है। उन्होंने कहा, कि बिना किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के समाज के लिए कार्य करना ही वास्तविक सेवा है। उन्होंने राजस्थान फाउंडेशन एवं अन्य सामाजिक संगठनों के माध्यम से समाज सेवा को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा, कि समाज के लिए समय एवं योगदान देना उनके लिए गर्व का विषय है।

बैठक में राजस्थान फाउंडेशन दुबई चैप्टर के विस्तार के अंतर्गत यूथ विंग एवं लेडीज़ विंग के गठन का भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। दोनों विंगों की संरचना, पदाधिकारियों एवं दायित्वों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा शीघ्र ही उनके नामों एवं जिम्मेदारियों की औपचारिक घोषणा किए जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में राजस्थान फाउन्डेशन के सचिव विनोद आर्य का त्याग पत्र स्वीकार करते हुए, उनके योगदान की सराहना की गई और उनके स्थान पर चार्टर्ड अकाउंटेंट आशीष गर्ग को सर्वसम्मति से सचिव पद पर मनोनीत किया गया है।

भारतीय जनता पार्टी के एन आर आई सूचना प्रौद्योगिकी सेल के, कुमार लखोटिया ने प्रवासी समाज को संबोधित करते हुए कहा, कि राजस्थान के विकास में प्रवासी राजस्थानियों की भूमिका रही है और निश्चित रूप से भविष्य में भी, उनकी भागीदारी राजस्थान के सर्वांगीण सामाजिक और आर्थिक विकास को एक नई दिशा प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि इस विदेशी धरा पर राजस्थान के लोगों ने जिस प्रकार से अपने परिश्रम और योग्यता के बल पर अपनी जो एक विशेष पहचान बनाई है उससे राजस्थान का नाम देश में ही नहीं अपितु विदेशों में भी गौरवान्वित हुआ है।

दुबई चैप्टर के मैनेजर अमित द्वारा इसकी गतिविधियों, उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए, अधिकाधिक राजस्थानियों को इस फाउंडेशन से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

दुबई चैप्टर के संयुक्त सचिव पेम्पा राम सुथार ने कहा, कि अमराराम जांगिड की दूरदर्शिता और सकारात्मक दृष्टिकोण का ही परिणाम है, कि यह फाउन्डेशन एक विशालकाय रुप धारण करता जा रहा है और आने वाले समय में इसकी गौरव गाथा का इतिहास राजस्थान प्रदेश के लोगों की जुबान पर होगा। मुझे गर्व है कि मुझे दुबई फाउंडेशन चैप्टर के साथ काम करने का गौरव हासिल हुआ है।

दुबई चैप्टर की कार्यकारिणी समिति में अध्यक्ष अमराराम जांगिड, उपाध्यक्ष आलोक भार्गव, संयुक्त सचिव पेंपाराम सुथार सामराऊ, कोषाध्यक्ष सीए अविनाश जागेटिया, संयुक्त कोषाध्यक्ष पुखराज शर्मा, श्रीमती दिव्या गांधी, दिनेश कोठारी, सुरेश गांधी, अशोक ओधरानी, डॉ. केसर कोठारी, लाला राम सुथार, जी.आर. मेहता, हरिकिशन रणकावत, डॉ. रोमित पुरोहित, तिरुपत मेहता, राधेश्याम जांगिड, अनिल चंदनानी, गणेश सुथार, सी.ए. आशीष गर्ग तथा विजय सोमानी को शामिल किया गया हैं।

इस बैठक की शोभा को द्विगुणित करने वालों में राजस्थान बिजनेस एंड प्रोफेशनल ग्रुप, इंडियन पीपल्स फोरम, विश्वकर्मा प्रोफेशनल एंड बिजनेस ग्रुप सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रमुख रूप से मोहन भदरेचा, प्रवीन सुथार, नितिन सुमेर सिंह अधाना, श्रीमती कोमल जाजू, अभिषेक जाजू, डॉ निशी सिंह, अमित मनीष जांगिड तथा पीयूष सहित अनेक गणमान्य प्रवासी राजस्थानियों की गरिमामय उपस्थिति रही। बैठक में उपस्थित सभी महानुभावों ने, प्रवासी राजस्थानियों का एक सशक्त एवं समावेशी मंच बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। *****************

सेवा, समर्पण और संगठन की सशक्त पहचान: भाजपा ओबीसी मोर्चा, राजस्थान के महामंत्री श्री भंवरलाल जांगिड

किसी भी संगठन की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित, अनुशासित और निष्ठावान कार्यकर्ता होते हैं। वर्षों तक नि:स्वार्थ भाव से संगठन, समाज और राष्ट्र की सेवा करने वाले व्यक्तित्व ही समय आने पर नेतृत्व की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ प्राप्त करते हैं। भारतीय जनता पार्टी द्वारा वरिष्ठ समाजसेवी एवं कर्मठ संगठनकर्ता भंवरलाल जांगिड को भाजपा ओबीसी मोर्चा, राजस्थान का महामंत्री नियुक्त किया जाना उनके दीर्घकालीन संगठनात्मक जीवन, सेवा-साधना और जनसमर्पण का गौरवपूर्ण सम्मान है। यह नियुक्ति न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन की उपलब्धि है, बल्कि सम्पूर्ण जांगिड समाज और राजस्थान के लिए भी गर्व का विषय है।

भंवरलाल जांगिड का जन्म 21 दिसंबर 1970 को राजस्थान के बीकानेर जिले की लूणकरनसर तहसील के ग्राम धीरेरा में एक संस्कारवान परिवार में हुआ। आपकी माताजी श्रीमती मानी देवी धर्मपरायण एवं गृहिणी हैं, जबकि आपके पूज्य पिताजी श्री अर्जुनराम पशु चिकित्सक के रूप में समाज की दीर्घकाल तक सेवा करने के पश्चात हाल ही में सेवानिवृत्त हुए हैं। श्री अर्जुनराम भाजपा के टिकिट पर बीकानेर से जिला परिषद चुनाव के प्रत्याशी भी रहे हैं। माता-पिता से प्राप्त सेवा, सादगी, अनुशासन और मानवीय संवेदनाओं ने आपके व्यक्तित्व को प्रारम्भ से ही समाजोन्मुख बनाया। आपकी प्रारम्भिक शिक्षा राजकीय विद्यालय, धीरेरा में हुई। माध्यमिक शिक्षा राजकीय विद्यालय, खाजूवाला तथा उच्च माध्यमिक शिक्षा फोर्ट स्कूल, बीकानेर से पूर्ण करने के उपरान्त आपने डूंगर कॉलेज, बीकानेर से स्नातक की शिक्षा प्राप्त की। विद्यार्थी जीवन से ही आप नेतृत्व क्षमता, सामाजिक चेतना और अनुशासित जीवनशैली के लिए पहचाने जाने लगे थे।

राष्ट्र निर्माण की भावना से प्रेरित होकर आपका जुड़ाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से रहा। वर्ष 2006 में आपने संघ का प्राथमिक वर्ग प्रशिक्षण प्राप्त किया। संघ ने जहाँ भी सेवा का अवसर प्रदान किया, आपने उसे दायित्व नहीं बल्कि सौभाग्य मानकर स्वीकार किया। यही संस्कार आगे चलकर आपके सार्वजनिक जीवन की आधारशिला बने।

वर्ष 2017 में आपने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में प्रारम्भ हुआ आपका राजनीतिक सफर शीघ्र ही संगठन के विश्वास का केंद्र बन गया। वर्ष 2017 से 2022 तथा पुनः 2022 से 2024 तक लगातार दो कार्यकालों के लिए आपको भाजपा ओबीसी मोर्चा, बीकानेर जिला अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। इसके बाद वर्ष 2024 से 2026 तक आपको भाजपा बीकानेर देहात जिला अध्यक्ष नियुक्त किया। कुछ समय तक भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष के रूप में भी कार्यरत रहे। इसके साथ ही आप प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की राष्ट्रीय समिति के नामित सदस्य के रूप में भी कार्य कर रहे हैं।

भंवरलाल जांगिड केवल राजनीतिक कार्यकर्ता ही नहीं, बल्कि समाजिक जीवन के एक सक्रिय और संवेदनशील प्रहरी भी हैं। वे वर्षों से महासभा के सक्रिय सदस्य हैं तथा समाजहित के विविध कार्यक्रमों में निरन्तर योगदान देते रहे हैं। समाज के प्रति उनके समर्पण को देखते हुए उन्हें लगातार दो कार्यकाल मे महासभा के बीकानेर जिला अध्यक्ष के रूप मे निर्विरोध चुना गया। वर्तमान मे भी वह बीकानेर जिला अध्यक्ष हैं। **उनका सेवा जीवन विशेष रूप से कोरोना महामारी के दौरान प्रेरणादायक रहा।** जब संक्रमण के भय से लोग दूरी बना रहे थे, तब उन्होंने पीपीई किट पहनकर अस्पतालों में पहुँचकर मरीजों की सेवा की। **पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता भी उल्लेखनीय है।** उन्होंने सरकारी विद्यालयों में बड़ी संख्या में पौधारोपण कराया तथा पाँच वर्षों तक उनकी देखभाल की। उनके इस कार्य के लिए विद्यालय प्रशासन ने उन्हें सम्मानित भी किया। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने निजी आवास पर लगभग 400 वृक्षों का एक सुंदर उद्यान विकसित कर पर्यावरण संरक्षण का प्रेरक संदेश दिया। **गोसेवा के क्षेत्र में भी उनका योगदान अत्यंत प्रशंसनीय रहा।** राजस्थान में लम्पी रोग के प्रकोप के समय उन्होंने लगभग 10,000 गौवंश को नि:शुल्क इंजेक्शन लगवाने की व्यवस्था कर अनेक गौवंशों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा उन्हें ओबीसी मोर्चा, राजस्थान का महामंत्री नियुक्त किया जाना इस बात का प्रमाण है कि संगठन समर्पित कार्यकर्ताओं के परिश्रम और निष्ठा का उचित सम्मान करता है। यह दायित्व निश्चित रूप से उनके अनुभव, संगठन कौशल और सेवा भावना को पूरे राजस्थान में नई दिशा प्रदान करेगा।

महासभा राष्ट्रीय प्रधान रामपाल शर्मा ने भंवर लाल जांगिड को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति सम्पूर्ण ओबीसी वर्ग और जांगिड समाज के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भंवरलाल जांगिड ओबीसी वर्ग के लिए अपने कार्यकाल मे नई योजनाओं को क्रियान्वित करवाने और उनकी मूलभूत समस्याओं का समाधान करने का भरसक प्रयास करेंगे तथा समाज के वंचित, पिछड़े और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए निरन्तर कार्य करेंगे।

सांवरमल जांगिड, महामंत्री महासभा

रोहताश जांगड़ा, हरियाणा श्रमिक कल्याण बोर्ड के चेयरमैन बने।

........पी. एल. शास्त्री, गुरुग्राम

अपनी सत्यनिष्ठा और पार्टी के प्रति समर्पित भाव से काम करने वाले तथा अपने पुरुषार्थ के बल पर विशेष पहचान बनाने वाले, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के निष्ठावान कार्यकर्ता, रोहताश जांगड़ा का जन्म 17 सितंबर, 1958 को गांव धान्सू, जिला हिसार में एक किसान पिता चन्दू राम जांगिड और माँ श्रीमती फूली देवी जांगिड के घर हुआ। श्री जांगड़ा को हरियाणा सरकार द्वारा 29 मई, 2026 को हरियाणा श्रमिक कल्याण बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति, हरियाणा सरकार द्वारा उनकी, भारतीय जनता पार्टी के प्रति समर्पण और निष्ठा की भावना का द्योतक है। उन्होंने इस नियुक्ति के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी, केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर तथा केन्द्रीय नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि उनका जीवन बड़े ही संघर्षो से भरा हुआ रहा है। रोजगार की तलाश में उन्होंने जब गांव छोड़ा तो, सबसे पहले उकलाना में लोहे की वैल्डिंग का कार्य सीखा और उसके बाद हिसार में काम शुरू किया। उसके बाद नियति उनको सिरसा खींच कर ले आई। उन्होंने सिरसा को ही अपनी कर्मभूमि बनाया और अपने हाथ से मेहनत करने के साथ-साथ, सन् 1980 में वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े और संघ की शाखाओं में जाना शुरू किया। चौधरी देवीलाल के समय सिरसा को उनका गढ़ कहा जाता था। जहां पर लोग राजनीति में आगे आने से डरते थे। उस सिरसा में, उन्होंने सन् 1980 में बनी भारतीय जनता पार्टी के पेड़ की जड़ों को सींचना शुरू किया और आज भारतीय जनता पार्टी ने एक वटवृक्ष का रुप धारण कर लिया है।

रोहताश जांगड़ा ने बताया कि उन्होंने पहली बार सन् 1994 में सिरसा जिला परिषद का चुनाव लड़ा था और उसके पश्चात सन् 2009 में विधानसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में सिरसा से चुनाव लडा था, लेकिन सफलता नहीं मिली। मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान उनको भवन निर्माण एवं कर्मकार कल्याण बोर्ड का सदस्य भी बनाया गया था। उन्होंने याद दिलाया कि अक्टूबर 2024 में, हरियाणा में हुए विधानसभा के चुनावों में उनको सिरसा से भारतीय जनता पार्टी का विधायक उम्मीदवार बनाया गया। पार्टी हाई कमान के आदेश पर उनको अपनी उम्मीदवारी और नाम वापस लेना पड़ा।

रोहताश जांगिड ने कहा कि निष्ठा, वफादारी और तपस्या का फल बड़ा ही मीठा होता है और वह मुझे मिल गया है, बाकी तो **जो राम रची राख्या सो होई।** माता-पिता के आशीर्वाद और भगवान की अनुकम्पा, अपनी मेहनत और ईमानदारी के बल पर ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़ पाया। संघ की वजह से ही मुझे भारतीय जनता पार्टी रुपी परिवार में शामिल होने का सुअवसर मिला। आज मुझे देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मार्ग दर्शन और हरियाणा के ऊर्जावान मुख्य मंत्री नायाब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश के लोगों की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। **रोहिताश जांगिड ने कहा कि मैंने खुद अपने हाथों से मजदूरी का काम किया है** इसलिए श्रमिकों के जीवन में आने वाली सभी समस्याओं से मैं भली भांति परिचित हूँ। वर्तमान मे श्रमिक कल्याण के लिए हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही अनेकों योजनाओं को पारदर्शी तरीके से क्रियान्वित कर भविष्य मे कई अन्य नई योजनाओं को प्रदेश में लागू किया जाएगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वह श्रमिकों के कल्याण के लिए, उनकी समस्याओं का सकारात्मक तरीके से हल निकालने का हर सम्भव प्रयास करेंगे। उनकी पुत्र वधू अंजू जांगिड सिरसा के वार्ड नं 9 से पार्षद है और बेटा विनोद जांगिड सिरसा के सिविल अस्पताल में एक फिजियोथैरेपिस्ट है।

महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने, रोहताश जांगड़ा को, श्रम कल्याण बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किये जाने पर बधाई देते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि आप, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश में श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए उनका जीवन खुशहाल बनाने का हर सम्भव प्रयास करेंगे। मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

सिरसा के उधोगपति, आनन्द खण्डेलवाल ने सिरसा में रोहताश जांगड़ा के घर जा कर उनको बधाई देकर उनका मान-सम्मान किया। उन्होंने कहा कि श्री जांगड़ा ने अपने सार्थक प्रयासों और संगठनात्मक शक्ति के बल पर ही पार्टी कैडर में अपनी एक विशेष पहचान बनाई और नाम कमाया है। खण्डेलवाल ने कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान,श्रमिकों का भविष्य सुखद और खुशहाल बनाने के लिए हर सम्भव प्रयास करेंगे। मैं रोहताश जांगड़ा को श्रमिक कल्याण बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त होने पर बधाई देता हूँ। मुझे उम्मीद है कि श्रमिकों के समस्याओं से भलीभांति परिचित, रोहताश जांगड़ा अपनी तीव्र प्रतिभा की अमिट छाप छोड़ते हुए, जांगिड समाज और प्रदेश का नाम गौरवान्वित करने का स्तुत्य प्रयास करेंगे। विपुल धन्यवाद।.....

आदमपुर के विधायक चन्द्रप्रकाश जांगिड को हरियाणा कांग्रेस के पिछड़ा वर्ग, विभाग का चेयरमैन नियुक्त किया गया।

अनुसूईया शर्मा, गुरुग्राम।

विनम्रता, शालीनता और बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी, भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी और बचपन से राजनैतिक संस्कारों की घुट्टी पीने वाले, आदमपुर के विधायक, चन्द्र प्रकाश जांगिड, उच्च कार्य क्षमता, सकारात्मक सोच और मिलनसार प्रवृति के व्यक्ति है। हरियाणा कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने और पिछड़े वर्गों में अपना जनाधार बढ़ाने के उद्देश्य से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा चंद्र प्रकाश जांगिड को 19 मई, 2026 को हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के पिछड़े वर्ग विभाग का चेयरमैन बनाया गया है।

वास्तव में चन्द्र प्रकाश जांगिड एक मात्र ऐसे नेता हैं जिन्होंने अक्टूबर, 2024 में हुए हरियाणा विधानसभा के आम चुनाव में, आदमपुर विधानसभा चुनाव क्षेत्र से भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई के राजनैतिक प्रभाव को चुनौती देते हुए, कांग्रेस की ओर से मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है और आदमपुर से विधायक बनकर अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

जीवन में किसी भी लक्ष्य में सफलता हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्प, इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास तथा जिजीविषा की भावना बड़ा ही महत्व रखती है। यह उदाहरण चन्द्र प्रकाश जांगिड पर एक तरह से सटीक बैठता है। पहले तो वह हरियाणा सरकार में प्रशासनिक अधिकारी बने और उसके पश्चात आई. ए.एस. अधिकारी बन कर हरियाणा के कई जिलों में जिला कलेक्टर तथा मण्डल आयुक्त रहे और सूचना आयोग में सूचना आयुक्त के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं।

लोकसेवक के माध्यम से जन सेवा करने की प्रेरणा लेकर वह राजनीति में आए और अन्ततः वह अपने लक्ष्य में सफल भी हुए है। पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल की परम्परागत, आदमपुर विधानसभा सीट को, जीतकर पहली बार विधायक बने चन्द्र प्रकाश जांगिड हरियाणा प्रदेश के अलग राज्य बनने के पश्चात जांगिड समाज के पहले विधायक बने हैं।

वह मेरे रिश्तेदार भी हैं और मैं उनको लम्बे समय से जानती हूँ। मैं यह बात बड़े ही गर्व के साथ कह सकती हूँ कि चन्द्र प्रकाश जांगिड में, चौधरी भजनलाल और अपने चाचा पूर्व राज्यसभा सांसद पंडित रामजी लाल जैसे लीडरशिप गुण भी सहज रूप से ही विद्यमान हैं। इसलिए आदमपुर के लोगों ने चन्द्र प्रकाश पर भरोसा करते हुए उन्हे आदमपुर का विधायक बनाया है।

चन्द्र प्रकाश जांगिड ने कहा, कि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस के उज्ज्वल भविष्य और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कांग्रेस के ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयहिंद का मैं हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने मुझ जैसे एक अदना से कार्यकर्ता पर विश्वास करते हुए मुझे यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

चन्द्र प्रकाश जांगिड ने कहा, कि मैं हरियाणा प्रदेश में पिछड़े वर्गों के हितों के लिए हरियाणा विधानसभा में निरन्तर आवाज उठाता रहूंगा। हरियाणा प्रदेश में एक जनजागृति के माध्यम से, पिछड़े वर्गों के लोगों को अपने अधिकारों के प्रति सजग और जागरूक किया जाएगा। सरकारी योजनाओं और सरकारी नौकरियों में पूरा हिस्सा दिलवाने के लिए सभी पार्टियों के नेताओं से मिलकर इनके अधिकारों की रक्षा के लिए एक संयुक्त प्रयास किया जाएगा। मैं अपने चाचा पंडित रामजी लाल की तरह ही समाज के लोगों की सदैव ही सत्य निष्ठा पूर्वक, बिना किसी भेदभाव के सेवा करता रहूंगा।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, चन्द्र प्रकाश जांगिड को बधाई देते हुए कहा, कि कांग्रेस पार्टी ने उनको पार्टी के प्रति वफादारी और ईमानदारी का इनाम दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि चन्द्र प्रकाश जांगिड, ओबीसी वर्गों के हितों के लिए, हरियाणा मे उनको न्यायोचित अधिकार दिलाने एवं उनका जीवन खुशहाल बनाने के लिए हर सम्भव प्रयास करेंगे।

मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ। विपुल धन्यवाद.........................

भारत में कैंसर का बढ़ता बोझ; चुनौतियाँ और इसकी रोकथाम के उपाय

कैंसर आज पूरे विश्व के साथ-साथ भारत के लिए भी एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन चुका है। पहले यह बीमारी केवल कुछ लोगों तक सीमित मानी जाती थी, लेकिन आज हर वर्ष लाखों नए मरीज सामने आ रहे हैं। बदलती जीवनशैली, प्रदूषण, तंबाकू का बढ़ता सेवन, असंतुलित भोजन और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण कैंसर के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। यह केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, समाज और देश की अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करता है।

हाल ही में आईसीएमआर–नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इंफॉर्मेटिक्स एंड रिसर्च (NCDIR) द्वारा समन्वित 43 जनसंख्या-आधारित कैंसर रजिस्ट्रियों के आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में कैंसर विकसित होने का जीवनकाल जोखिम 11% है। केवल 2024 में ही देश में 15.6 लाख नए कैंसर मामले और 8.74 लाख मौतें दर्ज की गई।

इस संकट को समझने का महत्व रजिस्ट्रियों द्वारा एकत्र किए गए व्यवस्थित आंकड़ों में निहित है, जो घटना पैटर्न, लैंगिक अंतर, क्षेत्रीय विषमताओं और जोखिम कारकों पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। ये रजिस्ट्रियां भारत की आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से को कवर करती हैं और नीति-निर्माताओं को प्रभावी प्रतिक्रिया तैयार करने में मदद करती हैं। साथ ही, निष्कर्ष यह भी रेखांकित करता हैं कि जागरूकता, बुनियादी ढांचा और वहनीयता में मौजूद खामियां इसे और भी चुनौतीपूर्ण बनाती है।

कैंसर रजिस्ट्रियों से मुख्य निष्कर्ष:

*महिलाएं कैंसर मामलों का 51.1% हिस्सा बनाती हैं लेकिन कैंसर मौतों का केवल 45%, मुख्यतः इसलिए कि स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जो महिलाओं में कुल कैंसर का 40% हैं। यदि समय पर पहचाने जाएं तो इनका पता लगाना और इलाज करना आसान होता है।

* पुरुषों को उच्च मृत्यु-दर का सामना करना पड़ता है क्योंकि फेफड़ों और जठर (पेट) का कैंसर प्रमुख हैं, जिनमें देर से पहचान और आक्रामक रोग प्रगति के कारण जीवित रहने की संभावना कम होती है। • भारत में पुरुषों के बीच मौखिक कैंसर ने फेफड़ों के कैंसर को पीछे छोड़ सबसे आम कैंसर का स्थान ले लिया है। • यह वृद्धि विरोधाभासी है, क्योंकि तंबाकू का उपयोग घटा है (2009–10 में 34.6% -- 2016–17 में 28.6%)।

भारत जैसे विशाल और जनसंख्या वाले देश में कैंसर के बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। हालांकि चिकित्सा विज्ञान में काफी प्रगति हुई है और कई प्रकार के कैंसर का सफल इलाज संभव है, लेकिन इसके लिए समय पर पहचान और सही उपचार आवश्यक है। यदि कैंसर का पता शुरुआती अवस्था में चल जाए तो इसके ठीक होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसलिए कैंसर के कारणों को समझना और उससे बचाव के उपाय अपनाना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

भारत में कैंसर के रोगी बढ़ने के प्रमुख कारण:-

1. तंबाकू और धूम्रपान का बढ़ता उपयोग- भारत में कैंसर का सबसे बड़ा कारण तंबाकू का सेवन है। लोग बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, खैनी, जर्दा, पान मसाला और हुक्का जैसी वस्तुओं का सेवन करते हैं। इनमें मौजूद हानिकारक रसायन शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुँचाते हैं, जिससे कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। मुख, गले, जीभ, फेफड़ों और भोजन नली का कैंसर अधिकतर तंबाकू के सेवन से जुड़ा होता है।

2. शराब का अत्यधिक सेवन- लगातार और अधिक मात्रा में शराब पीने से लीवर, गले, मुँह, भोजन नली और स्तन कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। यदि कोई व्यक्ति शराब और तंबाकू दोनों का सेवन करता है तो कैंसर की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

3. असंतुलित भोजन- आजकल लोग घर के ताजे भोजन की जगह जंक फूड, फास्ट फूड, अधिक तेल-मसाले वाले भोजन और पैकेट वाले खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन कर रहे हैं। इन खाद्य पदार्थों में नमक, चीनी और वसा की मात्रा अधिक होती है, जबकि शरीर के लिए आवश्यक विटामिन और फाइबर कम होते हैं। फल, सब्जियाँ और साबुत अनाज कम खाने से भी कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।

4. शारीरिक गतिविधि की कमी- आधुनिक जीवनशैली में लोग घंटों बैठकर काम करते हैं। व्यायाम, पैदल चलना और खेलकूद कम हो गया है। इससे मोटापा बढ़ता है, जो कई प्रकार के कैंसर का एक प्रमुख कारण माना जाता है।

5. बढ़ता प्रदूषण- वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण और औद्योगिक प्रदूषण भी कैंसर के मामलों में वृद्धि का कारण बन रहे हैं। वाहनों और कारखानों से निकलने वाला धुआँ फेफड़ों को नुकसान पहुँचाता है। लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने से कैंसर होने का खतरा बढ़ सकता है।

6. संक्रमण- कुछ वायरस और बैक्टीरिया भी कैंसर का कारण बन सकते हैं। उदाहरण के लिए, एचपीवी (HPV) संक्रमण से गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर हो सकता है, जबकि हेपेटाइटिस बी और सी वायरस से लीवर कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

7. आनुवंशिक कारण- कुछ लोगों में कैंसर का खतरा परिवार से भी मिल सकता है। यदि परिवार में पहले किसी सदस्य को कैंसर रहा है, तो अन्य सदस्यों में भी इसका जोखिम सामान्य लोगों की तुलना में अधिक हो सकता है। हालांकि केवल आनुवंशिक कारण ही कैंसर का कारण नहीं होते, बल्कि जीवनशैली भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

8. बढ़ती आयु- उम्र बढ़ने के साथ शरीर की कोशिकाओं में परिवर्तन होने लगते हैं। इसी कारण वृद्ध लोगों में कैंसर होने की संभावना अधिक रहती है।

9. जागरूकता की कमी- भारत के कई क्षेत्रों में लोग कैंसर के शुरुआती लक्षणों को सामान्य बीमारी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। समय पर जांच नहीं कराने के कारण बीमारी गंभीर अवस्था में पहुँच जाती है।

10. देर से उपचार- कई मरीज आर्थिक कठिनाइयों, डर, अज्ञानता या चिकित्सा सुविधाओं की कमी के कारण समय पर इलाज शुरू नहीं कर पाते। इससे रोग बढ़ जाता है और उपचार कठिन हो जाता है। कैंसर के लक्षण उसके प्रकार पर निर्भर करते हैं, लेकिन कुछ सामान्य संकेत इस प्रकार हैं; शरीर

में किसी गाँठ का बनना। लंबे समय तक खाँसी रहना। बिना कारण वजन कम होना। बार-बार बुखार आना। लगातार थकान महसूस होना। मुँह का घाव लंबे समय तक ठीक न होना। मल या मूत्र में खून आना। निगलने में कठिनाई होना। त्वचा पर असामान्य परिवर्तन दिखाई देना। यदि इनमें से कोई लक्षण लंबे समय तक बना रहे तो तुरंत चिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए।

कैंसर की रोकथाम के उपाय:- **1.** कैंसर से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय तंबाकू का सेवन बिल्कुल बंद करना है। जो लोग तंबाकू छोड़ देते हैं, उनमें समय के साथ कैंसर का खतरा कम होने लगता है। **2.** शराब से दूरी बनाकर कई प्रकार के कैंसर के जोखिम को कम किया जा सकता है।
3. प्रतिदिन हरी सब्जियाँ, ताजे फल, दालें, दूध, अंकुरित अनाज और साबुत अनाज का सेवन करना चाहिए। अधिक तेल, नमक, चीनी और पैकेट वाले खाद्य पदार्थों का सेवन कम करना चाहिए। **4.** प्रतिदिन कम से कम 30 से 45 मिनट तक पैदल चलना, योग करना या हल्का व्यायाम करना चाहिए। इससे शरीर स्वस्थ रहता है और मोटापा नियंत्रित रहता है। **5.** मोटापा कई प्रकार के कैंसर का कारण बन सकता है। इसलिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम द्वारा उचित वजन बनाए रखना आवश्यक है। **6.** जहाँ तक संभव हो, प्रदूषित वातावरण से बचना चाहिए। धूल और धुएँ वाले क्षेत्रों में मास्क का उपयोग करना चाहिए तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में सहयोग देना चाहिये। **7.** एचपीवी और हेपेटाइटिस-बी के टीके कुछ प्रकार के कैंसर से सुरक्षा प्रदान करते हैं। समय पर टीकाकरण करवाना लाभदायक होता है। 8. 40 वर्ष की आयु के बाद नियमित स्वास्थ्य जांच करानी चाहिए। महिलाओं को स्तन और गर्भाशय ग्रीवा की जांच तथा पुरुषों को आवश्यकता अनुसार चिकित्सकीय सलाह के अनुसार जांच करानी चाहिए। **9.** लंबे समय तक तेज धूप में रहने से त्वचा कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए धूप में निकलते समय उचित सुरक्षा अपनानी चाहिए।
10. तनाव को कम करने के लिए योग, ध्यान, पर्याप्त नींद और सकारात्मक सोच अपनानी चाहिए। मानसिक रूप से स्वस्थ रहने से व्यक्ति स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में सक्षम होता है।

कैंसर की रोकथाम के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं और बहुत सी योजनाएं इस दिशा मे काम कर रही है जिनमें मुख्य रूप से निम्न है।

1. राष्ट्रीय-स्तरीय कार्यक्रम * कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और आघात की रोकथाम और नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPCDCS): मौखिक, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की शुरुआती पहचान पर केंद्रित, स्क्रीनिंग, जागरूकता और प्राथमिक देखभाल सुदृढ़ीकरण पर जोर।* **कैंसर के लिए तृतीयक देखभाल सुदृढ़ीकरण योजना:** उन्नत उपचार को विकेंद्रीकृत करने हेतु 19 राज्य कैंसर संस्थान और 20 तृतीयक कैंसर केंद्रों का समर्थन। * **आयुष्मान भारत योजना (PM-JAY):** गरीब परिवारों को मुफ्त कैंसर उपचार (कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी, सर्जरी) प्रदान करती है। पंजीकृत कैंसर रोगियों में से 90% से अधिक इस योजना के अंतर्गत आते हैं। * स्वास्थ्य मंत्री कैंसर रोगी कोष (HMCPF): 27 क्षेत्रीय कैंसर केंद्रों में प्रत्येक रोगी को ₹15 लाख तक की वित्तीय सहायता प्रदान करता है। * **नेशनल कैंसर ग्रिड (NCG):** दुनिया का सबसे बड़ा कैंसर देखभाल नेटवर्क, जिसमें 287 केंद्र प्रतिवर्ष 7.5 लाख नए रोगियों का इलाज करते हैं और मानकीकृत, साक्ष्य-आधारित उपचार प्रोटोकॉल सुनिश्चित करते हैं।

2. बजट और बुनियादी ढांचा * केंद्रीय बजट 2025–26 में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए लगभग ₹1 लाख करोड़ आवंटित किए गए, जिसमें हर जिले में डे केयर कैंसर केंद्र स्थापित करने की योजना शामिल है। * **रोगियों के लिए उपचार लागत कम करने हेतु 36 जीवनरक्षक कैंसर दवाओं पर सीमा शुल्क छूट।**

3. अनुसंधान और नवाचार* NexCAR19 CAR-T सेल थेरेपी (2024): रक्त कैंसर के लिए भारत की पहली स्वदेशी जीन थेरेपी, जिसे आईआईटी बॉम्बे, टाटा मेमोरियल सेंटर और इम्यूनो ACT ने विकसित किया। * **क्वाड कैंसर मूनशॉट (2024):** भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का सहयोग एचपीवी टीकाकरण और उन्नत स्क्रीनिंग के जरिए गर्भाशय ग्रीवा कैंसर को खत्म करने के लिए। * **ACTREC विस्तार (2025):** कैंसर के उपचार, अनुसंधान और शिक्षा हेतु उन्नत केंद्र में बड़ा उन्नयन, अनुसंधान और प्रशिक्षण को सुदृढ़ करने के लिए।

4. जागरूकता और जीवनशैली हस्तक्षेप * अभियान: ईट राइट इंडिया, फिट इंडिया मूवमेंट और योग-आधारित पहल जीवनशैली में बदलाव को प्रोत्साहित करती हैं ताकि कैंसर का जोखिम कम हो सके। * **जन-जागरूकता दिवस:** राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस और विश्व कैंसर दिवस का उपयोग जनता को जोड़ने और रोकथाम पर मुख्य संदेश फैलाने के लिए किया जाता है।

कैंसर एक गंभीर लेकिन काफी हद तक रोकी जा सकने वाली बीमारी है। इसका सबसे बड़ा कारण हमारी बदलती जीवनशैली, तंबाकू का सेवन, प्रदूषण, असंतुलित भोजन और जागरूकता की कमी है। यदि हम स्वस्थ जीवनशैली अपनाएँ, तंबाकू और शराब से दूर रहें, नियमित व्यायाम करें, संतुलित भोजन करें और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराते रहें, तो कैंसर के खतरे को काफी कम किया जा सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बने और दूसरों को भी जागरूक करे। प्रारंभिक पहचान, समय पर उपचार और सही जीवनशैली ही कैंसर से बचाव की सबसे प्रभावी कुंजी है। स्वस्थ नागरिक ही स्वस्थ समाज और मजबूत राष्ट्र का निर्माण करते हैं। इसलिए हमें आज से ही संकल्प लेना चाहिए कि हम स्वयं स्वस्थ रहेंगे, दूसरों को भी स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित करेंगे और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के विरुद्ध जागरूकता फैलाने में अपना योगदान देंगे।

आओ हम सब मिलकर इस महामारी से निपटने का संकल्प ले और अपनों को खोने से बचाए। सावधानी ही सबसे पहला उपचार है।

****

प्रहलादराय शर्मा – सह संपादक

मनुर्भव: - (मनुष्य बनो)

शब्दार्थ :- मनु: = मनन करने वाला, विचारशील, धर्म पर चलने वाला। भव: = बनो, हो जाओ।

परमात्मा ने अनेक प्रकार के जीव बनाए, उनमें से मनुष्य को ही एक ऐसा प्राणी बनाया है जिसमे सोचने और मनन करने की असीम शक्ति है। इसीलिए वेद कहता है कि हे मानव तुम मनुष्य बनो। मनुष्य का कर्त्तव्य है कि स्वयं मनुष्य बने और दूसरों को मनुष्यत्व की प्रेरणा दे। जलता हुआ दीपक ही बुझे हुए दीपक को जला सकता है। स्वयं अच्छा बने और दूसरों को अच्छा बनाए। यदि मनुष्य स्वयं तो अच्छा बनाता है, परन्तु दूसरों को अच्छा नहीं बनाता तो उसकी साधना अधूरी हो जाती है।

वास्तव में मनुष्य की मानवता ही उसका आभूषण है। वेद, मनुष्य को उपदेश देता है कि **हे मानव तुम मनुष्य बनो। यह मनुष्य को ही क्यों कहा गया?** हम देखते हैं कि जब कोई पिता गुस्सा होता तो अपने बच्चों को कहता है कि तुम आदमी बन जाओ। कोई कहता है मुसलमान बन, कोई कहता है ईसाई बन, कोई कहता है बौद्ध बन, परन्तु वेद कहता है कि तुम मनुष्य बनो। वेद की यही विशेषता वेद को अन्य धर्मग्रन्थों से बहुत ऊँचा स्थान प्रदान करती है। वेद का उपदेश संकीर्णता और संकुचितता से परे है। वेद का उपदेश सभी स्थानों, सभी कालों और सभी मनुष्यों पर समान रुप से लागू होता है। जब संसार में यह वेदोपदेश चरितार्थ था तब संसार में मानव वस्तुतः मानव था। मानवता का भेद करने वाले कारण उपस्थित नहीं थे।

संसार में जितने जलचर प्राणी, नभचर प्राणी और भूचर प्राणी हैं, उनमें से सर्वश्रेष्ठ प्राणी मनुष्य की शरीर–रचना, अन्य प्राणियों से अति श्रेष्ठ है। उसे बुद्धि से विभूषित करके परमात्मा ने चार चाँद लगा दिये। मनुष्य को बोलने की शक्ति दी, हंसने की शक्ति दी, सोचने की शक्ति दी, अपार बुद्धि दी है, जिससे वह संसार को जीत सकता है। मनुष्य का कर्त्तव्य है कि स्वयं मनुष्य बने और दूसरों को मनुष्यत्व की प्रेरणा दे। इसलिए उसको कहा गया है कि तुम मनुष्य बनों इसका मतलब है कि मनुष्य को परमात्मा ने इतना कुछ दिया है, तो उसको परोपकार के काम कर धर्म के रास्ते पर चलना चाहिए।

शतपथ ब्राह्मणकार ने बहुत ही सुन्दर कहा है, **पुरुषो वै प्रजापतेर्नेदिष्ठम्।** अर्थात् प्राणियों में से मनुष्य परमेश्वर के निकटतम है। अन्य कोई प्राणी परमेश्वर की इतनी निकटता को प्राप्त किये हुए नहीं है जितनी कि मनुष्य। यदि मनुष्य अपनी मानवता को पहचानता रहे तो वह मनुष्य है, अन्यथा उसमें पशुत्व उभरकर उसे पशु बना देता है।

संस्कृत के एक कवि ने कहा है: **खादते मोदते नित्यं शुनकः शूकरः खरः।तेषामेषां को विशेषो वृत्तिर्येषां तु तादृशी।।** कुत्ते, सूअर और गधे आदि भी खाते-पीते और खेलते-कूदते हैं। यदि मनुष्य भी केवल इन्हीं बातों से अपने जीवन की सार्थकता मानता है तो फिर उसमें और पशु में अन्तर ही क्या है? कवि तो केवल खाने-पीने और खेलने-कूदने तक ही कह कर रह गया, परन्तु ऐसे भी मनुष्य हैं जिनमें और पशुओं में कोई अन्तर नहीं है। मूर्खता में कई व्यक्ति गधे के समान होते हैं। बस्तियाँ उजाड़ने वाले मनुष्य उल्लुओं से भी अधिक भयंकर होते हैं। कड़वी और तीखी बातें कहने वाले ततैयों से भी अधिक पीड़क होते हैं। व्यसनी व्यक्ति जो दूसरों को भयंकर व्यसनों का शिकार बना लेते हैं, साँपों और बिच्छुओं से भी अधिक भयंकर होते हैं, क्योंकि उनके व्यसन व्यक्ति को जीवन–पर्यन्त पीड़ित करते रहते हैं।

क्रोधी और निर्बलों को दबाने वाले व्यक्ति भेड़िये के समान होते हैं। परस्पर लड़ने वालों में कुत्ते की मनोवृत्ति पाई जाती है। अभिमानी व्यक्तियों में गरुड़ की मनोवृत्ति प्रधान है। लोभी व्यक्ति गीध के समान होते हैं। शब्द-रस में फँसे हुए प्राणी हिरण के समान, स्पर्श–सुख के वशीभूत मनुष्य हाथी के समान, रुप-रस के शिकार मनुष्य पतंगे के समान, गन्ध-रस के शिकार व्यक्ति भँवरे के समान, स्वाद के वशीभूत प्राणी मछली के समान होते हैं। कायर व्यक्ति को भेड़ और गीदड़ की उपमा दी जाती है। मतलबी व्यक्तियों को गिरगिट के तुल्य ठहराया जाता है। ये पशु वृत्तियाँ केवल कम पढ़े व्यक्तियों में ही नहीं पाई जाती, अपितु पढ़े-लिखे और शिक्षित भी इनका शिकार हैं। बी. ए., एम. ए. भी ईर्ष्या और द्वेष की दल दल में फँसे हुए हैं। शास्त्री और आचार्य भी संकीर्णता और संकुचितता के रोगों से ग्रसित हैं। पढ़े-लिखे भी दूसरों को धोखा देते हैं। वे भी छल-कपट करते हुए झिझकते नहीं हैं। शिक्षा भूषण के स्थान पर दूषण बन गई है। मनुष्य, शिक्षा प्राप्त करने से ही मनुष्य बन जाए, यह कोई आवश्यक नहीं है। मनुष्यत्व तो एक साधना है। यह कुछ वर्षों की साधना नहीं, अपितु जीवन भर की साधना है। मनुष्यत्व की प्राप्ति के लिए मनुष्य को जागरुक रहना पड़ता है, आत्मनिरीक्षण करना पड़ता है। तभी मनुष्य मनुष्यत्व का अधिकारी बनता है। ऊँचे मनुष्यों का संसार में मिलना बहुत कठिन है। ईश्वर तो मिलता है इंसान ही नहीं मिलता।

एक विद्वान ने कहा है हमारा मनुष्य बनना हमारी सबसे पहली पढ़ाई है। मुंशी प्रेमचन्द के शब्दों में, **"मनुष्य बहुत होते हों, पर मनुष्यता विरले में ही होती है।"** मनुष्य बनने के लिए आपको मनन करना होगा। अंधविश्वास से नहीं, बुद्धि से जीओ। "ये सही है या गलत" पूछो। मर्यादा में रहना चाहिए। **"आत्मवत् सर्वभूतेषु" -** सबको अपने जैसा समझो। मनुष्य बन कर कर्तव्य निभाओ। बेटा, पिता, नागरिक, इंसान , हर रोल ईमानदारी से निभाओ। मनुष्य को हमेशा अभय, शुद्धि, दान, तप, अहिंसा का पालन करना चाहिए।

सबसे गहरी बात , वेद हमें **"देवो भव"** नहीं कहता, पहले **"मनुर्भव"** कहता है। पहले अच्छे इंसान बनो, फिर देवता बनने की सोचो। नींव कच्ची होगी तो मंदिर नहीं टिकेगा। **"पढ़ा-लिखा होकर भी जो चरित्रहीन है, वो शिक्षित पशु है। अनपढ़ होकर भी जो धर्म पर है, वही असली मनुष्य है"**

सत्य पाल वत्स आर्य (योगनिष्ठ) - आध्यात्मिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष - महासभा

भाग - 2

सूर्य नमस्कार में सभी योगों का योग

'सूर्यनमस्कार' अभ्यास के बारह चरण'..... पिछले अंक में मैंने लेख के भाग-1 में सूर्य नमस्कार के बारह चरणों के बारह मंत्रों के अर्थ बताए थे। अब भाग-2 मे सूर्य नमस्कार के बारह चरण की पूरी विधि बताई गयी है ताकि पाठक गण इसे पढ़कर भी आसनी से सूर्य नमस्कार का अभ्यास कर सके।

'सूर्यनमस्कार' के बारह चरण

'सूर्यनमस्कार' को सर्वांग व्यायाम भी कहा जाता है। इसके लिये प्रातः काल सूर्योदय का समय सर्वोत्तम माना गया है। 'सूर्यनमस्कार' सदैव खुली हवादार जगह पर कम्बल का आसन बिछा खाली पेट अभ्यास करना चाहिये। इससे मन शान्त और प्रसन्न होता है। 'सूर्यनमस्कार' आसन के बारह चरण या स्थितियां हैं जिनका अभ्यास इस प्रकार किया जाता है-

1. प्रथम स्थिति - 'स्थितप्रार्थनासन'- सूर्य नमस्कार के प्रथम चरण की स्थिति 'स्थितप्रार्थनासन' की है। सावधान की मुद्रा में खड़े हो जायें। अब दोनों हथेलियों को परस्पर जोडकर प्रणाम की मुद्रा में हृदय पर रख लें। दोनों हाथों की अँगुलियां परस्पर सटी हों और अंगूठा छाती से चिपका हुआ हो। इस स्थिति में आपकी कुहुनियां सामने की ओर बाहर निकल आएंगी। अब आँखें बन्द कर दोनों हथेलियों का पारस्परिक दबाव बढाएँ। श्वास-प्रक्रिया निर्बाध चलने दें। इस समय **'ॐ मित्राय नमः'** इस मन्त्र का जप करना चाहिए।

2. द्वितीय स्थिति - 'हस्तोत्तानासन' या 'अर्द्धचन्द्रासन'- प्रथम चरण की स्थिति में जुडी हुई हथेलियों को खोलते हुए ऊपर की ओर तानें तथा श्वास भरते हुए कमर को पीछे की ओर मोड़ें। गर्दन तथा रीढ की हड्डियों पर पडने वाले तनाव को महसूस करें। अपनी क्षमता के अनुसार ही पीछे झुकें और यथासाध्य ही कुम्भक करते हुए झुके रहें। इस समय **'ॐ रवये नमः'** इस मन्त्र का जप करना चाहिए।

3. तृतीय स्थिति- हस्तपादासन या 'पादहस्तासन दूसरे चरण की स्थिति से सीधे होते हुए रेचक (निःश्वास) करें तथा उसी प्रवाह में सामने की ओर झुकते चले जाएं। दोनों हथेलियों को दोनों पंजों के पास जमीन पर जमा दें। घुटने सीधे रखें तथा मस्तक को घुटनों से चिपका दें यथाशक्ति बाह्य-कुम्भक करें। नव प्रशिक्षु धीरे-धीरे इस अभ्यास को करें और प्रारम्भ में केवल हथेलियों को जमीन से स्पर्श कराने की ही कोशिश करें। इस समय **'ॐ सूर्याय नमः'** इस मन्त्र का जप करना चाहिए।

4. चतुर्थ स्थिति - 'एकपादप्रसारणासन' - तीसरे चरण की स्थिति से भूमि पर दोनों हथेलियां जमाये हुए अपना दायां पांव पीछे की ओर ले जाएं। इस प्रयास में आपका बायां पांव आपकी छाती के नीचे घुटनों से मुड जाएगा, जिसे अपनी छाती से दबाते हुए गर्दन पीछे की ओर मोड़कर ऊपर आसमान की ओर देखें। दायां घुटना जमीन पर सट्टा हुआ तथा पंजा अंगुलियों पर खड़ा होगा। ध्यान रखें, हथेलियां जमीन से उठने न पाएं। श्वास-प्रक्रिया सामान्य रूप से चलती रहे। इस समय **'ॐ भानवे नमः'** इस मन्त्र का जप करना चाहिए।

5. पंचम स्थिति - 'भूधरासन' या 'दण्डासन'- 'एकपादप्रसारणासन' की दशा से अपने बाएं पैर को भी पीछे ले जाएं और दाएं पैर के साथ मिला लें। हाथों को कन्धों तक सीधा रखें। इस स्थिति में आपका शरीर भूमि पर त्रिभुज का आकार बनाता है, जिसमें आपके हाथ लम्बवत् और शरीर कर्णवत् होते हैं। पूरा भार हथेलियों और पों पर रहता है। श्वास-प्रक्रिया सामान्य रहनी चाहिये अथवा कुहुनियों को मोडकर पूरे शरीर को भूमि पर समानान्तर रखना चाहिये। यह 'दण्डासन' है। इस समय **'ॐ खगाय नमः'** इस मन्त्र का जप करना चाहिए।

6. षष्ठम् स्थिति- 'साष्टाङ्ग प्रणिपात' पंचम अवस्था यानि 'भूधरासन' से सांस छोडते हुए अपने शरीर को धीरे - धीरे नीचे झुकाएं। कुहुनियां मुडकर बगलों में चिपक जानी चाहिये। दोनों पंजे, घुटने, छाती, हथेलियां तथा ठोड़ी जमीन पर एवं कमर तथा नितम्ब उपर उठा होना चाहिये। इस समय **'ॐ पूष्णे नमः'** इस मन्त्र का जप करना चाहिए।

7. सप्तम स्थिति - 'सर्पासन' या 'भुजंगासन' छठे चरण की स्थिति में थोडा सा परिवर्तन करते हुए नाभि से नीचे के भाग को भूमि पर लिटा कर तान दें। अब हाथों को सीधा करते हुए नाभि से उपरी हिस्से को ऊपर उठाएं। श्वास भरते हुए सामने देखें या गरदन पीछे मोडकर ऊपर आसमान की ओर देखने की चेष्टा करें। ध्यान रखें, आपके हाथ पूरी तरह सीधे हों या यदि कुहुनी से मुडे हों तो कुहुनियां आपकी बगलों से चिपकी होनी चाहिए। इस समय **'ॐ हिरण्यगर्भाय नमः'** इस मन्त्र का जप करना चाहिए।

8. अष्टम स्थिति - 'पर्वतासन' सप्तम चरण की स्थिति से अपनी कमर और पीठ को ऊपर उठाएं। दोनों पंजों और हथेलियों पर पूरा वजन डालकर नितम्बों को पर्वतश्रृङ्ग की भांति ऊपर उठा दें तथा गरदन को नीचे झुकाते हुए अपनी नाभि को देखें। इस समय **'ॐ मरीचये नम'** इस मन्त्र का जप करना चाहिए।

9. नवमस्थिति - 'एकपादप्रसारणासन' (चतुर्थ चरण) आठवे चरण की स्थिति से निकलते हुए अपना दायां पैर दोनों हाथों के बीच दाहिनी हथेली के पास लाकर जमा दें। कमर को नीचे दबाते हुए गरदन पीछे की ओर मोडकर आसमान की ओर देखें। बायां घुटना जमीन पर टिका होना चाहिए। इस समय **'ॐ आदित्याय नमः'** इस मन्त्र का जप करना चाहिए।

10. दशम स्थिति - 'हस्तपादासन' (तृतीय चरण) नवम चरण की स्थिति के बाद अपने बाएं पैर को भी आगे दाहिने पैर के पास ले आएं। हथेलियाँ जमीन पर टिकी रहने दें। सांस बाहर निकालकर अपने मस्तक को घुटनों से सटा दें। ध्यान रखें, घुटने मुडें नहीं, भले ही आपका मस्तक उन्हें स्पर्श न करता हो। इस समय **'ॐ सवित्रे नमः'** इस मन्त्र का जप करना चाहिए।

11. एकादश स्थिति - 'हस्तोत्तानासन' या 'अर्द्धचन्द्रासन' (द्वितीय चरण) दशम चरण की स्थिति से श्वास भरते हुए सीधे खडे हों। दोनों हाथों की खुली हथेलियों को सिर के ऊपर ले जाते हुए पीछे की ओर तान दें। यथासम्भव कमर को भी पीछे की ओर मोड़ें। इस समय **'ॐ अर्काय नमः'** इस मन्त्र का जप करना चाहिए।

12. द्वादश स्थिति - 'स्थितप्रार्थनासन' (प्रथम चरण) ग्यारहवें चरण की स्थिति से हाथों को आगे लाते हुए सीधे हो जाएं। दोनों हाथों को नमस्कार की मुद्रा में वक्षः स्थल पर जोड लें। सभी उंगलियां परस्पर जुडी हुई हों तथा अंगूठा छाती से सटा हुआ हो। कुहुनियों को बाहर की तरफ निकालते हुए दोनों हथेलियों पर पारस्परिक दबाव दें। इस समय **'ॐ भास्कराय नमः'** इस मन्त्र का जप करना चाहिए।

आदित्यस्य नमस्कारान् ये कुर्वन्ति दिने दिने। आयुः प्रज्ञाबलंवीर्यं तेजस्तेषां च जायते ।।
अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्। सूर्यपादोदकं तीर्थं जठरे धारयाम्यहम्।।"

अर्थात् जो प्रतिदिन सूर्य नमस्कार करते हैं उनकी आयु, बुद्धि, बल, वीर्य एवं तेज (ओज) बढ़ता है। अकाल मृत्यु नहीं होती है तथा सभी प्रकार की व्याधियों का नाश होता है। सूर्य नमस्कार एक सम्पूर्ण व्यायाम है। अतः सूर्य नमस्कार सम्पूर्ण शरीर का पूर्ण व्यायाम है। इन क्रियाओं को करने के पश्चात् अन्य आसनों को करने की आवश्यकता नहीं रह जाती क्योंकि इन क्रियाओं में सभी आसनों का सार मिला हुआ है। इसलिए शारीरिक एवं मानसिक आरोग्य के लिए सूर्य नमस्कार श्रेयस्कर है।

सूर्य नमस्कार से शारीरिक और मानसिक लाभः सूर्य नमस्कार एक ऐसा व्यायाम हैं, जिसके करने से शारीरिक बल बढ़ता ही है, मानसिक उन्नति भी होती है, इससे शरीर की एक-एक कोशिका को आक्सीजन की आपूर्ति होती है। शरीर से दूषित पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। सूर्य नमस्कार से हड्डियां मजबूत होती हैं तथा मांसपेशियां लचीली बनती हैं। सूर्य नमस्कार का नियमित अभ्यास करने वाले व्यक्ति को हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, निम्न रक्तचाप, मधुमेह, गठिया, कब्ज जैसी समस्याओं के होने की आशंका बेहद कम हो जाती है। इसके नियमित अभ्यास से मोटापा दूर होता है, कमर लचीली होती है और रीढ की हडडी मजबूत होती है।

नलिकाविहीन ग्रंथियों की क्रियाशीलता सामान्य एवं संतुलित रहती है। पाचनक्रिया में सुधार होता है। पाचन सम्बन्धी समस्याओं, अपच, कब्ज, बदहजमी, गैस, अफारे तथा भूख न लगने जैसी समस्याओं के समाधान में बहुत ही उपयोगी भूमिका निभाता है। मानसिक शांति एवं बल, ओज एवं तेज की वृद्धि करता है। रज-वीर्य, दोषों को मिटाता है, महिलाओं में मासिक धर्म को नियमित करता है। वात, पित्त तथा कफ को संतुलित करने में मदद करता है। त्रिदोष निवारण में मदद करता है। शरीर एवं मन दोनों स्वस्थ बनते हैं।

शरीर की सभी महत्वपूर्ण ग्रंथियों, जैसे पिट्यूटरी, थायरॉइड, पैराथायरॉइड, एड्रिनल, लीवर, पैंक्रियाज, ओवरी आदि ग्रंथियों के स्राव को संतुलित करने में मदद करता है। शरीर में खून का प्रवाह तेज होता है जिससे ब्लड प्रेशर की बीमारी में आराम मिलता है। सूर्य नमस्कार का असर दिमाग पर पडता है और दिमाग ठंडा रहता है। सूर्य नमस्कार से मेरूदण्ड एवं कमर लचीली बनती है। उदर, आन्त्र, आमाशय, अग्नाशय, हृदय, फुफ्फुस सहित सम्पूर्ण शरीर को स्वस्थ बनाता है। सूर्य नमस्कार से विटामिन-डी मिलता है जिससे हड्डियाँ मजबूत होती हैं। स्मरण शक्ति तेज होती है।

अतः सूर्य नमस्कार सम्पूर्ण शरीर का पूर्ण व्यायाम है। इन क्रियाओं को करने के पश्चात् अन्य आसनों को करने की आवश्यकता नहीं रह जाती क्योंकि इन क्रियाओं में सभी आसनों का सार मिला हुआ है। इसलिए शारीरिक एवं मानसिक आरोग्य के लिए सूर्य नमस्कार श्रेयस्कर है।

आदिदेव नमस्तुभ्यं प्रसीद मम भास्कर। दिवाकर नमस्तुभ्यं प्रभाकर नमोऽस्तुते ।।

हे! आदिदेव सूर्यनारायण। सूर्यनारायण ! मैं आपको नमस्कार करता हूँ! है! प्रकाश देने वाले हे! भास्कर, आप प्रसन्न हो ! हे! तेजस्वी दिवाकर देव ! मैं आपको नमस्कार करता हूँ! हे! तेजोमय देव ! मैं आपको नमस्कार करता हूँ !

My Salutations to You O Adideva, Please be gracious to me O Bhaskara, My Salutations to You, O Divakara, and again Salutations to You, O Prabhakara.

*****

अनिल कुमार शर्मा (अध्यापक), अलवर राजस्थान Mob. 9588027845

भविष्य सुखद बनाने के लिए वर्तमान को सुन्दर बनाना ही होगा

रामानंद शर्मा - जिला अध्यक्ष, पश्चिमी दिल्ली सागरपुर

हमारा मन जितनी तेजी और गहराई से हमें नुकसान पहुंचा सकता है, उतना जल्दी और कोई भी नुकसान नहीं पहुंचा सकता है। जिस व्यक्ति का मन हर समय बेकार की बातों, चिंता और उन चीजों के पीछे भागता है, जो हमारे नियंत्रण में नहीं हैं वह व्यक्ति कभी सुखी नहीं रह सकता है। कई बार हम पहले से ही चिंता में डूब जाते हैं कि वर्षा होगी या नहीं होगी, सर्दी ज्यादा होगी या कम होगी। यह सब हमारे वश में नहीं है तो क्यों चिंता करें।

दूसरों के द्वारा अपनाए गए आदर्श और विचार हमारे लिए सही हो, यह आवश्यक नहीं है। इसीलिए दूसरों की चिंता और परवाह किए बिना अपने तर्क, बुद्धि और अंतःकरण से सलाह लेकर अपने आदर्शों का चुनाव करें।

यह प्रकृति अपनी गति से चलती है, इसलिए किसी भी मनुष्य का जीवन कब तक है वह खुद नहीं जानता है। अतः हर पल को जी भर कर जीने का स्तुत्य प्रयास करना चाहिए। जीवन मे छोटी से छोटी घटनाएं भी हमें कुछ न कुछ संदेश और शिक्षा अवश्य ही दे जाती है। एक तरफ वह कबाड़ी है जो हमारे घर से केवल वही चीज लेता है जो उसके काम की होती है, बाकी की चीज तो वह मुफ्त में भी नहीं लेता है और दूसरी तरफ हम हैं कि संसार की हर वस्तु को समेटना चाहते हैं, चाहे वह हमारे काम की हो या नहीं हो, उसे सहेज कर रखना चाहते हैं। यहां तक की अपने श्रम और मेहनत से कमाई हुई संपत्ति से विलासिता के अनेक तरह के अवगुण और दोष भी खरीद लेते हैं। जबकि सुखी जीवन का रहस्य ही यह है कि जीवन में केवल उतना ही अपने पास रखें जिसकी वास्तविक रूप में आवश्यकता हो।

जीवन में खुश रहने के लिए एक बात गांठ बांधकर रखनी चाहिए कि किसी वस्तु, व्यक्ति या सांसारिक मोह मे आसक्ति नहीं रखनी चाहिए। कभी किसी पर क्रोध या किसी से ईर्ष्या नही करनी चाहिए। इस सोच के आत्मसात करने पर हम ईर्ष्या और लोभ जैसी मानसिक गंदगी से भलीभांति बच सकते हैं। ब्रह्मांड बहुत विशाल है और हम उसका केवल एक छोटा सा हिस्सा हैं। इसलिए सब कुछ हमारे अनुसार नहीं हो सकता है। हम अतीत को नहीं बदल सकते हैं और भविष्य भी पूरी तरह से नहीं लिख सकते हैं, लेकिन वर्तमान को सार्थक तो बना ही सकते हैं। आज को सुंदर बनाना ही तो भविष्य को सुखद बनाना होगा।

आध्यात्मिक यात्रा में तो सबसे बड़ी दो परीक्षाएं हैं, पहला सही समय की प्रतीक्षा और दूसरा धैर्य बनाए रखना। आध्यात्म हमे सिखाता है कि कठिन और विकट परिस्थितियों मे दुखी नहीं होना चाहिए और साहस के साथ उनका सामना करना चाहिये। इसी प्रकार धैर्य का अर्थ है, वर्तमान में स्थिर रहना और यह विश्वास रखना कि आज जो छिपा हुआ है वह कल जरूर प्रकट होगा और पुरुषार्थ के हिसाब से भाग्य में जो लिखा हुआ है वह जरूर मिलेगा। इस जीवन में एक बात और निश्चित है कि भगवान अपने भक्तों में कभी भी अभिमान नहीं रहने देते हैं। भक्त व्यक्ति हमेशा नम्र और मृदुभाषी होता है, उसका अपमान हो जाए तब भी वह व्यथित होने की जगह शांत रहता है।

मेरा तो यह मानना है कि जीवन मे कभी कभी कठिन परिस्थितियां आती है तब उनको देखकर विचलित नहीं होना चाहिए बल्कि मन ही मन उन परिस्थितियों का आभार व्यक्त करना चाहिए क्योंकि इनके कारण ही मन मे धैर्य धारण करने की शक्ति मिलती है।

रामचरित मानस मे काकभुशुण्डिजी ने गरुड़जी से कहा है- **सुनहु राम कर सहज सुभाऊ , जन अभिमान न राखहिं काऊ।** इसका अर्थ यह है कि प्रभु श्रीराम का सहज स्वभाव है कि वे अपने भक्तों मे कभी अहंकार नहीं रहने देते हैं।

अभिमान (अहंकार) ही जन्म मरण रूपी संसार (मोह- माया) और सभी दुःखों का कारण है इसलिए कृपालु प्रभु अपने भक्तों के हित के लिए उनके अहंकार को दूर कर देते हैं। इसीलिए जहां तक संभव हो सके अपने स्नेहीजनों और अन्य सभी लोगों के साथ विनम्रता और उदारतापूर्ण व्यवहार करें और उनके साथ सदैव ही अपनापन बनाए रखें। इससे निश्चित रूप से एक व्यक्ति का अभिमान गिरता है और ऐसे भक्त पर ईश्वर की सदैव अनुकम्पा बनी रहती है।

इसलिए इस बात को हमेशा ही याद रखना चाहिए कि हीरा हमेशा दबाव सहकर ही हीरा बनता है। अतः आज जो भी परिस्थितियां हैं, उनका दबाव सहन करने की आदत डालनी चाहिए। क्योंकि हीरा बनने का समय बस आने ही वाला है।

*****

जिस दान के पीछे स्वार्थ की भावना छिपी हो, वह सच्चा दान कभी भी नहीं हो सकता है

इस जीवन में दान की सर्वाधिक महत्ता बताई गई है इसका जीता जागता उदाहरण धन्ना राम जाट की जिंदगी है जिसने अपना सारा अनाज दान कर दिया और खेत में कंकर बोए और भगवान की अनुकम्पा से वह हरी भरी फसल बन गई। इसी प्रकार से भगवान के परम भक्त एक परम संत ने समाज कल्याण के लिए एक मिशन शुरू किया। इस कार्य में उनके शिष्यों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और धन के लिए दानियों को खोजना शुरू कर दिया।

एक दिन शहर के एक विख्यात दानवीर सेठ को उनका एक शिष्य अपने गुरु संत से मिलवाने के लिए लाया। सेठ ने संत से कहा कि आप समाज कल्याण का जो पुनीत कार्य कर रहे हैं, उसमें मैं भी अपना योगदान देना चाहता हूँ। मैं आपके आश्रम के लिए भवन निर्माण करवाना चाहता हूँ भवन निर्माण करवाने के साथ-साथ भवन के प्रत्येक कमरे के आगे मैं अपने परिजनों का नाम लिखवाउंगा। इस कार्य के लिए मैं दान की राशि एवं मेरे परिजनों के नाम की सूची भी संग लाया हूँ। इतना कहकर सेठ ने राशि संत के सामने रख दी।

सन्त बड़ी ही सहज प्रवृत्ति के धनी थे और इस बात से नाराज होकर संत ने अपने शिष्यों को कहा कि यह स्वार्थ से परिपूर्ण सेठ है जिसे दान की अपेक्षा अपने परिवार के सदस्यों के नाम लिखवाने की चिंता पहले है। फिर संत ने अपने शिष्यों क समझाया कि जब तक नि:स्वार्थ भाव से दान नहीं किया जाता है, वह दान स्वीकार्य नहीं होता है। **भगवान श्री कृष्ण ने गीता में सात्विक, राजसी और तामसी तीन प्रकार का दान बतलाया है। इनमें सात्विक दान सर्वश्रेष्ठ बतलाया गया है। जो दान देश काल और जरूरत मंदों को नि:स्वार्थ भाव से दिया जाता है, वह ही सात्विक दान कहलाता है।**

अगर दान के पीछे स्वार्थ या लालच की भावना छिपी हुई हो तो उस दान को सच्चा दान नहीं माना जाता है। लेकिन जब दान अपने नाम की प्रसिद्धि या बदले की उम्मीद में से किया जाता है, ऐसे दान से कभी भी आत्म संतोष, आत्मिक शांति और परमानंद की अनुभूति नहीं होती है। वेदों और शास्त्रों में भी कहा गया है कि नि:स्वार्थ भाव से किया गया दान ही सबसे सर्वश्रेष्ठ और सर्वोत्तम और उत्तम तथा सच्चा दान माना जाता है। जीवन में जो व्यक्ति नि:स्वार्थ भाव, दिखावे से दूर और अहंकार रहित जरूरतमंदों की मदद करता है, तो इससे न केवल समाज का भला होता है, बल्कि उस भामाशाह को स्वयं भी संतोष व आंतरिक शांति की अनूभूति होती है।

दानों में गुप्त दान का भी बड़ा महत्व बताया गया है, क्योंकि गुप्त दान का साक्षी भगवान होता है इसलिए इस तरह के दान से एक दानी पुरुष के भीतर अहंकार की भावना पूरी तरह से तिरोहित हो जाती है। किसी भी मन्दिर, धार्मिक संस्था, वृद्ध-आश्रम या हॉस्पिटल के दानपात्र में बिना नाम लिखे पैसे डालना गुप्त दान कहलाता है। इस दान को सर्वश्रेष्ठ दान इसलिए माना जाता है क्योंक इस दान में दान-दाता को मान-सम्मान, यश, कीर्ति आदि पाने की कोई इच्छा नहीं होती है। मुसीबत के समय किसी की मदद करके भूल जाना ही, असली दान दाता की पहचान होती है। जो इस कार्य को एक प्रकार से उपकार मानता है वह असल में उसे दानी नही कहा जा सकता है। अगर दान करके उसे याद किया तो उस दान का अच्छा फल प्राप्त नहीं हो सकता है। इसलिए इस जन्म में व्यक्ति के पास जो कुछ है, उसका लोभ नहीं रखना चाहिए और जो कुछ पास मे है उसे ट्रस्टी होकर संभाले।

दान, केवल एक सामाजिक कर्तव्य ही नहीं, बल्कि मन को शुद्ध करने और अहंकार को मिटाने का एक आध्यात्मिक साधन भी है। दान हमेशा नि:स्वार्थ भाव से, सही समय, सही जगह और योग्य व्यक्ति को ही दिया जाना चाहिए। कोई भी दान बड़ा नहीं है, बल्कि समय, परिस्थिति और जरूरतमंद की आवश्यकता के अनुसार किया गया दान ही सर्वश्रेष्ठ होता है।

विपुल धन्यवाद।

सूबेदार मेजर बी.के.रामसिंह जांगिड - रेवाड़ी

विश्व हेपेटाइटिस दिवस :
जागरूकता, रोकथाम और स्वस्थ जीवन की दिशा में एक वैश्विक अभियान

"हेपेटाइटिस को जानिए, समय रहते पहचानिए और जीवन को सुरक्षित बनाइए।" प्रतिवर्ष 28 जुलाई को संपूर्ण विश्व में विश्व हेपेटाइटिस दिवस (World Hepatitis Day) मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करना, इसके कारणों, लक्षणों, रोकथाम और उपचार के बारे में जानकारी देना तथा समय पर जांच और टीकाकरण के महत्व को समझाना है। यह दिवस नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक डॉ. बारूक सैमुअल ब्लमबर्ग (Baruch Samuel Blumberg) की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिन्होंने हेपेटाइटिस-बी वायरस की खोज की थी तथा इसके टीके के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। आज हेपेटाइटिस विश्वभर में करोड़ों लोगों को प्रभावित करने वाली एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में इसकी रोकथाम और समय पर उपचार अत्यंत आवश्यक है।

हेपेटाइटिस यकृत (लीवर) में होने वाली सूजन या संक्रमण है। यकृत हमारे शरीर का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है, जो भोजन को पचाने, रक्त को शुद्ध करने, ऊर्जा संग्रह करने तथा विषैले पदार्थों को बाहर निकालने का कार्य करता है। जब किसी वायरस, शराब, विषैले पदार्थों या कुछ दवाओं के कारण लीवर में सूजन उत्पन्न हो जाती है, तो उसे हेपेटाइटिस कहा जाता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार हेपेटाइटिस के कारण हर वर्ष लाखों लोगों की मृत्यु होती है। अनेक बार यह रोग प्रारंभिक अवस्था में बिना किसी लक्षण के विकसित होता रहता है, जिसके कारण व्यक्ति को इसकी जानकारी देर से मिलती है।

मुख्यतः हेपेटाइटिस के पाँच प्रकार होते हैं -

1. हेपेटाइटिस-ए (Hepatitis A) - यह दूषित भोजन या पानी के माध्यम से फैलता है। यह सामान्यतः तीव्र (Acute) संक्रमण होता है और उचित देखभाल से रोगी स्वस्थ हो जाता है।

2. हेपेटाइटिस-बी (Hepatitis B) - यह संक्रमित रक्त, असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई या माता से शिशु में फैल सकता है। यह दीर्घकालिक (Chronic) रोग बन सकता है और लीवर सिरोसिस या कैंसर का कारण बन सकता है।

3. हेपेटाइटिस-सी (Hepatitis C) - यह मुख्यतः संक्रमित रक्त या सुई के माध्यम से फैलता है। आधुनिक दवाओं से इसका सफल उपचार संभव है।

4. हेपेटाइटिस-डी (Hepatitis D) - यह केवल हेपेटाइटिस-बी से संक्रमित व्यक्तियों में ही होता है और रोग को अधिक गंभीर बना देता है।

5. हेपेटाइटिस-ई (Hepatitis E) - यह भी दूषित पानी और अस्वच्छता के कारण फैलता है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह विशेष रूप से खतरनाक हो सकता है।

हेपेटाइटिस के लक्षण - प्रारंभिक अवस्था में कई बार रोगी को कोई विशेष लक्षण दिखाई नहीं देते, लेकिन संक्रमण बढ़ने पर निम्न लक्षण दिखाई दे सकते हैं - **अत्यधिक थकान और कमजोरी। भूख कम लगना। मतली और उल्टी। पेट के दाहिने हिस्से में दर्द। बुखार आना। त्वचा और आंखों का पीला पड़ना (पीलिया)। गहरे रंग का मूत्र। मल का रंग हल्का होना। वजन कम होना।** यदि ये लक्षण लंबे समय तक बने रहें तो तुरंत चिकित्सकीय जांच करवानी चाहिए।

हेपेटाइटिस के फैलने के कारण - हेपेटाइटिस-ए और ई - दूषित भोजन और पानी। खराब स्वच्छता। खुले में शौच। संक्रमित व्यक्ति द्वारा तैयार भोजन। हेपेटाइटिस-बी और सी - संक्रमित रक्त चढ़ाने से। संक्रमित सुई या सिरिंज का उपयोग। असुरक्षित यौन संबंध।संक्रमित मां से नवजात शिशु में। टैटू बनवाते समय अस्वच्छ उपकरणों का प्रयोग। नशीले पदार्थों के लिए साझा सुई का प्रयोग।

भारत में हेपेटाइटिस की स्थिति- भारत में हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी सार्वजनिक स्वास्थ्य की गंभीर समस्या हैं। लाखों लोग इस संक्रमण से प्रभावित हैं, लेकिन उनमें से अनेक को अपने संक्रमण की जानकारी ही नहीं होती। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी,

स्वच्छ पेयजल की अनुपलब्धता, असुरक्षित इंजेक्शन, रक्त जांच की अपर्याप्त व्यवस्था तथा स्वास्थ्य सुविधाओं तक सीमित पहुंच इस समस्या को और गंभीर बनाती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का लक्ष्य वर्ष 2030 तक हेपेटाइटिस को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरे के रूप में समाप्त करना है। भारत भी इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है।

हेपेटाइटिस से होने वाले खतरे - यदि समय पर उपचार न किया जाए तो हेपेटाइटिस कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है -

1. लीवर सिरोसिस (Liver Cirrhosis)। 2. लीवर फेल होना। 3. लीवर कैंसर। 4. पाचन तंत्र संबंधी विकार। 5. समय से पूर्व मृत्यु। इन गंभीर परिणामों से बचने के लिए शीघ्र जांच और उपचार अत्यंत आवश्यक है।

रोकथाम ही सबसे बड़ा उपचार

1. टीकाकरण - हेपेटाइटिस-बी का प्रभावी टीका उपलब्ध है। नवजात शिशुओं को जन्म के 24 घंटे के भीतर हेपेटाइटिस-बी का टीका लगाया जाना चाहिए। हेपेटाइटिस-ए का टीका भी उपलब्ध है।

2. स्वच्छ जल और स्वच्छता - उबला हुआ या शुद्ध पानी पीना। भोजन बनाने से पहले हाथ धोना। खुले में शौच से बचना। भोजन को ढककर रखना।

3. सुरक्षित रक्त संक्रमण - रक्त चढ़ाने से पहले उसकी उचित जांच अनिवार्य है।

4. सुई और सिरिंज का पुनः उपयोग न करें- हमेशा नई और निष्फल (Sterile) सुई का उपयोग करना चाहिए।

5. सुरक्षित जीवनशैली अपनाएं - असुरक्षित यौन संबंधों से बचें। नशीली दवाओं का सेवन न करें। शराब के अत्यधिक सेवन से बचें।

6. नियमित जांच - जो लोग उच्च जोखिम वाले समूह में हैं, उन्हें समय-समय पर जांच करवानी चाहिए।

भारत सरकार की पहल - भारत सरकार ने राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (National Viral Hepatitis Control Programme-NVHCP) प्रारंभ किया है। इसका उद्देश्य है - हेपेटाइटिस-बी और सी की समय पर पहचान। मुफ्त जांच और उपचार की व्यवस्था। जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन। सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराना। टीकाकरण को बढ़ावा देना। इसके अतिरिक्त मिशन इंद्रधनुष के अंतर्गत बच्चों को हेपेटाइटिस-बी सहित अनेक रोगों से बचाव के टीके लगाए जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की भूमिका - विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने वर्ष 2030 तक वायरल हेपेटाइटिस के कारण होने वाली मृत्यु में उल्लेखनीय कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए निम्नलिखित रणनीतियों पर जोर दिया गया है - सार्वभौमिक टीकाकरण। सुरक्षित रक्त संक्रमण। संक्रमण की शीघ्र पहचान। सस्ती और प्रभावी दवाओं की उपलब्धता। जन-जागरूकता अभियान।

समाज और परिवार की भूमिका - हेपेटाइटिस के रोगियों के प्रति भेदभाव नहीं होना चाहिए। यह रोग सामान्य संपर्क, साथ बैठने, भोजन करने या हाथ मिलाने से नहीं फैलता। समाज का दायित्व है कि - रोगियों को मानसिक और सामाजिक सहयोग प्रदान करे। स्वास्थ्य संबंधी भ्रांतियों को दूर करे। स्वच्छता और टीकाकरण के प्रति जागरूकता फैलाए। नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए प्रेरित करे।

युवाओं की जिम्मेदारी - युवा वर्ग समाज में परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। वे निम्न प्रकार से योगदान दे सकते हैं - रक्तदान शिविरों में भाग लेकर सुरक्षित रक्तदान को बढ़ावा देना। सोशल मीडिया और जनसंपर्क माध्यमों से जागरूकता फैलाना। स्वच्छता अभियान में सहयोग करना। नशामुक्त जीवनशैली को अपनाना। टीकाकरण के महत्व को लोगों तक पहुंचाना। 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' की भावना।

हेपेटाइटिस से लड़ाई केवल चिकित्सा विज्ञान की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह समाज, सरकार, चिकित्सकों और प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए स्वच्छता, सुरक्षित जीवनशैली और जागरूकता आवश्यक है।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस हमें यह संदेश देता है कि हेपेटाइटिस एक रोकी जा सकने वाली और कई मामलों में उपचार योग्य बीमारी है, बशर्ते समय पर इसकी पहचान हो जाए। जागरूकता, टीकाकरण, स्वच्छता, सुरक्षित रक्त संक्रमण तथा नियमित जांच के माध्यम से लाखों लोगों का जीवन बचाया जा सकता है।

भारत में बढ़ती स्वास्थ्य सुविधाओं, राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम तथा जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से इस रोग पर नियंत्रण पाया जा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक नागरिक अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे और दूसरों को भी जागरूक करे। ***विश्व हेपेटाइटिस दिवस का मूल संदेश यही है-***

'जांच कराइए, टीकाकरण कराइए, जागरूक बनिए और स्वस्थ भारत के निर्माण में अपना योगदान दीजिए।'

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस :
भारतीय परिप्रेक्ष्य में प्रकृति के संरक्षण का महत्व और हमारी जिम्मेदारी

प्रतिवर्ष 28 जुलाई को विश्वभर में **विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस (World Nature Conservation Day)** मनाया जाता है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को प्राकृतिक संसाधनों, जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित और समृद्ध बनाना है। आज जब जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, वनों की कटाई, जैव विविधता के विनाश, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन जैसी समस्याएँ मानव अस्तित्व के लिए चुनौती बनती जा रही हैं, तब प्रकृति संरक्षण केवल पर्यावरणीय विषय नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन चुका है।

महात्मा गांधी ने कहा है कि "प्रकृति हमारी आवश्यकता को पूरा कर सकती है, लेकिन हमारे लालच को नहीं।"

भारत, जिसे प्राचीन काल से ही प्रकृति-पूजक देश माना जाता रहा है, विश्व के उन देशों में शामिल है जहाँ प्रकृति और संस्कृति का गहरा संबंध रहा है। वेदों, उपनिषदों, पुराणों तथा भारतीय जीवन-दर्शन में पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश को पंचमहाभूत के रूप में पूजनीय माना गया है। इसलिए विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस भारतीय समाज के लिए विशेष महत्व रखता है।

प्रकृति संरक्षण का अर्थ केवल पेड़-पौधों और वन्य जीवों की रक्षा करना नहीं है, बल्कि जल, वायु, मिट्टी, वन, नदियों, पर्वतों तथा जैव विविधता सहित संपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना और उन्हें भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना है। प्रकृति और मानव एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि प्रकृति संतुलित रहेगी, तभी मानव जीवन भी सुरक्षित रहेगा।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस का उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधन असीमित नहीं हैं। यदि उनका अनियंत्रित दोहन जारी रहा, तो भविष्य में जल संकट, खाद्यान्न संकट, जैव विविधता का विनाश और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएँ और भी गंभीर हो जाएँगी। यह दिवस हमें सतत विकास (Sustainable Development) की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश देता है।

वर्तमान समय की प्रमुख पर्यावरणीय चुनौतियाँ:-

1. पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसके कारण अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़, चक्रवात और ग्लेशियरों के पिघलने जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं।

2. औद्योगीकरण, शहरीकरण और कृषि विस्तार के कारण बड़े पैमाने पर जंगल नष्ट हो रहे हैं। इससे वन्य जीवों का प्राकृतिक आवास समाप्त हो रहा है।

3. नदियों, तालाबों और भूजल स्रोतों का अत्यधिक दोहन तथा औद्योगिक अपशिष्टों के कारण जल प्रदूषण गंभीर समस्या बन चुका है।

4. वाहनों, कारखानों और जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से वायु प्रदूषण बढ़ रहा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए घातक है।

5. कई वनस्पतियाँ और जीव-जंतु विलुप्ति के कगार पर पहुँच चुके हैं। जैव विविधता में कमी पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को प्रभावित करती है।

भारत विश्व के 17 मेगा-बायोडायवर्स देशों में शामिल है। हिमालय, पश्चिमी घाट, सुंदरवन, थार मरुस्थल, गंगा-ब्रह्मपुत्र के मैदान और समुद्री तट जैसी विविध भौगोलिक परिस्थितियाँ भारत को जैव विविधता की दृष्टि से समृद्ध बनाती हैं।

भारतीय परंपरा में नदियों को माता, पृथ्वी को देवी और वृक्षों को जीवनदाता माना गया है। पीपल, बरगद, तुलसी, नीम जैसे वृक्षों की पूजा की जाती है। गाय, नाग, हाथी, बंदर आदि पशुओं को धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व प्राप्त है।

ऋग्वेद में प्रकृति के विभिन्न तत्वों की स्तुति की गई है। अथर्ववेद में पृथ्वी को माता और मनुष्य को उसका पुत्र बताया गया है - **"माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः।"** महात्मा गांधी ने भी प्रकृति के संतुलित उपयोग और सादगीपूर्ण जीवन का संदेश दिया था।

भारत के प्रमुख पर्यावरणीय आंदोलन:-

1. चिपको आंदोलन - उत्तराखंड में प्रारंभ हुए इस आंदोलन में ग्रामीण महिलाओं ने वृक्षों को बचाने के लिए उनसे चिपककर वनों की कटाई का विरोध किया। सुंदरलाल बहुगुणा और गौरा देवी इसके प्रमुख प्रेरणास्रोत थे।

2. बिश्नोई समाज का योगदान - राजस्थान के बिश्नोई समाज ने सदियों से वन्य जीवों और पेड़ों की रक्षा को अपना धर्म माना है। वर्ष 1730 में अमृता देवी बिश्नोई और 363 लोगों ने खेजड़ी वृक्षों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया। यह विश्व इतिहास की अनूठी घटना है।

3. नमामि गंगे अभियान - गंगा नदी के संरक्षण और स्वच्छता के लिए भारत सरकार द्वारा यह महत्वपूर्ण अभियान चलाया जा रहा है।

4. स्वच्छ भारत अभियान - स्वच्छता और कचरा प्रबंधन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है।

भारत सरकार द्वारा पर्यावरण को बचाने के लिए बहुत सी योजनाओं को मूर्त रूप से लागू किया गया जिसमे से प्रमुख योजनाएं निम्न लिखित है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (**NCAP**) - वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। मिशन लाइफ (**LiFE – Lifestyle for Environment**) - भारत द्वारा प्रस्तुत यह अभियान पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने पर बल देता है। राष्ट्रीय सौर मिशन - सौर ऊर्जा को बढ़ावा देकर जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रोजेक्ट टाइगर और प्रोजेक्ट एलीफेंट- वन्य जीवों के संरक्षण के लिए ये महत्वपूर्ण योजनाएँ हैं। एक पेड़ माँ के नाम अभियान - वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने की दिशा में यह एक सराहनीय प्रयास है।

प्रकृति संरक्षण में देश का प्रत्येक नागरिक अनेक तरीके अपनाकर इसमे अपना योगदान दे सकता है। हर व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। वर्षा जल संचयन, जल का विवेकपूर्ण उपयोग तथा जल स्रोतों की स्वच्छता पर ध्यान देना चाहिए। एकल उपयोग वाले प्लास्टिक का त्याग करना समय की आवश्यकता है। एलईडी बल्ब, सौर ऊर्जा और ऊर्जा दक्ष उपकरणों का उपयोग बढ़ाना चाहिए। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी और जल प्रदूषित होते हैं। जैविक खेती पर्यावरण के लिए लाभदायक है। गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करके पुनर्चक्रण को बढ़ावा देना चाहिए

युवा पीढ़ी पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा आधार बन सकती है। सोशल मीडिया, शिक्षा और तकनीक के माध्यम से वे जन-जागरूकता फैला सकते हैं। विद्यालयों और महाविद्यालयों में पर्यावरण क्लब, वृक्षारोपण अभियान और स्वच्छता कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को प्रकृति संरक्षण से जोड़ा जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्य (SDGs) भी पर्यावरण संरक्षण पर विशेष बल देते हैं। आर्थिक विकास तभी सार्थक है जब वह प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखे। विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक माना जाना चाहिए।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि पृथ्वी केवल हमारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की भी धरोहर है। यदि प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन जारी रहा, तो मानव जीवन के सामने गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। भारतीय संस्कृति सदैव प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व और संतुलन का संदेश देती रही है। आज आवश्यकता है कि हम अपनी परंपराओं, वैज्ञानिक सोच और आधुनिक तकनीक के समन्वय से प्रकृति संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप दें।

आइए, विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर हम यह संकल्प लें कि-

"प्रकृति की रक्षा करेंगे, जल-जंगल-जमीन को बचाएँगे, प्रदूषण को कम करेंगे और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, हरित और सुरक्षित पृथ्वी का निर्माण करेंगे।"

"प्रकृति बचेगी, तभी संस्कृति बचेगी; पर्यावरण सुरक्षित होगा, तभी मानव जीवन समृद्ध होगा।"

****

नारनौल के मौहल्ला बावड़ीपुर निवासी कृष्णअवतार शर्मा ने 100 से अधिक कृत्रिम घोंसले घर मे टांग कर कंक्रीट के 'जंगल' को पक्षियों के लिए स्वर्ग बनाया

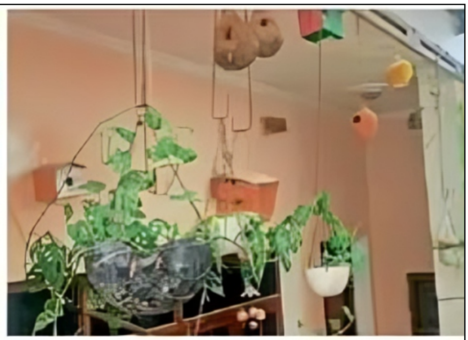

आधुनिकता के बीच जहां इंसानों के कंक्रीट से बने आशियाने बड़े होते जा रहे हैं, वहीं बेजुबान पक्षियों के सिर से कुदरती छत छिनती जा रही है। इस स्थिति में शहर के मोहल्ला बावड़ीपुर से पर्यावरण एवं जीव संरक्षण की एक बेहद प्रेरक तस्वीर सामने आई है। यहां के रहने व्यवसायी कृष्णअवतार शर्मा ने अपने पूरे घर की दीवारों, बरामदों और आंगन में बेजुबान पक्षियों के लिए लगभग 100 से भी अधिक सुरक्षित कृत्रिम घोंसले बनाकर लगाए हुए हैं।

शहरीकरण के कारण जिन गौरैया और अन्य छोटे पक्षियों की चहचहाहट सुनने को कान तरस जाते हैं, वे तमाम पक्षी कृष्णअवतार शर्मा के घर को अपना सबसे सुरक्षित ठिकाना मानते हैं। हर रोज सुबह और शाम होते ही घर में सैकड़ों पक्षियों की गूंजने वाली चहचहाहट से एक अद्भुत और जीवंत माहौल बन जाता है। कृष्ण अवतार बताते हैं कि अब यह चहचहाहट उनके जीवन का अहम हिस्सा बन चुकी है। यदि किसी दिन यह शोर कम हो, तो मन बेचैन हो जाता है।

मिट्टी और लकड़ी से तैयार किए हैं आश्रय स्थल:- कृष्णअवतार शर्मा ने देखा कि घरों में आश्रय स्थल कम हो जाने के बाद विशेषकर गर्मियों के थपेड़ों और कड़ाके की ठंड में ये बेजुबान दम तोड़ देते हैं। इसी पीड़ा को दूर करने के लिए उन्होंने तीन साल पहले अपने घर से एक छोटी सी शुरूआत की थी। धीरे-धीरे उन्होंने अपने पूरे तीन मंजिला घर के चप्पे-चप्पे पर पक्षियों के अनुकूल माहौल तैयार कर दिया। वर्तमान में उनके घर की बाहरी और अंदरूनी दीवारों पर मिट्टी के सकोरे, लकड़ी के विशेष बॉक्स और फाइबर के लगभग 100 से अधिक मजबूत आश्रय स्थल टंगे हुए हैं। इन घोंसलों को इस तरह से डिजाइन और व्यवस्थित किया गया है ताकि बिल्ली या अन्य शिकारी जीवों से पक्षियों के अंडे और बच्चे पूरी तरह सुरक्षित रह सकें।

दाना-पानी और सुरक्षा का विशेष ख्याल:- सिर्फ आश्रय स्थल बनाना ही कृष्ण अवतार का उद्देश्य नहीं है, बल्कि वे इनके भरण-पोषण की जिम्मेदारी भी बखूबी निभाते हैं। उन्होंने घर की छतों और छज्जों पर दर्जनों बर्ड फीडर और पानी के बर्तन लगाए हुए हैं। वे रोजाना सुबह उठकर नियमों के साथ इनमें ताजा पानी भरते हैं और पक्षियों के अनुकूल दाने डालते हैं। भीषण गर्मी के इस दौर में जब तापमान 45 डिग्री के पार पहुंच जाता है, तब यह सुनिश्चित करते हैं कि किसी भी घोंसले के पास पानी की कमी न हो। उनके इस सेवाभाव में उनका पूरा परिवार भी हाथ बंटाता है।

आज की इस भाग दौड़ की जिंदगी मे कृष्ण अवतार का यह प्रयास पूरी मानवता को सीख देता है कि जीव दया ही सबसे बड़ी सेवा है।

बदलाव बड़े कामों से नहीं, एक छोटे से घोंसले से शुरू होता है।
कृत्रिम हो सकता है घर, पर प्यार बिल्कुल असली है।
अगर हम प्रकृति को एक जगह दे दें, तो वो कंक्रीट को भी स्वर्ग बना देती है।

मनीष कुमार - नारनौल

हमारा स्वास्थ्य : बच्चों में मायोपिया (नज़दीक की दृष्टि दोष) : कुप्रभाव और भारत में जारी नवीनतम गाइडलाइंस (2026)

मायोपिया (Myopia) वह स्थिति है जिसमें बच्चे को पास की वस्तुएँ साफ दिखाई देती हैं, जबकि दूर की वस्तुएँ धुंधली दिखाई देती हैं। भारत में पिछले कुछ वर्षों में बच्चों में मायोपिया के मामलों में तेज़ वृद्धि हुई है। विशेषकर कोविड-19 के बाद बढ़े स्क्रीन टाइम और कम बाहरी गतिविधियों को इसका प्रमुख कारण माना जा रहा है।

मायोपिया के कुप्रभाव: दूर की वस्तुओं को देखने में कठिनाई। ब्लैकबोर्ड पढ़ने में परेशानी। खेल-कूद और दैनिक गतिविधियों में बाधा। शैक्षणिक प्रदर्शन पर असर, कक्षा में लिखी सामग्री स्पष्ट न दिखने से पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। आंखों में तनाव और सिरदर्द, लगातार आंखें सिकोड़कर देखने की आदत विकसित हो सकती है।

उच्च मायोपिया (High Myopia) का खतरा:- यदि समय पर नियंत्रण न किया जाए तो आगे चलकर रेटिना संबंधी गंभीर समस्याएँ, ग्लूकोमा और अन्य नेत्र रोगों का जोखिम बढ़ सकता है।

भारत में जारी नवीनतम गाइडलाइंस **(AIOS 2026): All India Ophthalmological Society** द्वारा 2026 में जारी संशोधित दिशानिर्देशों में निम्न प्रमुख बातें कही गई हैं:

1. वार्षिक नेत्र परीक्षण: प्रत्येक बच्चे की वर्ष में कम से कम एक बार आंखों की जांच कराई जाए। स्कूल स्तर पर नियमित विज़न स्क्रीनिंग कार्यक्रम चलाए जाएँ।

2. प्रतिदिन कम से कम 2 घंटे बाहर खेलना: प्राकृतिक प्रकाश में समय बिताने से मायोपिया की शुरुआत और प्रगति दोनों कम हो सकती हैं। बच्चों को प्रतिदिन कम से कम दो घंटे आउटडोर गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

3. स्क्रीन टाइम सीमित करना: मोबाइल, टैबलेट और कंप्यूटर का अनावश्यक उपयोग कम किया जाए। लंबे समय तक लगातार स्क्रीन देखने से बचें।

4. पढ़ाई की सही आदतें: पुस्तक और आंखों के बीच पर्याप्त दूरी रखें। उचित प्रकाश में पढ़ाई करें। लगातार पढ़ने के बीच नियमित विराम लें।

5. प्रारम्भिक पहचान और उपचार: मायोपिया की पहचान होते ही विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सक से परामर्श लें।

आवश्यकता अनुसार चश्मा, विशेष मायोपिया-नियंत्रण लेंस अथवा कम-डोज़ एट्रोपिन उपचार का उपयोग किया जा सकता है।

माता-पिता के लिए सुझाव: बच्चे के टीवी या मोबाइल उपयोग पर निगरानी रखें। प्रतिदिन आउटडोर खेल को प्राथमिकता दें। यदि बच्चा बार-बार आंखें मिचमिचाकर देखता है, टीवी के पास बैठता है या सिरदर्द की शिकायत करता है तो तुरंत नेत्र परीक्षण करवाएँ। परिवार में मायोपिया का इतिहास होने पर विशेष सावधानी रखें।

मायोपिया केवल चश्मा लगने की समस्या नहीं है, बल्कि भविष्य में गंभीर नेत्र रोगों का कारण भी बन सकता है। इसलिए समय पर जांच, सीमित स्क्रीन टाइम, पर्याप्त बाहरी गतिविधियाँ और नियमित नेत्र परीक्षण बच्चों की दृष्टि को सुरक्षित रखने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। भारत की नवीनतम 2026 गाइडलाइंस भी इन्हीं उपायों पर विशेष बल देती हैं।

अतः प्रत्येक माता - पिता को भारत सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस और उपायों का पालन करते हुए अपने बच्चों को इस गंभीर बीमारी से बचाना होगा क्योकि बच्चे केवल उनकी ही संतान नहीं बल्कि इस देश का भविष्य भी है।

****

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
जिला सभा चूरू द्वारा तहसील अध्यक्षों की बैठक सम्पन्न

दिनांक 28 जून, 2026 को अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, जिला सभा चूरू द्वारा जिला अध्यक्ष नीरज रोलीवाल की अध्यक्षता में जिले के समस्त तहसील अध्यक्षों की बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष ने बताया कि हाल ही में प्रदेश सभा राजस्थान द्वारा आयोजित जिला अध्यक्षों की बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुरूप चूरू जिले की सभी तहसीलों के अध्यक्षों की यह बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों में सभी तहसीलों में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किए जाएंगे। साथ ही प्रदेश स्तरीय युवा सेमिनार, प्रदेश स्तरीय उद्योग सम्मेलन, रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण अभियान तथा सदस्यता अभियान को जिलेभर में व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा।

बैठक में श्री विश्वकर्मा मंदिर अध्यक्ष झूमरमल राजोतिया, जिला महामंत्री बुद्धरमल सिलक, जिला कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश राजोतिया, चूरू तहसील अध्यक्ष ओमप्रकाश खोखा, सुजानगढ़ तहसील अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार जांगिड, बिदासर अध्यक्ष प्रतिनिधि श्यामसुंदर राजोतिया, रतनगढ़ तहसील अध्यक्ष बनवारीलाल सिलक, भवानीपुरा तहसील अध्यक्ष चंदनमल माकड़, तारानगर तहसील अध्यक्ष विनोद कुमार जांगिड, डॉ. रामेश्वरलाल जांगिड तथा राजगढ़ तहसील अध्यक्ष सुनील कुमार जांगिड ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर नरोत्तमलाल जांगिड, भंवरलाल सांवलोदिया, हरिकिशन जांगिड, महावीर प्रसाद बरवाडिया, रामचंद्र जांगिड, बैजूराम राजोतिया, उमेद कुमार, बनवारीलाल जांगिड, बजरंगलाल जांगिड, मनीराम मोटियार, कल्पना जांगिड, नेमीचंद जांगिड, बालूराम जांगिड सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक, पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के अंत में सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग एवं सहभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

****

मंदसौर के वरिष्ठ समाजसेवी अशोक झलौया लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली ने समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए महासभा के प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी अशोक झलौया को **'लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड'** से सम्मानित किया। महासभा के पदाधिकारियों ने उनके निवास पहुंचकर अवॉर्ड और स्मृति चिह्न भेंट किया। महासभा के राष्ट्रीय उपप्रधान शिवकुमार शर्मा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री सत्यनारायण शर्मा, जिला अध्यक्ष अनिल तिवारी, पूर्व जिला अध्यक्ष सुधीर शर्मा, शिक्षाविद देवेंद्र अडावदिया, चंद्रपुर ट्रस्ट के सचिव चंद्रशेखर तिवारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने उनका सम्मान किया तथा स्वास्थ्य की जानकारी ली। झलौया ने पत्रकारिता के साथ समाज सेवा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पदाधिकारियों ने उनके योगदान की सराहना करते हुए भविष्य में भी मार्गदर्शन और सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की।

****

ब्लॉक सभा साहुपुरा का भव्य "शपथ ग्रहण समारोह" सफलतापूर्वक संपन्न

महासभा की ब्लॉक सभा साहुपुरा का भव्य शपथ ग्रहण समारोह दिनांक **5 जुलाई, 2026** को नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष जगदीशप्रसाद जांगिड के निज निवास, पन्हेड़ा कलां में अत्यंत गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेशसभा हरियाणा के अध्यक्ष हनुमानप्रसाद जांगिड तथा विशिष्ट अतिथि, जिला सभा फरीदाबाद के अध्यक्ष चरणपाल जांगिड की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर प्रदेश एवं जिला सभा के पदाधिकारी, पूर्व पदाधिकारी, वरिष्ठजन, शिक्षाविद्, बुद्धिजीवी तथा समाज के सैकड़ों गणमान्य बंधुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर आयोजन की शोभा बढ़ाई और सामाजिक एकता की भावना सार्थक किया।

नवनियुक्त अध्यक्ष एवं आयोजन समिति द्वारा सभी अतिथियों का पुष्पमालाओं, पगड़ी एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष एवं उनकी कार्यकारिणी ने भी नवनियुक्त अध्यक्ष एवं अतिथियों का सम्मान कर संगठनात्मक एकता, सौहार्द एवं परस्पर सम्मान का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष जगदीशप्रसाद जांगिड ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए मूलचंद जांगिड को उपाध्यक्ष, तरुण जांगिड को सचिव, हितेश जांगिड को कोषाध्यक्ष, सुंदरलाल जांगिड को सहसचिव, मदनलाल जांगिड को संगठन मंत्री, जयप्रकाश जांगिड को सह-संगठन मंत्री तथा अखिलेश जांगिड को विधिक सलाहकार नियुक्त किया। इसके अतिरिक्त भीम जांगिड, नेपाल जांगिड, मामचंद जांगिड, धर्मवीर जांगिड, किशनपाल जांगिड, गोपाल जांगिड एवं चंदूलाल जांगिड को मार्गदर्शक एवं संरक्षक सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया।

प्रदेश सभा के महामंत्री टेकचंद जांगिड ने मुख्य अतिथि हनुमानप्रसाद जांगिड की गरिमामयी उपस्थिति में नवगठित कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। अपने उद्बोधन में वक्ताओं ने समाज को शिक्षित, संगठित एवं संस्कारित बनाने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं को समाज सेवा से जोड़ने, शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, सामाजिक समरसता बनाए रखने, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के सहयोग, प्रतिभाओं के सम्मान तथा नशामुक्त एवं कुरीतिमुक्त समाज निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

जिला सभा फरीदाबाद के अध्यक्ष चरणपाल जांगिड ने अपने संबोधन में आगामी 20 नवंबर, 2026 को आयोजित होने वाले चतुर्थ सामूहिक विवाह सम्मेलन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में सादगी, समानता, सामाजिक सहयोग एवं आर्थिक बचत का सशक्त अभियान है। उन्होंने प्रत्येक परिवार से सम्मेलन को अपना कार्यक्रम मानकर तन, मन और धन से सहयोग करने का आह्वान किया तथा सुझाव दिया कि अधिक से अधिक योग्य युवक-युवतियों को इस पुनीत अभियान से जोड़ा जाए, जिससे समाज में एकता, सेवा और संस्कार की भावना और अधिक बल मिले।

प्रदेश सभा हरियाणा के अध्यक्ष हनुमान प्रसाद जांगिड ने अपने प्रेरणादायी आशीर्वचनों में कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, अनुशासन और संगठन में निहित होती है। उन्होंने सभी समाज बंधुओं से आपसी मतभेद भुलाकर एक परिवार की भावना से कार्य करने, युवाओं को नेतृत्व के अवसर देने, शिक्षा एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने, समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करने तथा सेवा, समर्पण और संस्कार को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार समाजहित में योगदान देगा, तो जांगिड समाज नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

इस भव्य एवं सफल आयोजन को सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने में मास्टर स्वराज जांगिड (प्रदेश सभा कोषाध्यक्ष) का विशेष योगदान रहा। उनके कुशल मार्गदर्शन में अतिथियों के स्वागत-सत्कार, जलपान एवं भोजन सहित सभी व्यवस्थाएँ अत्यंत उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय रहीं।

समारोह के अंत में नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष जगदीशप्रसाद जांगिड ने सभी अतिथियों, वरिष्ठजनों एवं समाज बंधुओं का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपका स्नेह, आशीर्वाद एवं सहयोग ही नवगठित कार्यकारिणी की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि पूरी कार्यकारिणी समाज के उत्थान, संगठन की मजबूती तथा युवा पीढ़ी को समाज सेवा से जोड़ने के लिए पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करेगी।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं भगवान श्री विश्वकर्मा जी के जयघोष के साथ हुआ।

टेक चन्द जांगिड - महामन्त्री- प्रदेश सभा हरियाणा

अजमेर जिले मे महिला शाखा सभाओं मे शाखा अध्यक्षों के निर्विरोध चुनाव संपन्न

दिनांक 5 जुलाई, 2026 को अजमेर जिला अध्यक्ष रामप्रसाद जांगिड के निर्देशानुसार जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ श्रीमती मंजू शर्मा के सानिध्य में अजमेर से **श्रीमती सीमा शर्मा, किशनगढ़ से श्रीमती फूला देवी, केकड़ी से श्रीमती मोना देवी और पीसांगन से श्रीमती लीला देवी** को निर्विरोध महिला शाखा सभा अध्यक्ष घोषित किया गया। जिला अध्यक्ष रामप्रसाद जांगिड ने निर्वाचित सभी शाखा अध्यक्षों को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

जिला सभा महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती रानू शर्मा, श्रीमती मधु शर्मा, कुमारी मीनाक्षी शर्मा जी, श्रीमती दुर्गा देवी, श्रीमती रतनी देवी और प्रदेश प्रकोष्ठ से श्रीमती इंदु शर्मा, राष्ट्रीय प्रकोष्ठ से श्रीमती तृप्ति शर्मा और श्रीमती प्रीति शर्मा ने चुनाव अधिकारी बनकर अपना काम बहुत ही निपुणता के साथ संपन्न करवाया आप सभी बधाई की पात्र है। समाज मे महिला शक्ति ही जागरूकता और समरसता के लिए एक मजबूत धूरी है।

जय श्री विश्वकर्मा।

मीनू शर्मा – अजमेर

हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

12 जुलाई, 2026 को जमवारामगढ़ तहसील सभा अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में, **मदन लाल डेरोलिया** को तहसील अध्यक्ष चुना गया है।

महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने नवनियुक्त तहसील अध्यक्ष को हार्दिक बधाई देते हुए सफल कार्यकाल की मनस्कामना की है।

हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

28 जून, 2026 को संपन्न हुए गजरात प्रदेश के भावनगर जिले के जिलाध्यक्ष पद पर **राजेश कुमार जांगिड** के निर्विरोध निर्वाचित होने पर आपको और भावनगर के समाज बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएं।

महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष को हार्दिक बधाई देते हुए सफल कार्यकाल की मनस्कामना की है

हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

19 जुलाई, 2026 को गुजरात प्रदेश के बड़ौदा जिले के जिलाध्यक्ष पद **संजय कुमार जांगिड** के निर्विरोध निर्वाचित होने पर बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं।

महासभा प्रधान रामपाल शर्मा और गुजरात प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्रकुमार शर्मा ने निर्विरोध निर्वाचित संजय जांगिड को इस गौरवपूर्ण दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की हैं और विश्वास जताया है कि आपके नेतृत्व में बडौदा जिला सभा संगठन, सेवा और संस्कार की नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी।********

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच में 7 विकेट लेकर भारत को जीत दिलाने वाले मानव सुथार, श्रीगंगानगर लौटे - अद्भुत मानव...

भारतीय क्रिकेट टीम के सर्वश्रेष्ठ बॉलर के स्वागत में उमड़ा शहर

अफगानिस्तान के खिलाफ न्यू चण्डीगढ़ मे क्रिकेट टेस्ट मैच में डेब्यू करते हुए अपने पहले ही मैच में 7 विकेट चटकाकर भारतीय टीम को जीत दिलाने वाले **मानव सुथार** का 30 जून, 2026, को अपने गृह नगर श्रीगंगानगर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।

रेलवे स्टेशन से लेकर गंगा कॉलोनी मे उनके घर पहुंचने तक जगह-जगह लोगों ने मानव का माल्यार्पण कर स्वागत किया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर श्रीगंगानगर का नाम रोशन करने पर बधाई दी।

मानव श्रीगंगानगर रेलवे स्टेशन पर कोटा एक्सप्रेस से सुबह 11 बजे श्रीगंगानगर पहुंचे। इस मौके पर जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारी, परिवारजन, शहर के प्रबुद्धजन, क्रिकेट प्रेमियों ने उन पर पुष्प वर्षा की और ढोल बजाकर स्वागत किया गया। इसके बाद मानव सनरूफ कार में सवार होकर काफिले के साथ विधायक बिहाणी के निवास पहुंचे। यहां भी उनका भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव विनोद सहारण, कोच धीरज शर्मा, एसोसिएशन के पदाधिकारी, बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी उपस्थित रहे।

बिहाणी ऑडिटोरियम हॉल में जिला क्रिकेट संघ एवं सेठ जीएल बिहाणी सनातन धर्म शिक्षा ट्रस्ट की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सुधार का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मानव सुथार की माताजी श्रीमती सुशीलादेवी एवं पिताजी जगदीश सुथार भी मंचासीन रहे। श्रुति बिहाणी व शैक्षिक निदेशक डॉ. कविता चौधरी ने मानव सुथार की माता का स्वागत किया। इस मौके पर जिला क्रिकेट संघ व बिहाणी शिक्षा ट्रस्ट की ओर से नकदी, चांदी से निर्मित

भगवान श्रीराम की प्रतिमा तथा प्रशस्ति-पत्र भेंटकर उनका सम्मान किया। ट्रस्ट के महासचिव हिमांशु बिहाणी ने प्रशस्ति-पत्र का वाचन किया। उन्होंने मानव सुथार को विद्यार्थियों एवं युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

जिला क्रिकेट संघ के सचिव विनोद सहारण ने बताया कि राजस्थान क्रिकेट संघ ने भी मानव को 11 लाख रूपये की सम्मान राशि देने की घोषणा की है। इस मौके पर मानव सुथार को क्रिकेटर के रूप में तराशने वाले कोच धीरज शर्मा का भी विशेष सम्मान किया गया। उन्हें चेक दिया, पगड़ी पहनाई व सम्मान स्वरूप स्मृति-चिह्न भेंट किया गया। उनके योगदान की सराहना की गई।

मानव ने पहले ही दिन 22 ओवर में 33 रन देकर 6 विकेट लिए और इसमें से 10 ओवर मेडन भी रहे। अपने पहले ही टेस्ट मैच में, पहले ही दिन गेंदबाजी की शानदार शुरुआत करते हुए, उसने अमित मिश्रा का पिछले 25 वर्षों का रिकॉर्ड भी तोड़ा है। मानव द्वारा इस टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 10 ओवर बोलिंग की गई जिसमे 2 ओवर मेडन रखकर कुल 29 रन देकर एक विकेट और लिया।

इस तरह से इस टैस्ट मैच में उन्होंने कुल 7 विकेट लेकर टैस्ट इतिहास में भारतीय टीम को रनों के हिसाब से सबसे बड़ी जीत दिलाई। इस मैच को तीसरे दिन में समाप्त करने का श्रेय और सबसे महत्वपूर्ण योगदान मानव सुथार का ही रहा है। मानव ने पहली पारी में ही दो छक्के और 2 चौके लगाए और कुल 41 बाल में 28 रन बनाये।

भारतीय टीम के 319 वे खिलाड़ी बने मानव ने पूछे गए प्रश्नों का बड़ा ही बेबाकी से जवाब दिया उनसे पूछा गया कि:-

Q. टेस्ट क्रिकेट तक पहुंचने का सबसे बड़ा मंत्र क्या है?

A. टेस्ट क्रिकेट तक पहुंचने का कोई शॉर्टकट नहीं होता। इसके लिए लगातार मेहनत, अपनी स्किल पर भरोसा, हर दिन खुद को बेहतर बनाने की सोच जरूरी है। रणजी से लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक, हर स्तर पर खुद को साबित करना पड़ता है। जो खिलाड़ी धैर्य रखता है, सीखना नहीं छोड़ता, वही आगे बढ़ता है।

Q. श्रीगंगानगर के युवा खिलाड़ियों को क्या सलाह देंगे?

A. सबसे पहले अनुशासन को अपनी आदत बनाएं। रोजाना नियमित अभ्यास करें। हर मौके पर अपना 100 प्रतिशत देने की कोशिश करें। छोटी-छोटी चीजों पर मेहनत करें। वही आगे चलकर बड़े अंतर का कारण बनती हैं। सपने बड़े रखें। उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत उससे भी बड़ी होनी चाहिए।

Q. टेस्ट डेब्यू का सबसे यादगार पल कौन-सा रहा?

A. जब मुझे टेस्ट डेब्यू कैप मिली, वह पल मेरे जीवन का सबसे भावुक और गर्व भरा क्षण था। उसके बाद भारतीय टीम की जीत ने उस खुशी को और खास बना दिया। वह एक एहसास ऐसा है, जिसे मैं जिंदगी भर नहीं भूल पाऊंगा।

Q. अपने संघर्ष वाले 17-18 साल के मानव से आज क्या कहेंगे?

A. मैं खुद से यही कहूंगा कि कभी हार मत मानना। मेहनत, लगन, धैर्य, निरंतर अभ्यास ही सफलता की असली कुंजी हैं। मुश्किल समय जरूर आएगा, लेकिन अगर आप लगातार मेहनत करते रहेंगे, तो मंजिल जरूर मिलेगी।

Q. ऐसी कौन-सी बात है, जो लोग आपके बारे में कम जानते हैं?

A.लोग मुझे मुख्य रूप से स्पिन गेंदबाज के रूप में जानते हैं, लेकिन मुझे बल्लेबाजी भी बेहद पसंद है। मेरा सपना सिर्फ गेंद से ही नहीं, बल्ले से भी भारतीय टीम की जीत में अहम योगदान देना है। जब भी मौका मिले, मैं ऑलराउंड प्रदर्शन करके टीम के लिए मैच जिताना चाहता हूँ।

इस अवसर पर मानव सुथार के माता- पिता ने कहा कि 20 मई को जब मानव को भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल किए जाने की खुशखबरी मिली थी, तो हम दोनों अपने खुशी के आंसूओं को रोक नहीं पाए थे। हमने ईश्वर का धन्यवाद किया, कि उसने हमारी वर्षों की साधना का फल मानव की इस सफलता के रूप मे दिया।

महासभा के राष्ट्रीय प्रधान रामपाल शर्मा ने भारतीय क्रिकेट टीम के युवा स्पिनर मानव सुथार को अफगानिस्तान के विरुद्ध टेस्ट मैच में शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 7 विकेट लेकर भारत की ऐतिहासिक विजय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

रामपाल शर्मा ने कहा कि मानव सुथार का यह उत्कृष्ट प्रदर्शन उनके अथक परिश्रम, अनुशासन, प्रतिभा और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने अपनी शानदार गेंदबाज़ी से न केवल भारतीय क्रिकेट का गौरव बढ़ाया है, बल्कि जांगिड समाज का भी नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उनकी यह उपलब्धि देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

महासभा प्रधान ने ईश्वर से प्रार्थना की कि मानव सुथार भविष्य में भी भारतीय टीम के लिए इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नए-नए कीर्तिमान स्थापित करें तथा देश, प्रदेश और समाज का नाम विश्वभर में रोशन करते रहें। उन्होंने मानव सुथार एवं उनके परिजनों को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल, सफल एवं मंगलमय भविष्य की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

गिरधारीलाल जांगिड - श्रीगंगानगर- उप प्रधान - महासभा

महासभा राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ की उपाध्यक्ष श्रीमती उषा बरड़वा ने राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया

जीवन में सफलता उसी को हासिल होती है जो अपने दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास के आधार पर अपनी परिकल्पनाओं को मूर्त रूप देने का भरसक प्रयास करते हैं। कोटा की रहने वाली और महासभा की महिला प्रकोष्ठ की उपाध्यक्ष **श्रीमती उषा बरड़वा** ने 60 वर्ष की आयु अपने सपनों को मूर्त करके दिखलाया है। श्रीमती बरडवा ने अपने बुलंद हौसलों और आत्मविश्वास के साथ गोवा में 30 और 31 मई को आयोजित तीसरी राष्ट्रीय महिला मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण पदक और एक कांस्य पदक हासिल किया है।

मास्टर्स एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा इस तीसरी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जहां पर देश के विभिन्न प्रांतों से आए सैकड़ों प्रतिभागियों ने भाग लिया था। इस राष्ट्रीय महिला मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में श्रीमती उषा बरड़वा ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए 60 वर्ष की आयु से अधिक खिलाड़ियों की 5000 मीटर की दौड़ में पहला स्थान हासिल करके स्वर्ण पदक हासिल किया। उनकी संतुष्टि इस एक स्वर्ण पदक से नहीं हुई और उन्होंने 800 मीटर की दौड़ में भी हिस्सा लिया और इस प्रतियोगिता में भी निराश नहीं किया और तृतीय स्थान हासिल करके कांस्य पदक अपनी झोली में डालने का काम किया है। इस प्रकार दौड़ की इस प्रतियोगिता में दो पदक अपने नाम करके समाज का और राजस्थान प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है।

उल्लेखनीय है कि श्रीमती उषा बरड़वा ने इससे पहले भी अनेक दौड़ प्रतियोगिताओं में राज्य और जिला स्तर पर भी अनेक पुरस्कार हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे मेरे जीवन साथी आनंद बरड़वा ने बहुत अधिक प्रेरित किया है और मुझे यह प्रेरणा उन लोगों से भी मिली है, जो अपना जीवन स्तर ऊपर उठने के बाद योग और व्यायाम के अभाव में बीमारियों को गले लगा रहे हैं। श्रीमती उषा बरड़वा ने समाज के वरिष्ठ नागरिकों को सेहत का मूल मंत्र बताते हुए कहा कि व्यायाम, प्राणायाम, योग और खेल ही शरीर को स्वस्थ रखने और साथ ही अनेक बीमारियों से भी शरीर को बचाने का कार्य करते हैं। उन्होंने बताया कि मेरी बेटी भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी विपुल जांगिड की धर्मपत्नी है और आजकल विपुल जांगिड की पोस्टिंग जयपुर में है।

महासभा प्रधान रामपाल शर्मा और महासभा की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती सविता शर्मा ने उषा बरड़वा द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर एक स्वर्ण पदक और एक कांस्य पदक हासिल करने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित करने के साथ ही कहा कि आपने बहुआयामी प्रतिभा का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि खेल कोई भी हो, उसमें ध्यान लगाकर और आत्मविश्वास के साथ खेलने से उसमे और अधिक सफलता के अवसर बढ़ जाते हैं। हमारी मनस्कामना है कि वह, भविष्य में भी इसी प्रकार से अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय देते हुए जांगिड समाज का नाम गौरवान्वित करती रहेगी।

सविता शर्मा - राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष - महासभा

महासभा की अजमेर महिला प्रकोष्ट की अध्यक्षा श्रीमती शोभा शर्मा ने 70 वर्ष की आयु में नए कीर्तिमान स्थापित किए

उम्र की लाचारी बुलंद हौसलों के सामने कोई मायने नहीं रखती है। कुछ करने का जज्बा और स्वयं के आत्म विश्वास से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। इसका उदाहरण प्रस्तुत किया है, **श्रीमती शोभा शर्मा** ने। महासभा के महिला प्रकोष्ट अजमेर की अध्यक्षा श्रीमती शोभा शर्मा ने 7वे नेशनल मास्टर्स एथेलेटिक्स चेम्पियनशिप 2026 मे महिलाओं के 100 मीटर रेस में और 200 मीटर रेस में कांस्य पदक विजेता रह कर इस उम्र मे एक मिसाल कायम की है।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय प्रधान श्री रामपाल शर्मा ने श्रीमती शोभा शर्मा को 100 मीटर एवं 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्रीमती शोभा शर्मा भविष्य में भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित करेंगी तथा समाज और देश का नाम गौरवान्वित करेंगी।

महासभा परिवार ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य, उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर सफलता की कामना करता है तथा आशा व्यक्त करता है कि उनकी यह उपलब्धि समाज की बेटियों एवं महिलाओं को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

मीनू शर्मा – अजमेर

आमेर (जयपुर) से गाँव रायथल की बेटी डॉ. पूजा जांगिड ने एमबीबीएस उत्तीर्ण कर बढ़ाया समाज का मान

आमेर (जयपुर)। आमेर तहसील के ग्राम रायथल की होनहार छात्रा **डॉ. पूजा जांगिड** ने जून 2026 में श्रीमंत राजमाता सिंधिया मेडिकल कॉलेज, शिवपुरी से एमबीबीएस की परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने परिवार, गांव तथा जांगिड समाज का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता पर क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों और गणमान्य नागरिकों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

डॉ. पूजा जांगिड एक साधारण परिवार से हैं। उनके पिता ओमप्रकाश जांगिड एवं माता श्रीमती कांता जांगिड हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद परिवार ने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। पूजा प्रारंभ से ही मेधावी एवं अनुशासित छात्रा रही हैं। उन्होंने वर्ष 2018 में माध्यमिक (10वीं) तथा वर्ष 2020 में उच्च माध्यमिक (12वीं) परीक्षा उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्होंने मेडिकल शिक्षा में प्रवेश प्राप्त कर निरंतर परिश्रम के बल पर एमबीबीएस की डिग्री हासिल की।

परिवार में उनके तीन भाई हैं। एक भाई ने एम.कॉम. तथा दो भाइयों ने बी.कॉम. की शिक्षा प्राप्त की है। वर्तमान में डॉ. पूजा एस.आर.एस. मेडिकल कॉलेज, शिवपुरी में इंटर्नशिप कर रही हैं। साथ ही वे नीट-पीजी की तैयारी कर रही हैं। उनका लक्ष्य रेडियोलॉजी अथवा डर्मेटोलॉजी विषय में विशेषज्ञता प्राप्त कर समाज को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय प्रधान श्री रामपाल शर्मा ने डॉ. पूजा जांगिड को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उन्होंने कहा कि समाज की बेटियां शिक्षा और चिकित्सा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निरंतर नई उपलब्धियां हासिल कर समाज का गौरव बढ़ा रही हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. पूजा भविष्य में एक सफल विशेषज्ञ चिकित्सक बनकर मानव सेवा के साथ-साथ जांगिड समाज और देश का नाम भी रोशन करेंगी।

प्रहलादराय जांगिड – पूर्व प्रदेशअध्यक्ष – महाराष्ट्र

राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में समर्थ जांगिड ने जीता रजत पदक, गाज़ियाबाद व जांगिड समाज का बढ़ाया मान

नई दिल्ली के प्रतिष्ठित तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में 18 जुलाई 2026 को कराटे फेडरेशन के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की कराटे चैंपियनशिप-2026 का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन एवं खेल भावना का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में सोफिया पब्लिक जूनियर हाई स्कूल, साहिबाबाद (गाज़ियाबाद) के कक्षा 9 के छात्र **समर्थ जांगिड** ने अंडर-14 (50 किलोग्राम वर्ग) में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक (Silver Medal) अर्जित किया। यह उपलब्धि उनके कठोर परिश्रम, नियमित अभ्यास, दृढ़ संकल्प और अटूट आत्मविश्वास का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि इस परिवार से पहले भी जूडो और कराटे मे राष्ट्रीय स्तर के दो खिलाड़ी रह चुके है।

समर्थ जांगिड ने अपनी इस उल्लेखनीय सफलता से न केवल गाज़ियाबाद, बल्कि जांगिड समाज का भी राष्ट्रीय स्तर पर गौरव बढ़ाया। उन्होंने अपने पिता राहुल कुमार विश्वकर्मा, दादा जय भगवान शर्मा तथा अपने पूरे परिवार का मान बढ़ाया। उनकी इस सफलता से विद्यालय परिवार, परिजन, मित्रों एवं शुभचिंतकों में हर्ष और गर्व का वातावरण है।

महासभा प्रधान ने हार्दिक बधाई और शुभकामना प्रेषित करते हुए कहा कि समर्थ की यह उपलब्धि युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। यह सिद्ध करती है कि लगन, अनुशासन, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास के बल पर हर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि समर्थ भविष्य में भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश, प्रदेश और समाज का नाम निरंतर रोशन करता रहेगा।

अशोक कुमार शर्मा- प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश

धनस्वी शर्मा ने राष्ट्रीय पेंचक सिलाट प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया।

जीवन में संघर्ष और साहस के साथ अपनी प्रतिभा और दक्षता के बल पर 14 वर्ष की आयु में ही जांगिड समाज की एक होनहार बेटी नरेला की रहने वाली **धनस्वी शर्मा** ने यह सिद्ध करके दिखलाया है कि अपने दृढ़ संकल्प और पुरुषार्थ के बल पर कोई भी दुष्कर से दुष्कर उपलब्धि भी हासिल की जा सकती है। हाल ही में महाराष्ट्र के नासिक में हुई 14 वीं राष्ट्रीय जुनियर एंव प्री जुनियर राष्ट्रीय पेंचक सिलाट चैम्पियनशिप 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जूनियर बालिका अंडर, 55 किलोग्राम फाईटिंग वर्ग में, स्वर्ण पदक जीतकर न केवल जांगिड समाज का, अपितु दिल्ली प्रदेश का भी गौरव बढ़ाया है। इसके साथ धनस्वी शर्मा ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए फाइनल मे राष्ट्रीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के आधार पर उन्हें इस प्रतियोगिता का प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ फीमेल एथलिट का सम्मान भी प्रदान किया गया, जो पूरे देश की महिला खिलाडियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली महिला को ही दिया जाता है। सन् 2024 में दुबई आबूधाबी में विश्व जूनियर वर्ल्ड पेंचक सिलाट चैंपियनशिप प्रतियोगिता मे भी धनस्वी ने स्वर्ण पदक हासिल किया था। इसके पश्चात नेपाल में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय पेंचक सिलाट चैम्पियनशिप में भी भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया था। धनस्वी शर्मा के पिता ने बताया कि धनस्वी की रुचि बचपन से ही इस खेल में रही है और इसने 14 वर्ष की आयु में राष्ट्रीय स्तर पर समाज और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का गौरव बढ़ाया है।

अंगिरा भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर के पूर्व अध्यक्ष और समाज सेवी, हरीदत्त शर्मा धनस्वी के दादाजी ने बताया कि धनस्वी की सफलता के पीछे जहां माता पिता का हाथ है वहीं पर गोल्डन टू फाईटर एकडेमी नरेला और इसके कोच पूजा और चिराग का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने धनस्वी शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि धनस्वी की उपलब्धि इस बात का परिचायक है कि यदि दृढ़ संकल्प, अनुशासन और संयम के साथ निरन्तर परिश्रम किया जाए तो अल्पायु में भी विश्व स्तर पर भारत का तिरंगा फहराया जा सकता है। उन्होंने उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की। मैं धनस्वी को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

जगदीश शर्मा - सेवा निवृत्त प्रिंसिपल

रालेगांव, जिला यवतमाल के सुमित जांगिड चार्टर्ड अकाउंटेंट बने।

अपने दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और संकल्प के अटूट सहयोग से ही सपनों को साकार किया जा सकता है, इसका प्रेरणादायक उदाहरण हैं, **सुमित सुरेंद्र जांगिड**, जिन्होंने मई, 2026 में चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की प्रतिष्ठित परीक्षा उत्तीर्ण करके अपने परिवार एवं समाज का नाम गौरवान्वित किया है।

सुमित का जन्म 15 अप्रैल, 2003 को जयपुर,राजस्थान में, माता श्रीमती रामू सुरेंद्र जांगिड और पिता सुरेंद्र सुंदरलाल जांगिड के घर हुआ। लेकिन उनका पालन-पोषण रालेगांव, जिला यवतमाल , महाराष्ट्र में हुआ। उनके पिता ठेकेदारी के साथ-साथ फर्नीचर एवं ग्लास का व्यवसाय भी करते हैं। जबकि इनका पैतृक गांव और मूलनिवास, राजस्थान के कोटड़ी धायलान (रींगस), जिला सीकर में पड़ता है। सुमित ने न्यू इंग्लिश हाई स्कूल, रालेगांव से दसवीं तथा जवाहरलाल नेहरू जूनियर कॉलेज से 12 वीं कक्षा की परीक्षा पास की। सुमित ने कहा कि मैंने कोविड के दौरान चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का सपना देखा और इसको मूर्त रूप देने के लिए उन्होंने, वर्ष 2021 में चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने की यात्रा का श्रीगणेश किया।

सुमित जांगिड ने बताया कि तीन वर्ष तक उन्होंने आर्टिकलशिप के लिए मुंबई में रहकर तैयारी करते हुए प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने रालेगांव लौटकर, सीए फाइनल की तैयारी की और मई 2026 में अपने दूसरे प्रयास में, सीए फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण कर सफलता प्राप्त की। इस प्रकार वर्ष 2021 में शुरू हुआ उनका सीए बनने का सफर वर्ष 2026 में सफलतापूर्वक पूरा हुआ।

सुमित ने कहा कि इस सफर में सबसे अधिक योगदान मेरे माता-पिता का रहा है, जिन्होंने मुझे निरन्तर प्रोत्साहित किया । उनका मानना है कि परिवार के समर्थन ने ही उन्हें कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने का आत्मविश्वास दिया। महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, सुमित जांगिड को चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने बधाई देते हुए कहा कि सुमित की यह उपलब्धि उन युवाओं के लिए एक प्रेरणा है जो असफल होने के बाद अपना लक्ष्य और रास्ता ही बदल लेते हैं। उन्होंने कहा कि मेहनत और परिवार का संगम मिलकर ही सफलता की बुनियाद रखते हैं। उन्होंने सुमित जांगिड के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की है। विपुल धन्यवाद ..

****

सुभाषचंद्र जांगिड – यवतमाल

हार्दिक बधाई और शुभकामना

नीमच की रहने वाली **कुमारी साक्षी शर्मा सुपुत्री दिनेश शर्मा** ने अपनी मेहनत,लगन, परिश्रम, आत्मविश्वास और अपने माता पिता के आशीर्वाद से दिनांक 18 जून, 2026 को घोषित चार्टर्ड अकांउटेंट की परीक्षा, उत्कृष्ट अंको के साथ पास कर अपने परिवार और समाज का नाम रोशन किया है।

महासभा राष्ट्रीय प्रधान रामपाल शर्मा ने कु. साक्षी शर्मा को चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण करने पर साक्षी शर्मा और उसके माता-पिता एवं समस्त परिवार को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके सुखद एवं सफल भविष्य के लिए मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं।

उन्होने विश्वास व्यक्त किया कि कु. साक्षी अपने ज्ञान, ईमानदारी एवं कार्यकुशलता के बल पर चार्टर्ड अकाउंटेंसी के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करेंगी तथा समाज और राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

****

गाँव गढ़ टकनेत जिला सीकर (राजस्थान) की रहने वाली **कुमारी गुंजन जांगिड सुपुत्री सुशील कुमार एवं सुनीता जांगिड और भैरूराम जांगिड की सुपौत्री** ने अपनी मेहनत, लगन, परिश्रम, आत्मविश्वास और अपने माता पिता के आशीर्वाद से नीट 2026 परीक्षा मे 99.46 पर्सेंटाइल के साथ ओबीसी कोटे मे 4802वीं रेंक हासिल कर मेडिकल कोर्स मे दाखिला पक्का कर, अपने परिवार और समाज का नाम रोशन किया है। गुंजन के ताऊजी ताराचन्द जांगिड (कार्यकारी अध्यक्ष- महाराष्ट्र प्रदेश सभा) ने बताया कि गुंजन पढ़ाई मे शुरू से ही बहुत होशियार और मेहनती रही है।

महासभा राष्ट्रीय प्रधान रामपाल शर्मा ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने पर कुमारी गुंजन जांगिड, उसके माता-पिता एवं समस्त परिवार को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए गुंजन के सुखद एवं सफल भविष्य के लिए मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं है। *********

महाराष्ट्र के चिखली निवासी, वत्सल शर्मा ने एम.बी.बी.एस.की परीक्षा में स्वर्ण पदक हासिल किया

महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के चिखली कस्बे के रहने वाले **वत्सल शर्मा** ने जून, 2026 में शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय नागपुर (Govt. Medical College Nagpur) से एम.बी.बी.एस. की पढ़ाई सफलतापूर्वक पूर्ण करके स्वर्ण पदक हासिल किया है। वत्सल ने अपनी सतत मेहनत, निरन्तर प्रयास, स्पष्ट लक्ष्य और आत्मविश्वास से इस परीक्षा में स्वर्ण पदक हासिल करके अपनी बहुआयामी प्रतिभा का परिचय दिया है।

मूल रूप से राजस्थान के सीकर जिले के दातारामगढ़ के रहने वाले जयन्त रामविलास जांगिड एवं श्रीमती मनीषा जांगिड के घर 1 दिसम्बर 2001 को, वत्सल शर्मा और वरुण शर्मा दोनों जुड़वां भाइयों का जन्म हुआ और इन दोनों भाइयों का आचरण और व्यवहार लगभग एक जैसा ही रहा है। दोनों भाइयों ने एक साथ ही अन्य परीक्षाओं के साथ ही एम.बी. बी.एस. की परीक्षा भी पास की है। जहां तक वत्सल शर्मा का प्रश्न है, उन्होंने सन् 2021 में नीट की परीक्षा उत्तीर्ण की और मेरिट के आधार पर इनका दाखिला नागपुर के वैद्यकीय महाविद्यालय में हो गया। इनके जुड़वां भाई वरुण शर्मा भी हैदराबाद के के.आई.एम.एस. मेडीकल कालेज से एम.बी.बी.एस.की अन्तिम वर्ष की पढ़ाई कर रहे हैं। वत्सल शर्मा की प्रारम्भिक शिक्षा आदर्श इंग्लिश स्कूल चिखली से पूर्ण हुई और उन्होंने सन् 2020 में 12वीं कक्षा में 88 प्रतिशत अंक हासिल करके अपनी बहुआयामी प्रतिभा का परिचय देते हुए उत्तीर्ण की थी।

वत्सल ने कहा कि उनका लक्ष्य भविष्य में मास्टर आफ सर्जरी करने का हैं। इसके साथ ही भारतीय प्रशासनिक सेवा मे अधिकारी बनकर देश की सेवा करना चाहता हूँ।

महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने वत्सल शर्मा को एम.बी.बी.एस. परीक्षा में स्वर्ण पदक हासिल होने पर बधाई देते हुए कहा कि वत्सल शर्मा ने अपनी प्रतिभा और दक्षता के आधार पर स्वर्ण पदक हासिल करके केवल अपने परिवार का ही नहीं बल्कि समाज और महाराष्ट्र प्रदेश का नाम भी गौरवान्वित किया है। उनकी इस सफलता पर मैं उसे बधाई देता हूँ और उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

विजय जांगिड- खामगांव- जिला बुलढाणा (महाराष्ट्र)

असीम प्रतिभा के धनी नमन जांगिड ने आई.आई. टी, दिल्ली में कम्प्यूटर साइंस में दाखिला लिया

1 जून, 2026 को घोषित JEE Advanced में अपनी अद्वितीय मेधा का परचम लहराते हुए, हांसी हरियाणा के **नमन जांगिड** ने ऑल इंडिया में 406 वीं रैंक और JEE Mains में 99.939% परसेंटाइल के साथ ऑल इंडिया में 1061वीं रैंक हासिल कर भारतीय प्राद्योगिकी संस्थान, दिल्ली मे दाखिला लेने मे सफलता हासिल की है।

नमन ने बताया कि उसकी सफलता के पीछे उसके दादा- दादी, माता-पिता द्वारा दिए गए बेहतरीन संस्कार और गुरुजनों के मार्ग दर्शन का अनुकरणीय योगदान रहा है।

नमन के पिता अनिल जांगिड जो एक राष्ट्र निर्माता अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, कि नमन की यह सफलता महज एक संयोग नहीं है, बल्कि उनकी वर्षों की अटूट साधना, तपस्या, अनुशासन और एकाग्रता का परिणाम है।

उनकी माँ श्रीमती मंजू देवी जांगिड ने कहा, कि नमन का बचपन से लेकर शिखर तक का सफर उसकी मेहनत और लगन के कारण बड़ा ही उत्साह वर्धक रहा है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने नमन जांगिड को बधाई देते हुए कहा, कि दिल्ली की प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान से शिक्षा ग्रहण करके वह अपनी विद्वत्ता, साधना तथा एकाग्रता का परिचय देते हुए, न केवल समाज का अपितु तकनीकी जगत में भी नए आयाम स्थापित करते हुए नाम गौरवान्वित करेंगे। नमन की इस स्वर्णिम उपलब्धि पर मैं महासभा रुपी परिवार की तरफ से उनके माता-पिता को हृदय के अन्तःकरण से बधाई देता हूँ।

तेलूराम जांगिड, हांसी (हरियाणा)- पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य

गांव अड़वड़, जिला नागौर की बेटी मनीषा जांगिड नवोदय मेडिकल कॉलेज, रायचूर से एम.बी.बी.एस. अंतिम वर्ष की परीक्षा पास कर डॉक्टर बनी

मनीषा जांगिड ने 19 जून, 2026 को घोषित किए गए परिणाम में एम.बी.बी.एस. अंतिम वर्ष की परीक्षा पास करके जांगिड समाज और अपने प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। मनीषा जांगिड की यह उपलब्धि उसके कठिन परिश्रम, समर्पण, दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास का परिणाम है।

मनीषा का जन्म गांव अड़वड़, जिला नागौर में माता श्रीमती कंचन देवी जांगिड और पिता भींवराज जांगिड के घर हुआ। मनीषा के पिताजी ने बताया कि वह पढ़ाई में हमेशा ही बेहतर अंक हासिल करके पास होती रही है और नीट (NEET) के माध्यम से सन् 2021 में नवोदय मैडीकल कालेज, रायचूर कर्नाटक में दाखिला मिलने के बाद लगातार पढ़ाई करते हुए, 19 जून, 2026 को एम.बी.बी.एस. अंतिम वर्ष की परीक्षा पास कर मनीषा ने सफलता का परचम लहराया है।

मनीषा जांगिड ने बताया कि वह भविष्य में केन्द्रीय लोक सेवा आयोग की तैयारी करने के साथ साथ एम.डी. भी करना चाहती है और इसके लिए उसने अपनी नीट की परीक्षा (NEET-PG) की तैयारी करनी भी शुरू कर दी है। उसने कहा कि कोई भी परीक्षा कठिन नहीं होती है, लेकिन किसी भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए निरंतर परिश्रम और लग्न के साथ कुछ त्याग भी करना पड़ता है।

महासभा प्रधान रामपाल शर्मा बधाई देते हुए कहा कि मनीषा जांगिड ने अपने जीवन में मानवता की सेवा करने का लक्ष्य निर्धारित करके ही डॉक्टर बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि मनीषा जांगिड भविष्य में एम.डी. की डिग्री और भारतीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा पास कर अपने अथक परिश्रम और लगन के माध्यम से अपने दोनों ही लक्ष्य हासिल करने मे अवश्य ही सफल होगी।

मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

मिश्रीलाल विश्वकर्मा - पुणे

पुरोहितों की ढाणी का गौरव:
एक ही परिवार के तीन भाई-बहनों ने रचा सफलता का नया इतिहास

राजस्थान के झुंझुनूं जिले के गाँव पुरोहितों की ढाणी (नवलगढ़) का जांगिड परिवार इन दिनों पूरे क्षेत्र और समाज के लिए प्रेरणा का केंद्र बना हुआ है। माता- पिता, श्रीमती कमला देवी जांगिड और स्वर्गीय अरविन्द कुमार जांगिड के तीन बेटे-बेटियों ने देश की प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं JEE Advanced और NEET में शानदार सफलता हासिल कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे जांगिड समाज का मान बढ़ाया है। परिवार के बेटे **शुभम जांगिड** ने JEE Advanced में ऑल इंडिया रैंक (AIR) 652 प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। शुभम को देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी, दिल्ली में कंप्यूटर साइंस (Computer Science) शाखा में प्रवेश मिला है। वहीं उनकी बहिन **स्वाति जांगिड** ने JEE Advanced में AIR 10782 हासिल कर सफलता का परचम लहराया है। स्वाति को आईआईटी, मुंबई में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग (Aerospace Engineering) शाखा में प्रवेश मिला है। परिवार की तीसरी प्रतिभाशाली बेटी **अनामिका जांगिड** ने NEET-2026 में ऑल इंडिया रैंक 8010 प्राप्त कर चिकित्सा क्षेत्र में अपनी मजबूत दावेदारी दर्ज कराई है। इन तीनों बहिन-भाईयों की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि मेहनत, लगन, आत्मविश्वास और अनुशासन से कुछ भी हासिल किया जा सकता है।

महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने इन तीनों होनहार बच्चों और उनके माता पिता तथा परिवार को हार्दिक बधाई और शुभकामना देते हुए कहा है कि ऐसे ही कोहिनूर हमारे समाज को प्रौद्योगिकी और चिकित्सा के क्षेत्र मे अग्रणी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं इनके माता-पिता को हृदय की गहराइयों से धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने ऐसे होनहारों को जन्म दिया।

****

वर्तमान प्रधान के कार्यकाल में बने हुए एक लाख रुपये के प्लेटिनम सदस्य

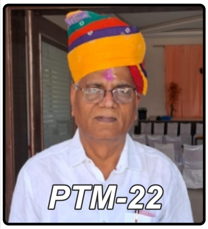

श्री सांवरमल जांगिड, सीकर

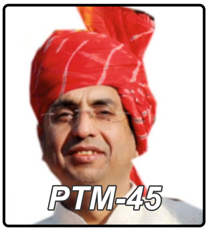

श्री सत्यनारायण शर्मा, दिल्ली

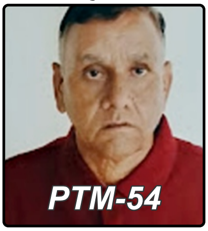

श्री गजानन जांगिड, जालना

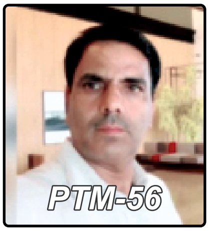

श्री घनश्याम जांगिड, बैंगलुरू

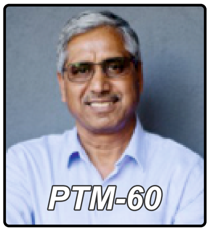

श्री रमेश शर्मा, बैंगलुरू

श्री बाबू लाल, बैंगलुरू

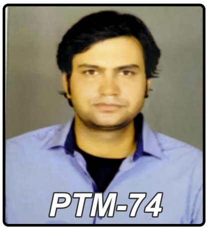

श्री अमित कुमार शर्मा, जयपुर

श्री नरेश चन्द्र शर्मा, बैंगलुरू

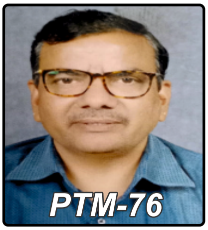

श्री भीमराज शर्मा, जयपुर

श्री रवि जांगिड, बैंगलुरू

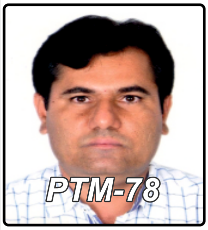

श्री भंवरलाल सुथार, गोवा

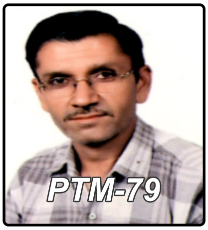

श्री रामनिवास शर्मा, भिलाई

श्री शुभम शर्मा, कोरबा

श्री नानूराम जांगिड, धुलिया

श्री प्रहलाद शर्मा, जयपुर

श्री रीछपाल शर्मा, बिलासपुर, छ.ग.

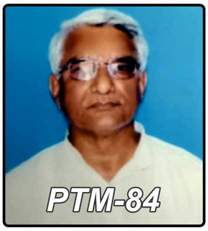

श्री धर्मचन्द शर्मा, बस्तर

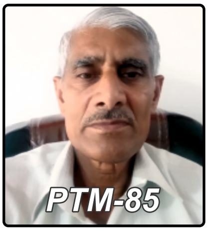

श्री राधेश्याम जांगिड, रेनवाल

श्री कन्हैया लाल खाती, अजमेर

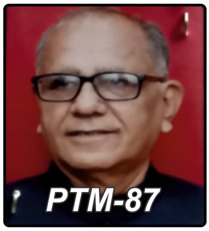

श्री कन्हैया लाल सिलक, अजमेर

श्री अनिल शर्मा, इन्दौर

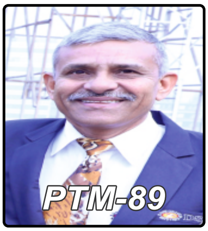

श्री धन सिंह जांगिड, फरीदाबाद

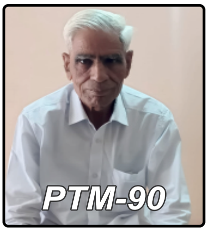

श्री लालचन्द जांगिड, नारनौल

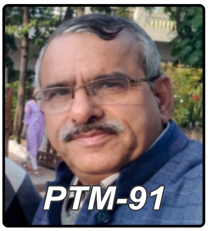

श्री रोहिताश जांगिड, औरंगाबाद

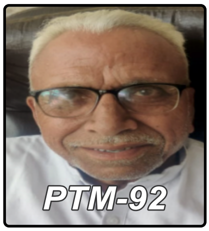

श्री सांवरमल जांगिड, बांसवाडा

वर्तमान प्रधान के कार्यकाल में बने हुए एक लाख रुपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री महावीर प्रसाद जांगिड,अहमदाबाद

श्री शंकरलाल जांगिड, जयपुर

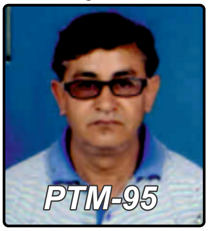

श्री संजय शर्मा, चित्तौड़गढ़

श्री जगतराम भद्रेचा, बैंगलुरु

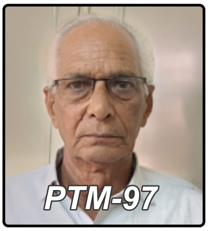

श्री पुरुषोत्तम लाल जांगिड, जयपुर

श्री अनिल शर्मा, चंडीगढ़

श्री लक्ष्मीनारायण जांगिड, गुरूग्राम

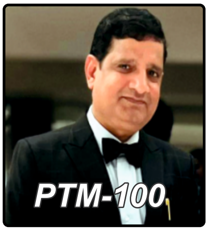

श्री नेमीचन्द जांगिड, सूरत

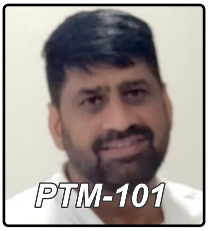

श्री चिरंजीलाल जांगिड, इन्दौर

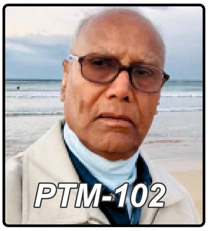

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, सूरत

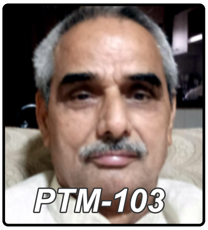

श्री सत्यपाल वत्स, बहादुरगढ़

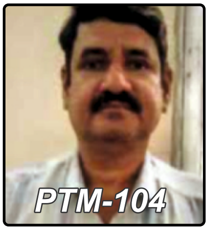

श्री सोमदत्त शर्मा, लखनऊ

श्री ओम प्रकाश जांगिड, दिल्ली

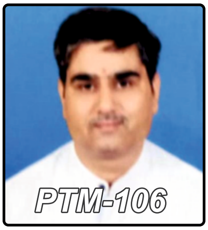

श्री अनिल शर्मा, तेलंगाना

श्री मुकेश जांगिड, तेलंगाना

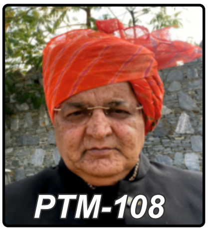

श्री भंवरलाल जांगिड, सूरत

श्री जगदीश खण्डेलवाल, दिल्ली

श्री भंवरलाल शर्मा, पाली,राज0

श्री प्रहलाद चन्द शर्मा, बेंगलुरू

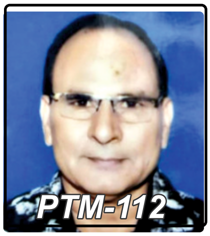

श्री नानूराम जांगिड, हिंगोली

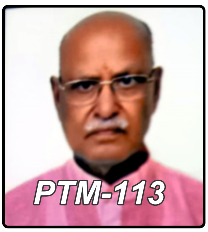

श्री रामानन्द शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

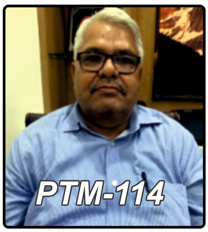

श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली

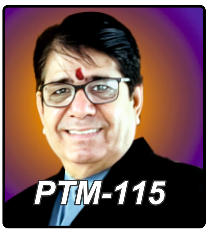

श्री कैलाश जांगिड, सूरत

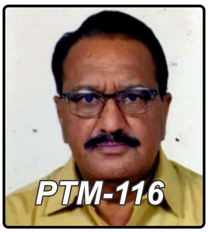

श्री मदन लाल शर्मा, वडोदरा

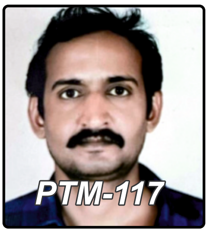

श्री गजानन्द जांगिड, सूरत

वर्तमान प्रधान के कार्यकाल में बने हुए एक लाख रुपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री हरिराम शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

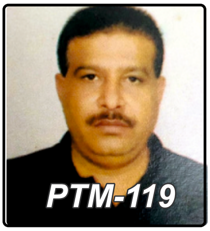

श्री सतवीर शर्मा, गुरूग्राम

श्री किशोरी लाल शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

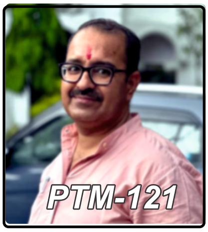

श्री सुनील सिद्धड़, चिड़ावा, झुंझुनू

श्री सुरेश कुमार जांगिड, नजफगढ़

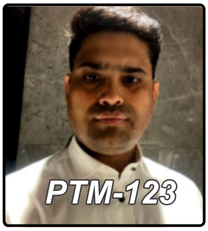

श्री मोहन पंवार, सागरपुर दिल्ली

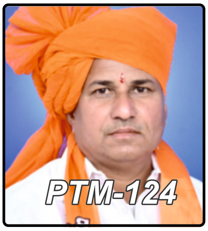

श्री रामावतार जांगिड, सरदारशहर, चूरू

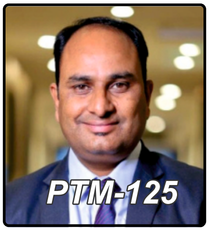

श्री राजील कुमार जांगिड, सूरत

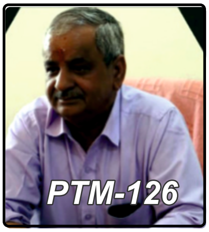

श्री सादीराम जांगिड, हनुमानगढ़,रा0

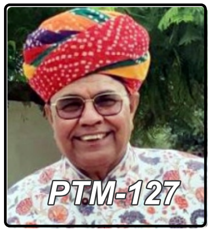

श्री मामराज मिस्त्री, सूरत

श्री सागरमल जांगिड, वडोदरा

श्री सुनील कुमार जांगिड, महाराष्ट्र

श्री महेश कुमार शर्मा, दिल्ली

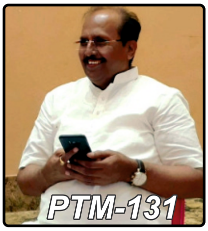

श्री किशन लाल जांगिड, जयपुर

श्री एकलिंग प्रसाद सुथार, सूरत

श्री राजेश जांगिड, हैदराबाद

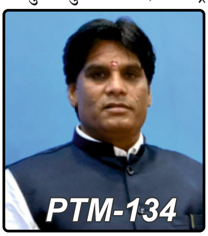

श्री सियाराम जांगिड, हैदराबाद

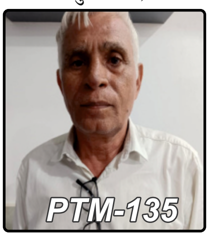

श्री रामवतार शर्मा, तिरूवल्लुर,तमिलनाडू

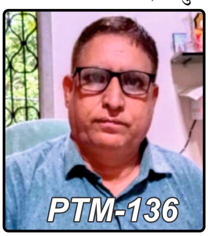

श्री सतीश कुमार जांगिड,(किशनगढ़ बास) वलसाड

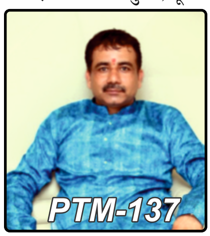

श्री शंकरलाल माकड़, हैदराबाद

श्री महेश चन्द शर्मा, साध नगर, दिल्ली

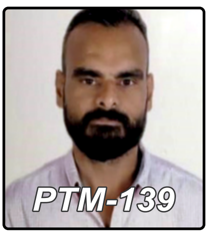

श्री राकेश जांगिड, सूरत

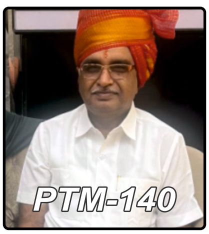

श्री देवकरण जांगिड, हैदराबाद

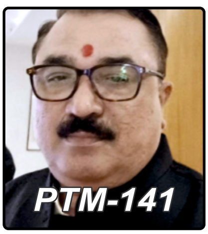

श्री सुभाष शर्मा, भरूच

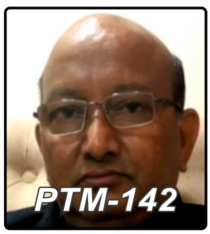

श्री महेश शर्मा, बैंगलुरू

वर्तमान प्रधान के कार्यकाल में बने हुए एक लाख रुपये के प्लेटिनम सदस्य

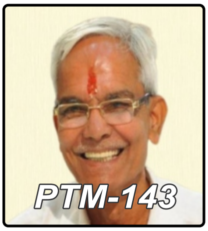

श्री चंद्र प्रकाश शर्मा, गांधीधाम,कच्छ

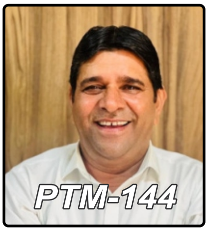

श्री सतवीर जांगिड, बैंगलुरू

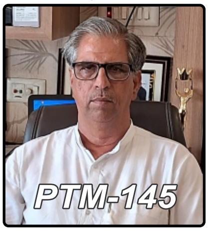

श्री महेन्द्र सिंह जांगिड, धारूहेड़ा रेवाड़ी

श्री पूरनमल जांगिड, सूरत

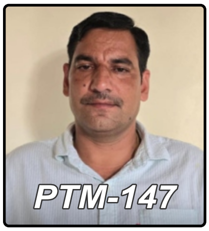

स्वर्गीय श्री नरेश शर्मा, भरूच

श्री बंशीधर जांगिड, भरूच

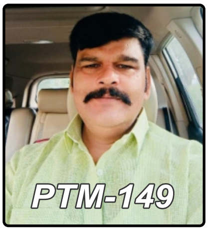

श्री मुकेश कुमार जांगिड, हिम्मतनगर

श्री गोपाल जांगिड, गांधी नगर

श्री राजेन्द्र कुमार डभाण, खेड़ा

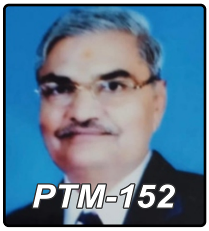

श्री ओम प्रकाश शर्मा, अहमदाबाद

श्री अरूण कुमार डभाण, खेड़ा

श्री कैलाश चंद्र शर्मा, डभाण, खेड़ा

श्री मदन लाल सुथार, भरूच

श्री महेन्द्र जांगिड, भरूच

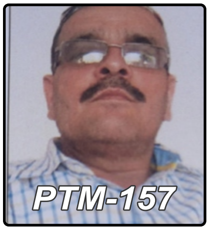

श्री कन्हैया लाल, (ओजटू वाले) बैंगलुरू

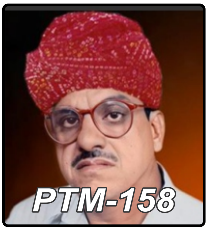

श्री शंकरलाल जांगिड, झुंझुनूं

श्रीमती उषा बरड़वा धर्मपत्नी श्री आनन्द बरड़वा, कोटा राज0

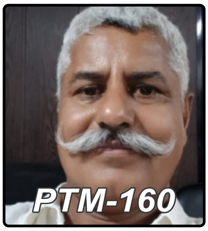

श्री देवेन्द्र शर्मा, उदयपुर, राजस्थान

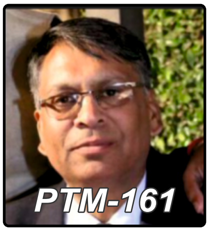

श्री नरोत्तम लाल जांगिड, फरीदाबाद, हरियाणा

श्री हजारी लाल शर्मा, जयपुर, राज0

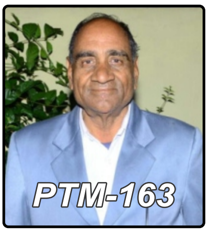

श्री भागीरथ मल जांगिड, जयपुर, राज0

श्री मदनलाल शर्मा, रायपुर छ0गढ़

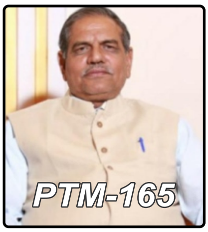

श्री पतराम शर्मा , गुरूग्राम, हरियाणा

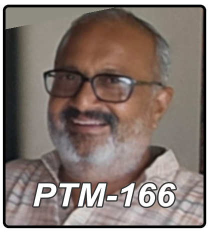

श्री बजरंग शर्मा , दुर्ग, छतीसगढ़

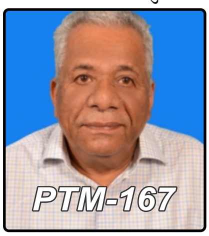

श्री विरदी चन्द शर्मा , रायपुर, छतीसगढ़

वर्तमान प्रधान के कार्यकाल में बने हुए एक लाख रुपये के प्लेटिनम सदस्य

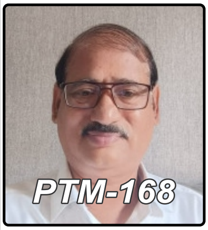

श्री ओमप्रकाश जांगिड, रायपुर, छतीसगढ़

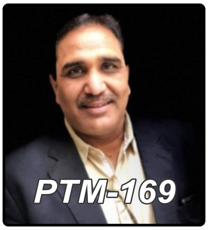

श्री संतलाल शर्मा, बैंगलुरू, कर्नाटक

श्री जगन नाथ जांगिड, रेवाड़ी, हरियाणा

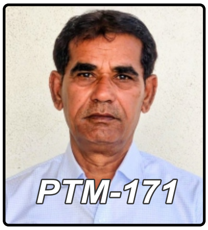

श्री राजकुमार चोयल,पोलो ग्राउंड, सीकर

श्री गोपालदास शर्मा, रायपुर, छ0गढ़

श्री विनोद कुमार शर्मा, रायपुर, छ0गढ़

श्री राधेश्याम शर्मा, जयपुर, राज0

श्री प्रहलाद राय जांगिड, दूजोद, सीकर, राज0

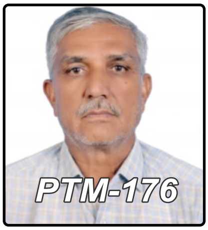

श्री भोलाराम शर्मा, दुर्ग, छतीसगढ़

श्री रमेश शर्मा, रायपुर, छतीसगढ़

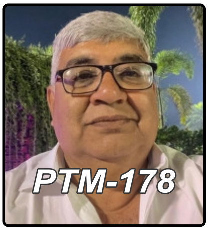

श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, अहमदाबाद, गुज0

श्री नीलेश कुमार शर्मा, अहमदाबाद, गुज0

श्री अनुराग नीलेश कुमार शर्मा, अहमदाबाद, गुज0

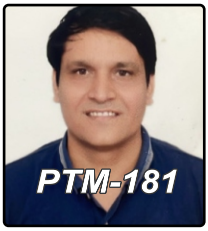

श्री ओम प्रकाश जांगिड, वापी वलसाड, गुज0

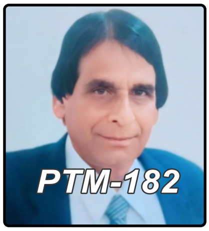

श्री शिवपाल जांगिड, बेटमा, इन्दौर, मध्य प्रदेश

श्री उमेदराम जांगिड, वापी, वलसाड, गुजरात

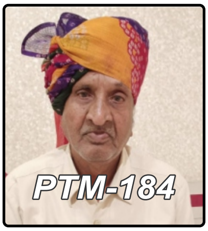

श्री द्वारका प्रसाद शर्मा, वापी, वलसाड, गुजरात

श्री अरुण कुमार, आया नगर, दिल्ली

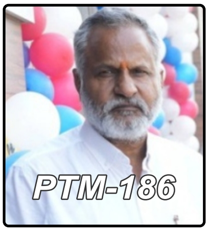

श्री सुरेश जांगिड, दक्षिणी दिल्ली

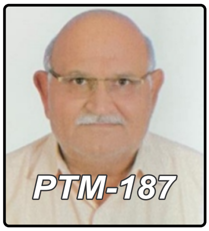

श्री श्रीराम जांगिड, बाजवा,वडोदरा, गुजरात

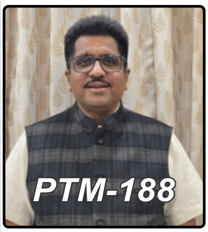

श्री जसाराम सुथार, पणजी, नॉर्थ गोवा

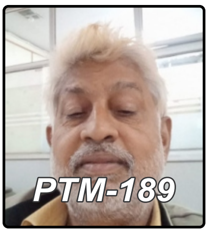

श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा, मेरठ, उत्तर प्रदेश

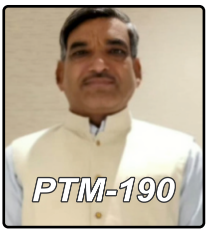

श्री रवि दत्त शर्मा, अहमदाबाद,गुजरात

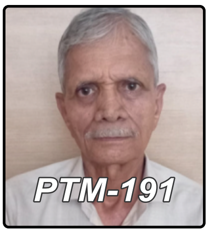

श्री रमेश चंद्र शर्मा, अंजनी नगर, इंदौर

श्री मुरारीलाल शर्मा, अहमदाबाद, गुजरात

वर्तमान प्रधान के कार्यकाल में बने हुए एक लाख रुपये के प्लेटिनम सदस्य

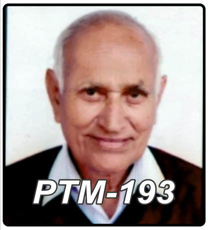

श्री वीरेंद्र कुमार, शामली, उत्तर प्रदेश

श्री महेंद्र जांगिड (पवार), कैलाशपुरी,इंदौर, म.प्र.

श्री सांवरमल शर्मा, दक्षिण गोवा,गोवा

श्री अशोक शर्मा,जवाहर नगर,देवास,म.प्र.

श्री धीरज शर्मा, सेक्टर-ई, इंदौर,म.प्र.

श्री ओम प्रकाश जांगिड, शाजापुर,म.प्र.

कुमारी हिमानी ने दसवी कक्षा मे 98.80% अंक प्राप्त कर महेंद्रगढ़ जिले और हरियाणा का नाम रोशन किया,

हिमानी जांगिड

जांगिड ब्राह्मण समाज की बेटी **हिमानी पुत्री गौरीशंकर सुपौत्री शिव कुमार खुडानियां**, गांव खुडाना, जिला महेंद्रगढ, हरियाणा ने दसवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा में 500 अंक में से 494 अंक लेकर (98.8 %) अपने परिवार और जांगिड ब्राह्मण समाज का नाम रोशन किया है। जांगिड ब्राह्मण प्रदेश सभा हरियाणा, बेटी हिमानी को इस शानदार उपलब्धि पर कोटि कोटि बधाई और शुभ कामनायें प्रेषित करती है। यह उपलब्धि हिमानी की कड़ी मेहनत और परिवार की जागरूकता का परिणाम है।

महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने हिमानी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए जीवन मे और अधिक सफलता अर्जित कर, समाज, परिवार और देश का नाम रोशन करने के लिए आशीर्वाद और शुभकामनाए प्रेषित की है। उन्होंने कहा कि समाज के अन्य छात्र/छात्राओं को भी हिमानी से प्रेरणा लेनी चाहिए।

टेक चन्द जांगिड, महामन्त्री- प्रदेश सभा हरियाणा

कविता : - मेह बरस्यो है सांतरो

गड गड़ गाज्यो बादलो, चमचम चमकी बीज। मेह बरस्यो है सांतरो, मिटगी मन की खीज।।
कळ-कळ बैवे नालियाँ, सडकां साफ सटीक। घणां दिनां सोयो डागलो, होयो गोरो गटीक ।।
सर-सर चाल्यो बायरो, उड़ै पंछी आकाश। हलका होगा बादला, फैल्यो धरा प्रकाश ।।
टर्र टर्र बोले मिंडका, जगी जमाने आश। मूंग, मोठ और बाजरी, हरियो उगसी घास ।।
काला धोला तिलां रो, तेडो चंवला सीर। थोड़ा काकड़ बीज का, थोड़ा बीज मतीर ।।
मेहो बरस्यो सांतरो, धरती प्यास बुझाय। हरसै पशु, पक्षी मिनख, दोहा सुखो रचाय ।।

वर चाहिए

1. Wanted a suitable match for Groom- Doctor/IAS/Ips/Govt officer, **Dr.Anusha sharma** D.O.B.: 23/3/1996, Height 5 feet and 1.5 inches.Birth place- Lucknow, Education: MBBS MD (lady harding medical College) and working as a Senior residency in Govt hospital delhi . Father name- Dr yoginder sharma working in civil hospital bahadurgarh Mother name- Dr Jaimala sharma working in civil hospital (retired as cmo Jhajjar) Brother -B Tech and doing M tech from Germany, Goter - Dandeva , Satoriya, Bagadwal, Own residence at Delhi and Bahadurgarh Contact Nos.: **7015419965, 9255548663**

2. जांगिड ब्राह्मण लड़की, ममता जांगिड के लिए रिश्ते की तलाश है। जन्म तिथि: 01-08-1995, समय: शाम 4:30 बजे, स्थान: सादुलपुर, राजस्थान, लंबाई: 5'-3" शिक्षा: M.A (भूगोल), BA (अंग्रेज़ी) गोत्र: पिता- सावलौदिया, माता- राजोतिया, दादी- सिदड़, नानी- भिरानिया, संपर्क: पिता- सुरेश जांगिड **(8852018704, 9099335385)**

वधू चाहिए

1. Wanted a suitable match for qualified girl who can settle in "Australia* Divye Dandeva Date of Birth: 14/10/1997, Place of Birth: Delhi, Time: 13.10 pm, Height: 5.11" Weight: 80kg, Complexion: Fair, Education:-B.Tech (CSE) from India, MS (Data Science) from Australia, PhD in CSE from India with Scholarship, completed first year since he had to move to Australia due to VISA restrictions, as he is having a working VISA up to 2028. But can pursue a PhD further if required in future. Working Status: Doing a job as Data Analyst in IBM Institute, Melbourne. Grandmother: Smt. Nirmala Devi w/o Late Shri Bishan Datt, Father: Vijay Dandeva, B Tech, businessman, Mother: Dr. Neetu Sharma (BE,ME, PhD CSE) working as a Professor in Galgotias university, Greater Noida, Younger Brother: B.Tech CSE from Warsaw University (Poland)and doing a job in Warsaw GOOGLE.Family Members: The boy has four real Bua jis & Fufa jissend one Uncle & Aunt and nine cousins. Seven are MBBS doctors, PhD and Engineers, living in Canada, Germany & Delhi. Our own Residences:Bahadurgarh, Delhi, Gotras: Self-Dandeva, Mother-Satoria, Grandmother- Chhawnia-You-are welcome to discuss at WhatsApp no. **9811614525-** Vijay Dandeva DANMIT EV Pvt Ltd Main Railway road, Kath Mandi-Bahadurgarh(HR)

2. जांगिड ब्राह्मण युवक, दीपक जांगिड के लिए रिश्ते की तलाश है। जन्म तिथि: 12-05-1992, समयः सुबह 6:30 बजे, स्थानः सादुलपुर, राजस्थान, लंबाई: 5'-7" शिक्षाः M.Sc (कंप्यूटर साइंस), BCA, पेशा: नेटवर्क इंजीमियर, R K ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली, गोत्रः पिता- सावलौदिया, माता- राजोतिया, दादी- सिदड़, नानी- भिरानिया, संपर्कः पिता- सुरेश जांगिड (8852018704, 9099335885)

3. Wanted a suitable match for vegetarian Jangid Brahmin boy of DLF Gurgaon, D.O.B. 4th October 1996, height 5'10" . Educational Qualification :- B. Tech in computer science, MBA (IIM Bangalore) and giving service as a senior software Engineer in Google. Gotra Khudania (Father), Dahiya (Mother), Jhuljulia (Paternal Grandmother), Mariyan (Material Grand mother) Father : Vijay Sharm a (Own Business) Mother : Suman (Homemaker) Sibling : younger sister, B. Tech computer science & MBA Contact: 9810340014 (Father)

5 जुलाई, 2026 को बैंगलोर मे आयोजित महासभा की त्रैमासिक मीटिंग और कर्नाटक प्रदेश सभा कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के कुछ यादगार पल

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

SHARMA
Group of companies

25 YEARS OF DRIVEN EXCELLENCE
SHARMA HYUNDAI
SINCE 1998

LATE SHREE
KANHAIYALAL SHARMA
(CHOYAL)

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road Call : 9099978327	Satellite Call : 9099978334
Parimal Garden Call : 9099978328	Naroda Call : 9099938777

TOYOTA

Authorised Toyota Dealer : **NARMADA TOYOTA**
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

Posted at:L.P.C. DELHI
R.M.S., Delhi-06

Registered With The Registrar of News Papers For INDIA, Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2024-26
Posted Under Licence No. U(DN)39/2024-26 of Post without prepayment of postage

Mahindra Rise.

महिन्द्रा का अधिकृत शोरूम एवं वर्कशॉप

भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154144, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154153

शोरूम : सर्वे नं. 379/2,ग्राम-डाबला, रेवाड़ी, आगरा रोड, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

Organization :

Audi Automobiles, Pithampur
Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt. Ltd., Pithampur
B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

Adm. Office
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone : 0731-2431921, Fax" 0731-2538841

Works:
Plot No. 199-b, Sector-1
Pithampur Dist. Dhar (M.P.) 454775
Phone : 07292-426150 to 70

Website : www.bhagirathbrothers.com

सेवा में

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 July 2026
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

प्रेषक
अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110006

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05, Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Ram Bhagat Sharma, 1741 Sector - 23 B Chandigarh (UT)